THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 247 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.12, 2079 सोमवार, 21 नवंबर 2022

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

दोस्त की गर्दन में 100 बार सुई चुभाकर हत्या

बक्सर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। बक्सर में 20 साल के युवक की उसके ही तीन दोस्तों ने जान ले ली। उनके बीच ड्रग्स को लेकर विवाद हुआ था। पहले तीनों ने मिलकर उसकी पिटाई की। फिर तीनों ने उसकी गर्दन में ड्रग्स की सुई को 100 से ज्यादा बार चुभाया, जिससे मौके पर मौत हो गई।

हत्या 9 नवंबर की रात हुई थी। शव अगले दिन सुबह जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कृतपुरा चिमनी के पास मिला था। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि शव मनोज यादव की है। पुलिस ने इस मामले में दो दोस्तों को गिरफ्तार किया है। तीसरा आरोपी बेंगलुरु भाग गया है। सभी इंटर के छात्र हैं। >14

गुजरात के वेरावल में मोदी की रैली

जय सोमनाथ के नारे से की सभा की शुरुआत

इससे पहले मंदिर में पूजा-अर्चना करने गए

गांधीनगर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वेरावल के सद्भावना मैदान पहुंचकर लोगों को संबोधित किया। उन्होंने जय सोमनाथ के नारे से सभा की शुरुआत की। इससे पहले सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने गए। यहां पीएम ने भगवान भोलेनाथ का पंचामृत अभिषेक किया। चांदी के कलश से शिव जी को जल चढ़ाया। सोमनाथ द्वादश ज्योर्तिलिंग में शामिल है। पीएम पांच साल बाद सोमनाथ पहुंचे हैं। इससे पहले वे 2017 में यहां आए थे।

वेरावल की रैली में मोदी ने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का उत्सव है। जनता से वोट डालने की अपील करते हुए मोदी ने कहा कि इस बार पोलिंग बूथ में सारे रिकॉर्ड तोड़ देना है। उन्होंने कहा कि सभी चुनावी पोल, आंकड़े और न्यूज चैनल बता रहे हैं कि इस बार फिर बीजेपी जीत रही है। पीएम ने आगे कहा कि लोग मुझसे पूछते हैं कि तुम इतनी दौड़-भाग क्यों करते हो। मैं उन्हें बताता हूं कि मैं इसलिए इतनी दौड़-भाग करता हूं, क्योंकि ये मेरा कर्तव्य है। आपके लिए मैं अपना कर्तव्य निभाता हूं तो आपको भी वोट देकर अपना कर्तव्य निभाना चाहिए।

पीएम ने कहा कि दो दशक पहले तक गुजरात कितना पिछड़ा था। समुद्र किनारे के इलाकों में सिर्फ खारा पानी था। हमारे लिए पीने का पानी तक नहीं था। लेकिन, आज गुजरात कहां है, इसे पूरी दुनिया देख रही है। आज समुद्र किनारे का यह एरिया पूरी दुनिया में चमक रहा है।

पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को देर शाम दमण से वापी तक रोड शो किया। वलसाड में जनसभा को संबोधित किया। इसके बाद सामूहिक विवाह में शामिल हुए। अगले दो दिनों में पीएम मध्य गुजरात, दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में 8 जनसभाओं को संबोधित करेंगे।

मदर डेयरी का दूध फिर महंगा

अब 1 लीटर के लिए चुकाने होंगे 64 रुपए, इस साल चौथी बार बढ़े दाम

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। मदर डेयरी ने दिल्ली-एनसीआर में दूध के दाम एक बार फिर बढ़ा दिए हैं। फुल क्रीम दूध 1 रुपए प्रति लीटर और टोकन मिल्क 2 रुपए लीटर महंगा हुआ है। मदर डेयरी के फुल क्रीम दूध की कीमत 63 रुपए प्रति लीटर है, जो अब 64 रुपए प्रति लीटर कर दी गई है। वहीं, टोकन मिल्क की कीमत 48 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 50 रुपए प्रति लीटर हो गई है। हालांकि आधा लीटर (500 एमएल) पैक की कीमत में बढ़ोतरी नहीं की गई है। नई कीमतें सोमवार से लागू होंगी।

लागत बढ़ने कारण बढ़ाए दाम

कंपनी का कहना है कि लागत बढ़ने के चलते दूध की कीमतों में इजाफा किया गया है। मदर डेयरी के बाद अब दूसरी कंपनियां भी दूध के दाम बढ़ा सकती हैं।

इससे पहले पिछले महीने 16 अक्टूबर को भी मदर डेयरी ने फुल क्रीम और गाय के दूध के वैरिएंट्स की कीमतों में 2 रुपए प्रति लीटर का इजाफा किया था। इस साल चौथी बार मदर डेयरी ने दूध के दाम बढ़ाए हैं।अमूल ने भी पिछले महीने दूध के दाम बढ़ाए थे। तब एक लीटर फुल क्रीम अमूल दूध (अमूल गोल्ड) के पैकेट की कीमत 61 रुपए से बढ़ाकर 63 रुपए की गई थी। वहीं, आधा लीटर दूध की कीमत 30 से बढ़कर 31 रुपए हो गई थी। इसके अलावा भैंस के दूध की कीमत में भी 2 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी।

गंभीर अपराधों में जमानत देने से हिचकते हैं डिस्ट्रिक्ट जज: सीजेआई

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने चंद्रचूड़ के सम्मान में एक समारोह रखा था, वहीं उन्होंने ये बातें कहीं।

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि डिस्ट्रिक्ट जज हीनियस क्राइम (जघन्य अपराध) में जमानत देने से हिचकते हैं। यही वजह है कि हाईकोर्ट्स में जमानत याचिकाओं की बाढ़ आ रही है। यह बात उन्होंने बार काउंसिल ऑफ इंडिया की तरफ से किए सम्मान समारोह के दौरान कही। इस दौरान कानून मंत्री किरेन रिजिजू भी मौजूद थे। चंद्रचूड़ ने कहा- ऐसा नहीं कि जिला स्तर पर जज अपराध को नहीं समझते हैं। बल्कि उन्हें जमानत देने के बाद खुद को निशाना बनाए जाने का डर होता है। इस डर के बारे में कोई बात नहीं करता, जो हमें करनी चाहिए। इससे डिस्ट्रिक्ट कोर्ट का पैनापन कम हो रहा है और हाईकोर्ट्स के कामकाज पर असर पड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के बराबर हैं डिस्ट्रिक्ट कोर्ट

सीजेआई ने कहा- डिस्ट्रिक्ट ज्यूडिशियरी में बहुत सुधार की गुंजाइश है। सबसे पहले हमें उसके लिए सम्मान की भावना लानी होगी। मैं हमेशा कहता हूं कि डिस्ट्रिक्ट ज्यूडिशियरी छोटी नहीं है। यह नेशनल ज्यूडिशियरी में वही महत्व रखती है, जो हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट का है। एससी बड़े फैसले कर सकता है, लेकिन डिस्ट्रिक्ट कोर्ट उन छोटे-छोटे मामलों को निपटाता है, जो आम नागरिकों को शांति, खुशी और विश्वास देते हैं।

सत्ता में बैठे लोगों से सवाल करें, लेकिन उन पर भरोसा भी करें

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने कहा- जब हम सुप्रीम कोर्ट में एक फैसला लेते हैं तो हम चीजों को राष्ट्रीय दृष्टिकोण से देख रहे होते हैं। ये ध्यान रखें कि एक कानूनी या सामाजिक मुद्दे के हमेशा दो रंग होते हैं। सत्ता में बैठे लोगों से सवाल जरूर करें, लेकिन, कुछ उन पर भरोसा करना भी सीखें। हमें ये भरोसा करना चाहिए कि वो भी बेहतर के लिए ही काम करेंगे। उन्होंने यह बात गुजरात और तेलंगाना हाईकोर्ट के जस्टिस निखिल एस. कारियल, हाईकोर्ट के जस्टिस अभिषेक रेड्डी और मद्रास के जस्टिस टी राजा के प्रस्तावित तबादले के बाद बार यूनियन की हड़ताल को लेकर कही। इन यूनियन्स ने कॉलेजियम की सिफारिशों की वापसी तक कोर्ट का बहिष्कार करने का प्रस्ताव पारित किया है।

जिला जजों को सब-ऑर्डिनेट मानने की मानसिकता खत्म हो

पिछले दिनों भी जस्टिस चंद्रचूड़ ने देश में डिस्ट्रिक्ट जजों के प्रति बर्ताव को लेकर कटाक्ष किया था। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के जजों को जिला अदालतों को सब-ऑर्डिनेट मानने की मानसिकता बदलनी चाहिए। यह हमारी औपनिवेशिक मानसिकता को बताता है।

शशि शरूर बोले- आंबेडकर भारत के पहले नारीवादी पुरुष थे

महिला दर्शकों के सामने भाषण देते थे, कहते थे देर से शादी करो

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि डॉ. भीम राव आंबेडकर भारत के पहले नारीवादी पुरुष थे। वे 1920 और 30 के दशक में महिला दर्शकों के सामने भाषण देते थे। आज ऐसा करने वाले नेताओं को प्रोग्रेसिव माना जाता है। वे गोवा हेरिटेज फेस्टिवल में अपनी किताब 'आंबेडकर : ए लाइफ' के बारे में बात कर रहे थे।

आंबेडकर ने महिला श्रमिकों के लिए लड़ाई लड़ी

कांग्रेस सांसद ने कहा कि आंबेडकर ने उस दौर में महिलाओं से कहा था कि खुद को शादी के लिए मजबूर न होने दें। उन्होंने महिलाओं को सही समय पर अपनी मर्जी से शादी करने, देर से मां बनने और पति के साथ खड़े होने का आग्रह किया। जब वे बॉम्बे विधानसभा में विधायक थे तो उन्होंने महिला श्रमिकों और मजदूरों के लिए लड़ाई लड़ी। >14

मुकेश अंबानी नाना बने बेटी ईशा को जुड़वां बच्चे हुए

बेटी को आदिया और बेटे को कृष्णा नाम दिया

अंबानी और पीरामल परिवार की फोटो। बाएं से स्वाति पीरामल, अजय पीरामल, ईशा अंबानी, मुकेश अंबानी, नीता अंबानी और ईशा के पति आनंद पीरामल।

मुंबई, 20 नवंबर (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी ने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया।

ईशा रिलायंस रिटेल का बिजनेस संभालती हैं। उनकी शादी आनंद पीरामल से हुई है। ईशा और आनंद की बेटी का नाम आदिया और बेटे का नाम कृष्णा रखा गया है। अंबानी और पीरामल परिवार ने रविवार दोपहर को मीडिया स्टेटमेंट में इसकी जानकारी दी।

ईशा अंबानी और आनंद पीरामल की शादी चार साल पहले मुंबई में हुई थी। मुकेश अंबानी के परिवार में अब तीन छोटे बच्चे हो गए हैं। उनके बेटे-बहू आकाश और श्लोका को एक बेटा है, जिसका नाम पृथ्वी है। मुकेश और नीता अंबानी कई मौकों पर अपने पोते पृथ्वी के साथ देखे गए हैं। >14

इंडियन आर्मी खरीदेगी 62,500 बुलेटप्रूफ जैकेट्स

आतंकियों की गोलियां इन्हें भेद नहीं पाएंगीं, इनका एक-एक पार्ट भारत में बनेगा

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में आतंकवादियों की स्टील कोर बुलेट्स के खतरे के बीच, भारतीय सेना अपने फ्रंट लाइन जवानों के लिए अब तक की सबसे बेहतर बुलेटप्रूफ जैकेट का इंतजाम करने जा रही है। इसके लिए रक्षा मंत्रालय ने 2 तरह के टेंडर जारी किए हैं। इसके जरिए मेक इन इंडिया के तहत 62,500 जैकेट्स बनाई जाएंगी। भारतीय सेना से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि नॉर्मल रूट से 47,627 जैकेट्स मंगाए गए हैं, जबकि इमरजेंसी प्रोक्योरमेंट प्रोसेस के जरिए 15,000 जैकेट मांगी गई हैं। इन्हें अगले तीन से चार महीने में फाइनल कर दिया जाएगा। बाकी 47,627 जैकेटों की खरीद कई चरणों में होगी। यह प्रक्रिया 18-24 महीनों में पूरी होने की उम्मीद है।

सेना ने एक लिस्ट बनाई है, जिसमें बताया गया है कि बुलेट प्रूफ जैकेट किन विशेषताओं से लैस होनी चाहिए। सेना के मुताबिक, यह जैकेट सैनिक को 7.62 मिमी आर्मर-पियर्सिंग (कवच को भेदने में सक्षम) राइफल बुलेट और 10 मीटर दूर से दागी गई स्टील कोर बुलेट से बचाने में सक्षम होनी चाहिए। पिछले कुछ समय से कश्मीर घाटी में आतंकवादी भारतीय सेना के साथ मुठभेड़ में अमेरिकी आर्मर पियर्सिंग बुलेट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। ये बुलेट्स सैनिकों की बुलेटप्रूफ जैकेट को फाड़कर निकल गई थीं।

अफगानिस्तान से जाते हुए अमेरिकी सेना ने बड़ी संख्या में आर्मर पियर्सिंग बुलेट्स , एम-16 असॉल्ट राइफलें और एम-4 कार्बाइन वहीं छोड़ दिए। इन्हें तालिबान ने अपने कब्जे में ले लिया। बाद में यही बुलेट्स आतंकियों को सप्लाई कर दी गईं।

दो टेंडर के जरिए खरीदे जा रहे जैकेट लेवल- 4 के होंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की दाहिनी आंख की सर्जरी सफल

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। आर्मी हॉस्पिटल में भर्ती राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की आज दाहिनी आंख की सफल सर्जरी की गई। महामहिम मुर्मू मोतियाबिंद से जूझ रही थीं। इस ऑपरेशन को ब्रिगेडियर एसके मिश्रा और उनकी टीम ने सफल तरीके से अंजाम दिया। अब उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है।

क्या है मोतियाबिंद की बीमारी

मोतियाबिंद आंख की वह स्थिति है जहां पर आंखों में दूधिया प्रभाव के कारण आप की दृष्टि धुंधली हो जाती है । मोतियाबिंद से ग्रसित लोगों की आंखों पर धुंधला बिम्ब बनता है। जिसकी वजह से उन्हें रात में देखने में मुश्किल होती है साथ ही तेज रोशनी में भी दिक्कत होती है।

'मोदी सरकार यूपीए के कानूनों को कर रही कमजोर', राहुल गांधी ने पीएम पर लगाया आरोप

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की "भारत जोड़ो यात्रा' का आज यानी रविवार को महाराष्ट्र में आखिरी दिन है। यात्रा महाराष्ट्र चरण के अंतिम दिन बुलढाणा जिले से आगे बढ़ी। महाराष्ट्र से यह पदयात्रा रविवार रात को मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी। यात्रा के 74वें दिन साईराम एग्रो सेंटर में रात्रि विश्राम के बाद सुबह छह बजे बुलढाणा के भेंडवल से फिर से शुरू हुई। इसी क्रम में कांग्रेस नेता राबुल गांधी ने महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के जलगांव-जामोद में आदिवासी महिला कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। यहां उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर आदिवासियों को सशक्त बनाने के लिए संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) द्वारा बनाए गए कानूनों को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब उनकी पार्टी दोबारा सत्ता में वापसी करेगी तो इन कानूनों को मजबूत किया जाएगा।

इस दौरान पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि आदिवासी देश के "पहले मालिक" हैं और उन्हें अन्य नागरिकों की तरह समान अधिकार प्राप्त हैं। मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, वन अधिकार अधिनियम, भूमि अधिकार, पंचायत राज अधिनियम और स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण जैसे कानूनों को कमजोर कर रही है।

राहुल गांधी ने बताया वनवासी का मतलब

राहुल गांधी ने तंज कसते हुए कहा कि पीएम मोदी आदिवासियों को 'वनवासी' कहते हैं, लेकिन 'आदिवासी' और 'वनवासी' शब्दों के अलग-अलग अर्थ हैं। वनवासी का मतलब है कि आप केवल जंगलों में रह सकते हैं, शहरों में नहीं, आप डॉक्टर और इंजीनियर नहीं बन सकते हैं और हवाई जहाज से यात्रा नहीं कर सकते हैं।

इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री आदिवासियों की जमीन छीनकर अपने दोस्तों को देना चाहते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि जब हम सत्ता में आएंगे तो हम इन कानूनों को मजबूत करेंगे और आपके कल्याण के लिए नए कानून बनाएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी दादी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी कहा करती थीं कि आदिवासी देश के पहले मालिक हैं।अगर आप आदिवासियों की संस्कृति और इतिहास को नहीं समझेंगे तो देश को नहीं समझ पाएंगे।

बताया जा रहा है कि सोमवार को "भारत यात्रियों' के लिए विश्राम दिवस रहेगा। इस दिन राहुल गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करेंगे। गुजरात में विधानसभा चुनाव के लिए एक और पांच दिसंबर को मतदान होना है। "भारत जोड़ो यात्रा' सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी।

इस बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा अगले हफ्ते मध्य प्रदेश में "भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल होंगी। यह पहली बार है, जब कांग्रेस की उत्तर प्रदेश से जुड़े मामलों की प्रभारी महासचिव प्रियंका इस पदयात्रा में हिस्सा लेंगी।

मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत शादी पाक्सो से बाहर नहीं

केरल हाईकोर्ट का फैसला; नाबालिग से संबंध बनाना अपराध

तिरुवनंतपुरम, 20 नवंबर (एजेंसियां)।केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि पर्सनल लॉ के तहत मुस्लिमों के बीच हुई शादी पॉक्सो एक्ट के दायरे से बाहर नहीं है। यानी पति अगर नाबालिग पत्नी के साथ संबंध बनाता है, तो उस पर पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया जा सकता है। जस्टिस बेचू कुरियन थॉमस ने कहा कि पर्सनल लॉ में विवाह वैध होने के बावजूद यदि एक पक्ष नाबालिग है, तो इसे पाक्सो के तहत अपराध माना जाएगा।

जस्टिस थॉमस ने कहा कि वे पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट के दृष्टिकोण से सहमत नहीं। जिसमें कोर्ट ने एक मुस्लिम लड़की जो 15 साल की हो चुकी है, उसे अपनी पसंद से शादी करने का अधिकार दिया था, और पति के नाबालिग लड़की के साथ शारीरिक संबंध बनाने पर पाक्सो के तहत केस दर्ज करने से छूट दी गई थी।

उन्होंने यह भी कहा कि वे मोहम्मडन लॉ के तहत 17 साल की लड़की से शादी करने वाले मो. वसीम अहमद के केस में दिए गए कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले से भी सहमत नहीं, जिसमें आरोपी के खिलाफ आपराधिक मामले को खारिज कर दिया था।

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल बोले

पूर्वोत्तर के लाभ के लिए जलमार्ग की संभावना तलाशने के लिए हम प्रतिबद्ध

सिल्चर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि केंद्र सरकार अंतर्देशीय जलमार्गों की पूरी क्षमता का पता लगाने के लिए काम कर रही है क्योंकि यह आंतरिक भागों के विकास के लिए संचार का एक महत्वपूर्ण साधन है। उन्होंने उत्तर पूर्वी क्षेत्र में अधिक आर्थिक जीवंतता सुनिश्चित करने में जलमार्गों की भूमिका को भी रेखांकित किया।

सोनोवाल ने बराक घाटी के लिए जलमार्ग परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा

शनिवार को असम की बराक घाटी के लिए जलमार्ग परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने के बाद केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत समृद्ध है और हमारी समृद्ध विरासत से लोगों को अवगत कराने के लिए इसकी समृद्धि दुनिया तक पहुंचनी चाहिए। अंतर्देशीय जलमार्ग हमारे पूर्वोत्तर के लोगों के लिए हमारी उपज को एक कुशल और किफायती तरीके से वैश्विक व्यापार मानचित्र में ले जाने के लिए एक अद्भुत अवसर के रूप में आता है।

कंबोडिया दौरे पर जाएंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

आसियान की बैठक में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। कंबोडिया के उप प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय रक्षा मंत्री सामदेच पिचे सेना टीईए बान्ह के निमंत्रण पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 22-23 नवंबर तक कंबोडिया का आधिकारिक दौरा करेंगे. कंबोडिया, आसियान रक्षा मंत्रियों की प्लस (एडीएमएम प्लस) बैठक के द चेयर के रूप में, सिएम रीप, कंबोडिया में 9वीं वार्षिक बैठक की मेजबानी कर रहा है और रक्षा मंत्री 23 नवंबर 2022 को फोरम को संबोधित करेंगे. वह कंबोडिया के प्रधानमंत्री से भी मुलाकात करेंगे. भारत-आसियान संबंधों के 30 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भारत और कंबोडिया 22 नवंबर 2022 को राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में पहली भारत-आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे. बैठक के दौरान भारत-आसियान साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहलों की घोषणा करने की योजना है.

1992 में आसियान का संवाद भागीदार बना था भारत

बता दें कि भारत 1992 में आसियान का संवाद भागीदार बना और एडीएमएम-प्लस का उद्घाटन समारोह 12 अक्टूबर 2010 को हनोई, वियतनाम में आयोजित किया गया था. वर्ष 2017 से, एडीएमएम-प्लस मंत्री आसियान और प्लस देशों के बीच बातचीत और सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए वार्षिक बैठक कर रहे हैं. भारत और आसियान ने नवंबर 2022 में अपने संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' तक बढ़ाया है. एडीएमएम-प्लस बैठक और भारत-आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के अलावा रक्षा मंत्री भाग लेने वाले देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे. वार्ता के दौरान राजनाथ सिंह रक्षा सहयोग के मामलों और पारस्परिक रूप से लाभदायक संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करेंगे.

क्या है आसियान?

एसोसिएशन ऑफ साउथईस्ट एशियन नेशंस (आसियान) एक क्षेत्रीय संगठन है जो अलग-अलग पड़ोसियों को आर्थिक और सुरक्षा मुद्दों को संबोधित करने के लिए एक साथ लाता है, लेकिन समूह का प्रभाव सीमित रहता है. यह दस दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का एक अंतर सरकारी संगठन हैः ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम. आसियान देशों की कुल आबादी 66.2 करोड़ है और संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 3.2 ट्रिलियन डॉलर है. समूह ने एशियाई आर्थिक एकीकरण में एक केंद्रीय भूमिका निभाई है.

इसरोः ओशनसैट-3 और आठ

लघु उपग्रहों के साथ पीएसएलवी-54 का प्रक्षेपण 26 नवंबर को, तैयारी पूरी

बेंगलुरू, 20 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने ओशनसैट-3 और आठ लघु उपग्रहों के साथ पीएसएलवी-54/ईओएस-06 मिशन का प्रक्षेपण करेगा। इसरो ने इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली है। इसरो 26 नवंबर को श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से इसे प्रक्षिपित करेगा। राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि प्रक्षेपण के लिए शनिवार सुबह 11 बजकर 56 मिनट का समय निर्धारित किया गया है। इसरो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पीएसएलवी-54के जरिए ओशनसैट-3 और आठ लघु उपग्रह- पिक्सेल से 'आनंद', भूटानसैट, ध्रुव अंतरिक्ष से दो थायबोल्ट और स्पेसफ्लाइट यूएसए से चार एस्ट्रोकास्ट- प्रक्षेपित किए जाएंगे।

शिवाजी पर टिप्पणी कर

एनसीपी के निशाने पर आए महाराष्ट्र के राज्यपाल

मुंबई, 20 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के राज्यपाल बी एस कोश्यारी ने शनिवार को कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज पुराने दिनों के प्रतीक थे, जबकि उन्होंने हाल के दिनों में राज्य में प्रतीक के बारे में बात करते हुए बी आर अंबेडकर और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का जिक्र किया, जिसकी एनसीपी ने आलोचना की. राज्यपाल कोश्यारी ने औरंगाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार को डी.लिट की डिग्री प्रदान करने के बाद यह टिप्पणी की. महाराष्ट्र के राज्यपाल ने कहा,

"पहले जब आपसे पूछा जाता था कि आपका आइकन कौन है- जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस या फिर महात्मा गांधी, इसका जवाब हुआ करते थे. महाराष्ट्र में आपको कहीं और

देखने की जरूरत नहीं है (क्योंकि) यहां बहुत सारे आइकन हैं. जबकि छत्रपति शिवाजी महाराज पुराने समय के हैं, बी आर अंबेडकर और नितिन गडकरी मौजूदा समय के हैं,

राज्यपाल की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी ने उन पर महाराष्ट्र को नीचा दिखाने का आरोप लगाया. पार्टी के मुख्य प्रवक्ता क्लाइड क्रास्टो ने कहा कि राज्यपाल कोश्यारी ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से की है. भारत के राष्ट्रपति को संवैधानिक पद पर आसीन इस व्यक्ति (राज्यपाल कोश्यारी) को बदलने के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए, जो लगातार ऐसे बयान देते हैं जो विवाद पैदा करते हैं. बीजेपी हमेशा महाराष्ट्रीयनों की भावनाओं को आहत करने वाले उनके अपमानजनक बयानों के बारे में चुप रहती है,

इस साल की शुरुआत में, राज्यपाल ने यह सवाल करके विवाद पैदा कर दिया था कि छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में कौन पूछता अगर उनके गुरु समर्थ (रामदास) नहीं होते. उन्हें अपनी इस टिप्पणी के लिए भी आलोचना का सामना करना पड़ा था कि अगर गुजरातियों और राजस्थानियों को शहर छोड़ना पड़ा तो मुंबई के पास पैसे नहीं होंगे, जिसके लिए बाद में उन्होंने माफी मांगी.

एयर इंडिया के विमान में आई तकनीकी खराबी पुशबैक के 12 मिनट बाद ही वापस लौटी फ्लाइट

मुंबई, 20 नवंबर (एजेंसियां)। तकनीकी समस्या के चलते मुंबई कालीकट सेक्टर से संचालित एयर इंडिया 581 फ्लाइट सुबह उड़ान नहीं भर सकी। बताया जा रहा है कि सुबह 6.13 बजे पुशबैक के बाद विमान में तकनीकी समस्या पाई गई जिसके बाद 6.25 बजे उसे वापस लाना पड़ा। हालांकि, इंजीनियरिंग जांच के बाद तकनीकी समस्या दूर कर दी गई लेकिन विमान के उड़ान भरने में तीन घंटे की देरी हो गई। विमान में 110 यात्री सवार थे। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी है। प्रवक्ता ने कहा कि एयर इंडिया सुरक्षा के मुद्दों को

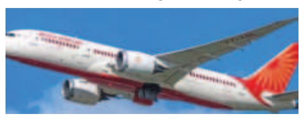

सर्वोच्च प्राथमिकता देती है, इसलिए विमान को फिर से संचालन के लिए मंजूरी देने से पहले गहन जांच की गई।

अगर राज्यपाल को नहीं हटाया तो चप्पल मारो

आंदोलन हम दिखाएंगे शिवाजी को लेकर बयान पर भड़के संजय राउत

मुंबई, 20 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के शिवजी पर दिए बयान को उद्धव गुट की शिवसेना ऐसे ही नहीं जाने देना चाहती है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता हाल ही में जेल से बाहर आए हैं। जेल से आते ही राउत हमलावर रुख अपनाए हुए हैं। अब शिवाजी को लेकर राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और सुधांशु त्रिवेदी के बयान पर संजय राउत ने तीखा हमला किया है। राउत ने कहा कि शिवाजी के अपमान पर मुख्यमंत्री शिंदे और उपमुख्यमंत्री चुप क्यों बैठे हैं।

कहां गया इनका स्वाभिमान?

राज्यपाल कोश्यारी और सुधांशु त्रिवेदी के विवादित बयान पर शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने कहा कि शिवाजी के अपमान पर मुख्यमंत्री शिंदे और उपमुख्यमंत्री चुप क्यों बैठे हैं। कहां गया इनका स्वाभिमान? राज्यपाल कोश्यारी और सुधांशु त्रिवेदी ने एक राष्ट्रीय चैनल पर शिवाजी महाराज का अपमान किया है और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस अब तक खामोश हैं।

'चप्पल मारो आंदोलन' की दी धमकी

संजय राउत ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह शिवाजी महाराज की जयकार करते हैं लेकिन उनके प्रवक्ता शिवाजी महाराज को माफी वीर कहते हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने स्वाभिमान का नारा देकर शिवसेना को तोड़ा था और बीजेपी के साथ चले गए थे। आज कहां गया उनका स्वाभिमान? मुख्यमंत्री इस्तीफा दें। अगर राज्यपाल को हटाया नहीं गया तो चप्पल मारो आंदोलन क्या होता है, ये हम दिखा कर रहेंगे।

राज्यपाल ने शिवाजी को लेकर क्या कहा

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में एक विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने कहा, मुझे ऐसा लगता है कि अगर कोई आपसे कहे कि आपका पसंदीदा हीरो कौन है? आपका फेवरेट आइकन कौन है? तो बाहर जाने की कोई जरूरत नहीं है। यहीं महाराष्ट्र में ही आपको मिल जाएंगे। शिवाजी तो पुराने युग की बात है, मैं नए युग की बात बोल रहा हूं। यहीं मिल जाएंगे, डॉ. आंबेडकर से लेकर डॉ. गडकरी तक... ये नितिन गडकरी तो आपको यहीं मिल जाएंगे।

सड़क हादसे में एक और एसपीओ की मौत, बाइक और कार की टक्कर में गई जान

जम्मू, 20 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू में बीते चार दिन में दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) की मौत हो गई है। रविवार को जम्मू के दोमेल क्षेत्र में बाइक और कार की टक्कर में एक एसपीओ की मौत हो गई है। इससे पहले बुधवार को शहर के बाहु फोर्ट नाके के पास हुए सड़क हादसे में एसपीओ की मौत हो गई थी। जानकारी के अनुसार, जम्मू के दोमेल में बाइक और कार की टक्कर में हो गई। इस हादसे में एसपीओ मनोहर लाल घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। एसपीओ मनोहर लाल (40) पुलिस थाना झज्जर कोटली में तैनात थे और सुकेतर दोमेल के रहने वाले थे।

दिल्ली में डॉगी के साथ हैवानियत

वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली. राजधानी दिल्ली की पुलिस ने पशु क्रूरता के एक मामले में बड़ा एक्शन लेते हुए इस संबंध में केस दर्ज किया है. पुलिस ने यह एक्शन एक डॉगी को घायल करने के वायरल वीडियो पर लिया है. पशु क्रूरता का यह मामला दिल्ली के एनएफसी थाने में दर्ज किया गया है. दिल्ली पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है. दिल्ली पुलिस ने बताया कि न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाने में दिव्या पुरी निवासी की एक शिकायत प्राप्त हुई थी. शिकायतकर्ता ने डॉन बॉस्को इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एनएफसी दिल्ली में एक सफेद स्ट्रीट डॉग के साथ क्रूरता के संबंध में आरोप लगाए थे. दिल्ली पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता ने इसके सबूत के तौर पर शिकायत के साथ ही घटना के वीडियो फुटेज भी पेश किए थे.

उसके बाद पुलिस ने प्रथम दृष्टया भारतीय दंड संहिता की धारा 429/34 और 11(1) पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत संज्ञेय अपराध होना पाया. इस पर एनएफसी थाने में इसका मामला दर्ज किया गया है. इस शिकायत के आधार पर एफआईआर संख्या 432/22 यू/एस 429/34 और 11(1) पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत मामला दर्ज किया गया है.

फारूक अब्दुल्ला बोले- भगवान राम सबके हैं, केवल हिंदू धर्म के नहीं

जम्मू, 20 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) ने केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि हमें यहां 50,000 नौकरियों का वादा किया गया था, वे कहां हैं? उन्होंने कहा कि हमारे डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ और बच्चे सभी बेरोजगार हैं। फारूख ने कहा कि यह राज्यपाल नहीं कर सकता, आप उन्हें जवाबदेह नहीं ठहरा सकते। साथ ही उन्होंने कहा कि चुनाव अहम है। उन्होंने कहा कि हमने कभी पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाया। जिन्ना मेरे पिता से मिलने आए थे, लेकिन हमने उनसे हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। हम इसके लिए खुश हैं, पाकिस्तान में लोग सशक्त नहीं हैं।

फारूख अब्दुल्ला ने कहा, कोई भी मजहब बुरा नहीं होता है, लेकिन जो इंसान भ्रष्ट होते हैं उनका कोई मजहब नहीं होता। बीजेपी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे चुनाव के दौरान 'हिंदू खतरे में हैं' का खूब इस्तेमाल करेंगे, लेकिन मेरी आपसे गुजारिश है कि आप इसके झांसे में न आएं। सभा के दौरान फारूख अब्दुल्ला ने कहा कि भगवान राम सबके हैं, केवल हिंदू धर्म के लोगों के लिए नहीं।

अगला विधानसभा चुनाव लड़ेंगे फारूख अब्दुल्ला

गौरतलब है कि नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का ऐलान कर चुके जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि वह अगला विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। अब्दुल्ला ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि वह अगले महीने एनसी की अध्यक्षता छोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि वह जिम्मेदारी से भाग नहीं रहे हैं, बल्कि पार्टी को मजबूत करने के लिए काम करना जारी रखेंगे।

अब्दुल्ला ने पार्टी में नए लोगों के स्वागत के लिए आयोजित एक समारोह से इतर संवाददाताओं से कहा, इंशा अल्लाह, जम्मू-कश्मीर में अगला विधानसभा चुनाव जब भी होगा, मैं जरूर लड़ूंगा। एनसी प्रमुख अब्दुल्ला और जम्मू प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता की उपस्थिति में नगरोटा से गुरजीत शर्मा सहित कई प्रमुख राजनीतिक कार्यकर्ता नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल हो गए।

नेशनल कांफ्रेंस एक लोकतांत्रिक पार्टी हैः फारूख

पार्टी के अगले अध्यक्ष के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कांफ्रेंस एक लोकतांत्रिक पार्टी है और नया नेता चुनने के लिए पार्टी का चुनाव 5 दिसंबर को होगा। उन्होंने कहा, लोग अपना नामांकन दाखिल करेंगे और पार्टी के प्रतिनिधि तय करेंगे कि अगला पार्टी अध्यक्ष कौन होगा। मैं विधानसभा चुनाव लड़ने जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी विधानसभा चुनाव के लिए तैयार है और जम्मू-कश्मीर को उसकी परेशानियों से बाहर निकालने के लिए एक विजेता के रूप में उभरेगी।

उन्होंने बीजेपी का जिक्र करते हुए कहा, उन्हें तारीखों की घोषणा करने दें, हम उन्हें दिखाएंगे कि वे कहां खड़े हैं। अब्दुल्ला ने कहा कि अब समय आ गया है कि पार्टी का नेतृत्व युवा संभाले। उन्होंने कहा, मुझसे जो संभव था, मैंने वह किया है। मैं पार्टी से नहीं बच रहा हूं और पार्टी की सफलता के लिए काम करता रहूंगा।

मंगलुरु में रिक्शा ब्लास्ट एक आतंकी साजिश

बैग में रखे प्रेशर कुकर में हुआ धमाका

मंगलुरु, 20 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंगलुरु में ऑटो ब्लास्ट को लेकर बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। कर्नाटक के डीजीपी ने बताया है कि मंगलुरु में ऑटो ब्लास्ट कोई सामान्य घटना नहीं थी, बल्कि आतंकी साजिश के तहत पूरी वारदात को अंजाम दिया गया है। हादसे की जांच के लिए अब से थोड़ी देर पहले मौके पर एनआईए की टीम पहुंची है। कल शाम को ये धमाका हुआ था जिसमें दो लोग घायल हुए हैं। कर्नाटक के डीजीपी के मुताबिक ब्लास्ट के जरिए बड़ी तबाही मचाने का मकसद था। कल जब ये ब्लास्ट हुआ तो इसके तुरंत बाद फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और शुरुआती जांच के आधार पर ये साफ हुआ है कि ये वारदात कोई सामान्य घटना नहीं है। बल्कि आतंकी साजिश के तहत इस वारदात को अंजाम दिया गया है। राज्य के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने कहा कि कर्नाटक पुलिस ने मंगलुरु में ऑटो-रिक्शा विस्फोट की घटना की गहन जांच शुरू कर दी है। आशंका जताई जा रही है कि यह आतंकी घटना है। राज्य पुलिस के साथ केंद्रीय जांच दल भी शामिल होगा। जानकारी मिली है कि इस मामले का मुख्य आरोपी ऑटो में सवार यात्री है। वह प्रेशर कुकर ले जा रहा था, जिसमें विस्फोटक भरा हुआ था, जिसमें धमाका हो गया। वह घायल है और उसका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। इस यात्री के पास से पुलिस को जो आधार कार्ड मिला वह फर्जी है और इसमें किसी दूसरे व्यक्ति का विवरण है। पुलिस ने उस व्यक्ति का पता लगाया है जिसका ये आधार कार्ड है। फिलहाल आधार किसी आतंकी घटना में शामिल नहीं पाया गया है। पुलिस आरोपी की असली पहचान पता करने और आरोपी का बैक ग्राउंड खंगालने में जुटी हुई है।

'संघ का मतलब पीएम मोदी या विहिप नहीं'

जानिए मोहन भागवत ने ऐसा क्यों कहा

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संघ सिर्फ शाखा लगाने का ही काम नहीं करता है, यह लोगों को देश के लिए काम करने को प्रोत्साहित करता है। संघ का काम है आदत डालना। इस बीच, भागवत ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक स्वयंसेवक और प्रचारक हैं और आज भी वह एक प्रचारक के रूप में काम कर रहे हैं।

'हम केवल परामर्श और सलाह दे सकते हैं'

आरएसएस प्रमुख ने शनिवार को जबलपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, जब भी संघ का नाम आता है, आप मोदीजी का नाम लेते हैं। हां, मोदीजी संघ के स्वयंसेवक भी रहे हैं और प्रचारक भी रहे हैं। विहिप

भी हमारे स्वयंसेवकों की ओर से चलाई जाती है, लेकिन संघ किसी को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित नहीं करता, वे स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। उन्होंने कहा, हम केवल परामर्श और सलाह दे सकते हैं, लेकिन उन्हें नियंत्रित नहीं कर सकते।

'हिंदुत्व का अर्थ सभी को गले लगाने का दर्शन'

बुद्धिजीवियों और प्रमुख लोगों की एक सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा, भारत भाषा, व्यापारिक हित, राजनीतिक शक्ति और विचार के आधार पर एक राष्ट्र नहीं बना। यह विविधता में एकता व वसुधव कुटुम्बकम के आधार पर राष्ट्र बना है। उन्होंने यह भी कहा कि एक व्यक्ति या एक संगठन या एक राजनीतिक संगठन बड़ा बदलाव नहीं कर सकता है। संघ प्रमुख ने कहा, हिंदुत्व का अर्थ सभी को गले लगाने का दर्शन है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना ही हिंदुत्व की प्रमुख भावना है। सार्वजनिक अनुशासन की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि धर्म का अर्थ रिलीजन या पूजा पद्धति नहीं है, बल्कि इसका अर्थ अनुशासित तरीके से अपने कर्तव्यों का पालन करना है।

'भाषा या पूजा प्रणाली समाज नहीं बनाती'

उन्होंने व्यापक रूप से प्रकृति संरक्षण प्रयासों का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमें धार्मिक रूप से वृक्षारोपण और जल संरक्षण करना चाहिए, क्योंकि हम प्रकृति से बहुत कुछ लेते हैं। उन्होंने कहा कि भाषा या पूजा प्रणाली समाज नहीं बनाती है। समान उद्देश्य वाले लोग समाज का निर्माण करते हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा, विविधता स्वागत योग्य और स्वीकार्य है, लेकिन विविधता को किसी भी तरह से भेदभाव का आधार नहीं बनना चाहिए।

घाटी के पत्रकारों को धमकी मामले में 12 स्थानों पर छापे

श्रीनगर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। पत्रकारों को धमकी के मामले में पुलिस ने श्रीनगर, अनंतनाग और कुलगाम जिलों के 12 स्थानों पर छापामारी कर कई डिजिटल उपकरण और दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारी के अनुसार जिन परिसरों में तलाशी ली गई उनमें कई पत्रकारों के आवास भी शामिल हैं। कुछ संदिग्धों को जांच और पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने 12 नवंबर को कश्मीर में पत्रकारों को सोशल मीडिया के जरिये धमकी देने के लिए लश्कर-ए-ताइबा (एलईटी) और लश्कर के छद्म संगठन टीआरएफ से जुड़े आतंकवादियों व संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस बीच करीब एक दर्जन से अधिक लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था,

एमसीडी चुनाव से ठीक पहले आप में शामिल हुए महाबल मिश्रा

कहा- कांग्रेस को जमीनी कार्यकर्ता की पहचान नहीं

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली नगर निगम के चुनाव से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महाबल मिश्रा रविवार (20 नवंबर) को आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए. कांग्रेस से एक बार सांसद और तीन बार विधायक रह चुके महाबल मिश्रा ने पहाड़गंज में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की मौजूदगी में एक जनसभा के दौरान 'आप' की सदस्यता ग्रहण की है. बता दें, दिल्ली नगर निगम के 250 पार्षदों को चुनने के लिए चार दिसंबर को मतदान होगा. मतगणना सात दिसंबर को होगी. एमसीडी के एकीकरण के बाद निगम का यह पहला चुनाव होगा. 'आप' में शामिल होने के बाग महाबल मिश्रा ने एबीपी न्यूज के सवालों का जवाब दिया. मिश्रा ने कहा, "मैं निश्चित रूप से कांग्रेस से लंबे समय से जुड़ा था लेकिन कांग्रेस को जमीनी कार्यकर्ता की पहचान नहीं है. मुझे उपेक्षित महसूस होने लगा, इसलिए आज जिस पार्टी ने मुझ पर विश्वास व्यक्त किया, मैं उसके साथ लगकर काम करूंगा." मिश्रा से जब पूछा गया कि 2020 में कांग्रेस ने उन्हें निलंबित कर दिया था, उन पर 'आप' उम्मीदवार का प्रचार करने का आरोप था. क्या वह बात सच साबित हो गई? इस पर उन्होंने कहा, "बिल्कुल गलत, विरोधी कुछ भी आरोप लगाते हैं." महाबल मिश्रा ने कहा कि आम आदमी पार्टी बिजली-पानी फ्री दे रही है, एजुकेशन पॉलिसी आदि सब अपना रही है. सत्येंद्र जैन के तिहाड़ जेल के कथित मसाज वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए महाबल मिश्रा ने कहा, "यह बहुत नीची सोच है क्योंकि वह (सत्येंद्र जैन) फिजियोथेरेपी करवा रहे हैं. कमर और रीड़ की हड्डी में दर्द होने पर ऐसा किया जाता है. इस पर राजनीति बिना बता की हो रही है." 2024 के लोकसभा चुनाव में 'आप' में क्या भूमिका रहेगी? इस बारे में पूछे जाने पर महाबल मिश्रा ने कहा, "2024 में क्या जिम्मेदारी होगी, यह केजरीवाल तय करेंगे.

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 21 नवंबर, 2022 3

सुविचार: कुछ लोगों के लिए तो अर्थ ही अनर्थ का कारण होता है, जो केवल मन से ही कल्याण की कामना करता है, वह कल्याण ही नहीं पा सकता।

तेलंगाना में विकलांगों के लिए अलग मंत्रालय बनाया जाएगा : कोप्पुला

जगतियाल, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कल्याण मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने कहा है कि ऐसे व्यक्तियों को अधिक लाभ प्रदान करने के लिए शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए एक अलग मंत्रालय स्थापित किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से बातचीत कर पृथक मंत्रालय का आश्वासन देते हुए कहा कि वर्तमान में निःशक्तजन कल्याण शाखा महिला एवं बाल कल्याण विभाग के पास है। मंत्री ने पीजी और डिग्री धारकों को स्कूटी उपलब्ध कराने के अलावा हर जिले में बैटरी से चलने वाला ट्राइसाइकिल रिपेयरिंग सेंटर स्थापित करने का भी आश्वासन दिया। मंत्री ने रविवार को यहां मिनी स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में 40 शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को रेट्रोफिटेड तिपहिया वाहन वितरित किए।

यह कहते हुए कि राज्य सरकार विकलांगों के कल्याण के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, उन्होंने कहा कि पहले, पीएचसी को सिर्फ 5 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया था। हालांकि, अलग तेलंगाना राज्य के गठन के बाद यह आंकड़ा बढ़कर 60 करोड़ रुपये हो गया। तेलंगाना एकमात्र राज्य है, जो विकलांग व्यक्तियों के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा था। इसके हिस्से के रूप में, लोगों को 3,000 रुपये पेंशन प्रदान की गई है और देश में कोई भी राज्य विकलांगों को इतनी राशि नहीं दे रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पैतृक राज्य गुजरात में सिर्फ 950 रुपये पेंशन दी जा रही है। विकलांग अधिनियम 2016 की धारा 92 को पूरी तरह से लागू करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने पीएचसी उम्मीदवारों को लघु व्यवसाय स्थापित करके अपने दम पर जीवन जीने के लिए 1 से 2 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया।

राज्य सरकार से निःशक्तजनों का आशीर्वाद मांगते हुए मंत्री ने 3 दिसंबर को निर्धारित विकलांग दिवस को बड़े पैमाने पर आयोजित करने की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि सरकार विकलांगों और उनके संघों पर सलाह लागू करने के लिए तैयार है। इस अवसर पर जगतियाल विधायक डॉ संजय कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष दवा वसंता, नगर निगम अध्यक्ष बोगा श्रावणी, कलेक्टर जी रवि, आरडीओ माधुरी आदि उपस्थित थे।

इंडियन रेसिंग लीग : हैदराबाद के रेसिंग प्रशंसकों की रही भारी भीड़

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के रेसिंग प्रशंसकों के लिए आज एक मिश्रित मिश्रित अनुभव रहा। इस रेसिंग कारों को देखने की भारी भीड़ रही। चेन्नई टर्बो राइडर्स और गोवा एसेस के ड्राइवरों की एक घटना ने आयोजकों के पास इंडियन रेसिंग लीग की मुख्य दौड़ को रद्द करने के अलावा कोई विकल्प नहीं छोड़ा।

अभ्यास दौड़ के दौरान शनिवार को मध्य मशीनों का अपना पहला स्वाद लेने वाले प्रशंसकों को रविवार को कारों को 250 किमी प्रति घंटे के करीब पूरी गति से टकराते हुए देखने की उम्मीद थी। हालांकि, जेके टायर एफएमएससीआई नेशनल रेसिंग चैंपियनशिप में भाग लेने वाली फॉर्मूला 4 कारों के साथ उनका अभी भी मनोरंजन किया गया। इससे पहले, भारत में यहां बने पहले स्ट्रीट सर्किट ने शनिवार को 14 साल की उम्र में ब्रेक लगाने में समस्या की शिकायत करने वाले ड्राइवरों के साथ थोड़ी समस्याएँ पैदा कीं। ड्राइवरों ने यह भी खुलासा किया कि ट्रैक ने एक ऊबड़-खाबड़ लुक दिया, जिससे उन्हें टोंड डाउन अभ्यास करने के लिए मजबूर होना पड़ा। हैदराबाद अगले साल फरवरी में उसी स्थान पर फॉर्मूला ई रेस की मेजबानी करने के लिए तैयार है और यह इंडियन रेसिंग लीग, विदेशी और स्थानीय दोनों ड्राइवरों के साथ छह टीमों की शहर-आधारित प्रतियोगिता, मेगा इवेंट के लिए एक तरह का ट्रायल रन था। हालांकि, चेन्नई के ड्राइवर की दुर्घटना के संबंध में, अभी तक कोई आधिकारिक शब्द नहीं आया है। इस मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि दुर्घटना में शामिल रेसर महिला ड्राइवर थी और उसे फ्रैक्चर हो गया है। उन्हें जुबली हिल्स के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, एक अन्य अधिकारी ने कहा कि यह चेन्नई का ड्राइवर विष्णु प्रसाद था। दुर्घटना के बावजूद, स्ट्रीट सर्किट कुछ ही समय में वापस आ गया था क्योंकि जेके टायर नेशनल रेसिंग चैंपियनशिप निर्धारित समय पर आगे बढ़ गई। इस राष्ट्रीय रेसिंग ने भी कई लाल झंडे देखे और भीड़ को रोमांचकारी अनुभव देते हुए पीले झंडे की स्थिति में समाप्त हुए।

इंडियन रेसिंग लीग में महिला राइडर घायल

रेसिंग के दौरान एक-दूसरे से टकराई कारें

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को एनटीआर मार्ग के पास आयोजित इंडियन रेसिंग लीग (आईआरएल) के दौरान एक महिला राइडर को मामूली चोटें आईं।

दूसरे दिन इंडियन रेसिंग लीग के हिस्से के रूप में, रेसिंग लगभग 9 बजे शुरू हुई। हालांकि, कुछ समय की कमी के कारण, पूर्ण दौड़ आयोजित नहीं की गई। एनटीआर मार्ग पर बड़ी संख्या में लोग दौड़ देखने पहुंचे। इसी बीच रविवार को रेसिंग इवेंट के दौरान तीन कारें आपस में टकरा गईं। सुरक्षा टीमों ने तुरंत कार्रवाई की और दौड़ फिर से शुरू की गई। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

शनिवार को एक छोटा सा हादसा भी हुआ। ट्विटर पर शेयर किए गए एक वीडियो में प्रसाद आईमैक्स के सामने एक रेसिंग कार पर पेड़ की टहनी गिर गई और कार ने नियंत्रण खो दिया। बड़ा हादसा होते-होते टल गया। कार रेसिंग इवेंट 2.7 किलोमीटर लंबे हैदराबाद स्ट्रीट सर्किट पर आयोजित किया गया था, जो देश का एकमात्र स्ट्रीट सर्किट है। रेस ट्रैक एनटीआर मार्ग, आईमैक्स रोड और सचिवालय परिसर के आसपास से होकर गुजरता है।

इसमें 17 घुमाव हैं। सड़कों को उनकी चिकनाई और वक्रों या घुमावों की संख्या के आधार पर चुना जाता है। इस अवसर पर मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़, महमूद अली और तलसानी श्रीनिवास यादव, जीएचएमसी के मेयर गडवाल विजया लक्ष्मी और अन्य नेताओं ने कार रेसिंग इवेंट देखा।

पीवी सिंधु ने एफएलओ बैडमिंटन विजेताओं को दिया पुरस्कार

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पीवी सिंधु ने विश्व स्तरीय बैडमिंटन अकादमी, सुचित्रा बैडमिंटन अकादमी में शहर के एफएलओ (फिक्की महिला संगठन) के सदस्यों ने एफएलओ बैडमिंटन टूर्नामेंट के विजेताओं को पुरस्कार दिए। रविवार देर शाम आयोजित एक संक्षिप्त और अनौपचारिक समारोह में, पीवी सिंधु ने एफएलओ के स्वास्थ्य और फिटनेस ड्राइव के हिस्से के रूप में सुचित्रा बैडमिंटन अकादमी में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

इस अवसर पर बोलते हुए, सिंधु ने दर्शकों से हमेशा अपने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा और कैसे एक खेल खेलना इसके लिए सबसे उपयुक्त चैनल है। उन्होंने कहा कि खेल एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली को बनाए रखने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कुछ 50 एफएलओ सदस्यों में उद्यमी, पेशेवर, उपलब्धि हासिल करने वाले चार दल शामिल थे और उन्होंने चार दिनों तक मैच खेले। उनमें से ज्यादातर पहली बार खिलाड़ी थे। लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट के लिए सप्ताह भर अभ्यास किया एफएलओ फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की महिला विंग है, जो महिला उद्यमियों और पेशेवरों के लिए एक अखिल भारतीय मंच है। एफएलओ हैदराबाद की चेयरपर्सन शुभ्रा माहेश्वरी ने आज शहर में जारी एक प्रेस नोट में कहा कि फाइनल शनिवार देर शाम तक सुचित्रा अकादमी में आयोजित किया गया था, जहां पीवी सिंधु पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि थीं।

शहर में नियम तोड़ने वालों पर 28 नवंबर से भारी जुर्माना लगाएगी यातायात पुलिस

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की यातायात पुलिस ने राज्य की राजधानी में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को दंडित करने के लिए 28 नवंबर से एक विशेष अभियान शुरू करने का फैसला किया है। वे उल्लंघन करने वालों पर भारी मात्रा में जुर्माना लगाएंगे, जो ट्रिपल राइडिंग और गलत रूट ड्राइविंग जैसे गलत करते हैं।

पुलिस ने गलत साइड ड्राइविंग के लिए 1,700 रुपये और ट्रिपल राइडिंग अपराध के लिए 1,200 रुपये का जुर्माना लगाने का फैसला किया है। उन्होंने शहर के वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन नहीं करने पर जुर्माने का सामना करने की चेतावनी दी। पुलिस का कहना है कि वाहन उपयोगकर्ताओं द्वारा यातायात नियमों का उचित अनुपालन सड़क दुर्घटनाओं को रोकेगा। उनका यह भी कहना है कि वे यातायात नियमों को लागू करने और वाहन उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऑपरेशन रोप जैसे विशेष अभियान और कार्यक्रम चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में ट्रिपल राइडिंग और गलत साइड ड्राइविंग उल्लंघन के कारण लगभग 100 लोगों की मौत हुई है।

दो महीने बाद भी राजभवन से नहीं मिली टीएस यूनिवर्सिटीज कॉमन रिक्रूटमेंट बिल को मंजूरी

बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं नौकरी के इच्छुक उम्मीदवार

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के विश्वविद्यालयों में शिक्षक भर्ती का बेसब्री से इंतजार करने के बावजूद, राजभवन पिछले दो महीनों से तेलंगाना यूनिवर्सिटी कॉमन रिक्रूटमेंट बोर्ड बिल को मंजूरी देने में देरी कर रहा है। यह शिक्षा मंत्री पी. सबिता इंद्रा रेड्डी के नेतृत्व में एक टीम एक सप्ताह पहले राज्यपाल डॉ. तमिलसाई सुंदरराजन द्वारा उठाए गए संदेह को दूर करने के लिए से व्यक्तिगत रूप से मिलने के बावजूद विधेयक पर सहमति देने में देरी बेरोजगार युवाओं और शिक्षक नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों पर भारी पड़ रही है।

शिक्षा मंत्री की टीम ने राज्यपाल को अवगत कराया था कि राज्य विश्वविद्यालयों में भर्ती विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों और विनियमों के अनुसार की जाएगी। इसने उन्हें यह भी सूचित किया था कि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों और अन्य शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए न्यूनतम योग्यता पर यूजीसी के नियमों की तालिका 3 को विधेयक में शामिल किया गया है। उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने राज्यपाल को समझाया था कि कैसे पिछली भर्तियों में, यदि हाथ में कई नौकरी के प्रस्ताव वाले उम्मीदवार को किसी एक को चुनना होता, विश्वविद्यालयों में पद खाली हो जाते थे, किंतु विश्वविद्यालयों की सामान्य भर्ती के मामले में अब ऐसा नहीं होगा।

हालांकि अधिकारियों के मुताबिक राज्यपाल ने विधेयक में शामिल प्रावधानों पर यूजीसी से जवाब मांगा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम राज्यपाल से मंजूरी मिलने के एक महीने के भीतर विश्वविद्यालयों में 2,000 से अधिक शिक्षण पदों के लिए अधिसूचना जारी करने के लिए तैयार हैं। बिहार, 1960 के दशक से, एक अलग आयोग के माध्यम से अपने विश्वविद्यालयों में शिक्षण पदों पर भर्ती कर रहा है, जो तेलंगाना यूनिवर्सिटी कॉमन रिक्रूटमेंट बोर्ड के समान है।

अब तक, राज्य के विश्वविद्यालय अपनी स्वयं की भर्तियां आयोजित करते रहे हैं, जिससे भ्रष्टाचार और पक्षपात की गुंजाइश बनी रहती है। इसके अलावा, ये भर्तियां कुछ मौकों पर कानूनी बाधाओं में फंस गईं, जिसके परिणामस्वरूप नियुक्तियों में देरी हुई। बिना किसी भ्रष्टाचार और पक्षपात के पारदर्शिता और त्वरित चयन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए, राज्य सरकार ने बोर्ड का गठन किया, जो चिकित्सा विश्वविद्यालय को छोड़कर, 15 विश्वविद्यालयों में शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों पर भर्ती करेगा।

नोटिफिकेशन जारी करने से लेकर इंटरव्यू आयोजित करने तक की पूरी भर्ती प्रक्रिया बोर्ड द्वारा की जाएगी।

प्रदेश के किसानों के लिए लड़ने के लिए कांग्रेस तैयार : रेवंत

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष और पार्टी सांसद ए. रेवंत रेड्डी ने आज कहा कि उनकी पार्टी राज्य के किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए लड़ने के लिए तैयार है। चल रही धान खरीदी प्रक्रिया पर टिप्पणी करते हुए, रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि राज्य प्रशासन और चावल मिल मालिकों द्वारा किसानों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य और केंद्र सरकारें, जो किसानों के बचाव में आने वाली हैं, अपने राजनीतिक हमलों से एक-दूसरे को निशाना बनाकर आपस में लड़ रही हैं। अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लेते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि जब राज्य के अधिकारी धान की गुणवत्ता की जांच कर रहे थे और उनके वजन की निगरानी कर रहे थे, चावल मिल मालिक गुणवत्ता की कमी का हवाला देते हुए धान की डिलीवरी नहीं ले रहे थे। उन्होंने कहा कि कुछ चावल मिल मालिक यह कहकर किसानों को परेशान कर रहे थे कि वे इसकी गुणवत्ता का हवाला देकर 3 किलो धान प्रति क्विंटल काट लेंगे।

कार्तिक मास के अवसर पर उप्पल के पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एनवीएसएस प्रभाकर ने कीसरा गांव में उप्पल निर्वाचन क्षेत्र के लिए वनभोजनम का आयोजन किया। इस अवसर पर आंवला पेड तथा गोमाता की विशेष पूजा की गई।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

मदनूर, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल इंद्रानगर निवासी पेंटवा (22) शनिवार को देर रात 3.30 बजे आपने ही घर में साड़ी से फांसी लेकर आखरी सांस ली। स्थानीय पुलिस निरीक्षक शिवकुमार ने रविवार को बताया कि इस समय मृत्य पेटवा के पास एक सुसाइट नोट मिला, जिसमें लिखा गया था कि उसकी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। पेंटवा की माता भूदेवी की शिकायत के अनुसार शव को मदनूर सरकारी अस्पताल में पोस्ट मार्टम करने के बाद शव को परिवार वालों को सौंप दिया गया।

मेदक में मृत मिला अज्ञात व्यक्ति

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मनोहराबाद मंडल में मुपिरेड्डीपल्ली के बाहरी इलाके में रविवार को एक अज्ञात व्यक्ति मृत पाया गया। ग्राम वीआरए कंडाला स्वामी के अनुसार, ग्रामीणों को झाड़ियों में शव मिला।

सूचना के बाद, मनोहराबाद पुलिस ने शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तूपरान में स्थानांतरित कर दिया। व्यक्ति की पहचान के लिए शव की एक तस्वीर सभी पुलिस थानों में भेजी गई थी।

यचाराम में संपत्ति के मुद्दे पर बेटे ने पिता की हत्या की

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के याचाराम में शनिवार की रात पैतृक संपत्ति बेचने से इनकार करने पर एक व्यक्ति की उसके बेटे ने कथित तौर पर हत्या कर दी।

पुलिस के अनुसार, पीड़ित 75 वर्षीय कर्रे मल्लैया अपने बेटे कर्रे वेंकटैया के साथ याचाराम के तम्मलोनिगुडा गांव में रहता था। कुछ साल पहले, वेंकटैया ने अपनी बेटी की शादी की थी और तब से कुछ वित्तीय मुद्दों का सामना कर रहा था। इस वजह से, उसने अपने पिता मल्लैया से गांव में परिवार की एक एकड़ जमीन बेचने और उसे पैसे देने के लिए कहा। हालांकि, मल्लैया ने इसका विरोध किया जिससे पिता और पुत्र के बीच अक्सर झगड़े होते रहे।

याचाराम इंस्पेक्टर, एस. लिंगैया ने कहा कि शनिवार की रात, वेंकटैया घर आया और फिर से अपने पिता से जमीन बेचने की मांग की। उनके बीच एक बहस हुई, जिसके दौरान वेंकटैया ने अपने पिता को मारा और बाद में उन्हें मौत के घाट उतार दिया।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए उस्मानिया अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया। मामला दर्ज कर लिया गया है और फरार वेंकटैया को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

भारतीय रिज़र्व बैंक / RESERVE BANK OF INDIA
पर्यवेक्षण विभाग / Department of Supervision
क्षेत्रीय कार्यालय, 6-1-56, सचिवालय मार्ग, सैफाबाद, हैदराबाद-500004

नोटिस

1. मेसर्स चिदरूपि फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड
2. मेसर्स गोल्डलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड

भारतीय रिज़र्व बैंक ने निम्नलिखित कंपनियों को 15 सितंबर 2022 को कारण बताओ नोटिस जारी किया कि वे 30 सितंबर 2022 को या उससे पहले लिखित रूप में कारण बताएं कि भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-IA के अंतर्गत उन्हें जारी किए गए पंजीकरण प्रमाणपत्र क्यों न रद्द कर दिए जाएं। कंपनियों ने आज तक कारण बताओ नोटिस का कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया है।

क्रम संख्या	कंपनी का नाम	कंपनी का पंजीकृत पता	पंजीकृत प्रमाणपत्र की संख्या एवं तारीख
1	मेसर्स चिदरूपि फाइनेंशियल सर्विसेस लि.	#6-668/10/25, पहली मंजिल, दुर्गा नगर कालोनी, सोमाजीगुडा, हैदराबाद-500082	09.00024 दिनांक मार्च 02, 1998
2	मेसर्स गोल्डलाइन फाइनेंशियल सर्विसेस लि.	द्वार 8-2-293/82/F/D/20, रास्ता नं. 16 फिल्म नगर, जुबिली हिल्स, हैदराबाद-500033	09.00170 दिनांक अप्रैल 29, 1998

ध्यान दें कि यदि उपर्युक्त कंपनियां इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के भीतर कारण बताओ नोटिस का कोई जवाब प्रस्तुत करने में विफल रहती हैं तो भारतीय रिज़र्व बैंक इस संबंध में कोई और सूचना दिए बिना भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-IA (6) के तहत उन्हें जारी किए गए पंजीकरण प्रमाणपत्र को रद्द करने के लिए बाध्य होगा।

स्थान : हैदराबाद
महाप्रबंधक

डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान का खेल महोत्सव का समापन

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय सेवाओं, केंद्रीय सिविल सेवा और सैन्य अभियंता सेवा अधिकारियों के लिए डॉ एमसीआर एचआरडी संस्थान द्वारा आयोजित खेलोत्सव (खेल महोत्सव) समाप्त हो गया। यह आयोजन तेलंगाना राज्य विशेष पुलिस 1 बटालियन ग्राउंड, युसुफगुडा में आयोजित किया गया।

बेनहूर महेश दत्त एक्का, आईएएस, डीजी, डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान और तेलंगाना सरकार के प्रधान सचिव, जो मुख्य अतिथि थे, ने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं में ट्राफियां प्राप्त करना अपने आप में महत्वपूर्ण है, इसमें सक्रिय भागीदारी खेल आयोजन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इसलिए खेल महोत्सव का उद्देश्य खिलाड़ियों की भावना का पाठ पढ़ाना और अधिकारी प्रशिक्षुओं के बीच भावना को बढ़ावा देना है।

उन्होंने कहा कि अधिकारी प्रशिक्षुओं के शानदार प्रदर्शन ने बिना किसी संदेह के प्रदर्शित किया कि वे खेल के क्षेत्र में किसी से पीछे नहीं हैं और कई लोकप्रिय मिथकों को खारिज कर दिया कि वे केवल किताबी कीड़े हैं। चेतन आनंद, पूर्व राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियन, जो विशिष्ट अतिथि थे, ने अधिकारी प्रशिक्षुओं से काम के व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद खेल खेलते रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खेल में भाग लेना और स्वस्थ जीवन शैली को बनाए रखना उनके दैनिक कार्यक्रम का हिस्सा बन जाना चाहिए ताकि उनके पेशेवर करियर के दौरान उत्पादक बने रहें।

अपने संबोधन को जारी रखते हुए चेतन आनंद ने देखा कि सिविल सेवकों और खिलाड़ियों दोनों के लिए आवश्यक कौशल सेटों के बीच मूलभूत समानताएँ हैं। सिविल सेवक और खिलाड़ी लक्ष्य निर्धारण, टीमों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करने, उच्च स्तर का अनुशासन विकसित करने आदि के क्षेत्र में एक-दूसरे से बहुत कुछ सीख सकते हैं।

आर्यवर्धन, युवा पैरा-पर्वतारोही और श्रीमती मुर्दुला कोराडा, इंडिया क्वार्टर मिलर, जो सम्मानित अतिथि थे, ने महिलाओं और शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों की खेलों में अपर्याप्त भागीदारी को देखते हुए उन्हें समर्थन और प्रोत्साहन की आवश्यकता को रेखांकित किया। अनिकेत वानवे, आईएफएस, एक प्रशिक्षु सिविल सेवक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व. श्री कानारामजी काग
(पूर्व अध्यक्ष श्री आईजी गौशाला)
: सुपुत्र : स्व. श्री गोमारामजी काग
मरुधर मे गाँव बिलाड़ा बेरा-बिल्दा ; स्वर्गवास: 20 नवम्बर 2022

स्मरणकर आपको, श्रद्धांजलि अर्पित करते है।
सदैव रहे आर्शीवाद आपका, प्रभु से प्रार्थना करते है।।

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :
चेनाराम, ऊगाराम (भाई), माड़ीबाई (धर्मपत्नी),
नेमाराम-लक्ष्मीदेवी, महेन्द्र-इन्द्रादेवी, ओमप्रकाश-नीतुदेवी (पुत्र-पुत्रवधु),
फुलीदेवी-मंगलारामजी लेरचा (पुत्री-दामाद), राहुल, रोहित, नितेश, कुनाल,
यशवन्त (पौत्र), पुजा (पौत्री), जितेन्द्र, सुमेर, दिलीप, जगदीश, विनिता
एवं समस्त काग परिवार

: फर्म : * श्री बालाजी ज्वैलर्स - धम्माईगुडा
* अम्बिका ज्वैलर्स - धम्माईगुडा * ओम ज्वैलर्स - बंडलागुडा
9866472593, 9701517854, 9948422095, 9948902189

P.Solankey

शिवपाल बोले-आपने कहा था एक हो जाओ, हम एक हो गए

आज से ही हमें काम करना है

इटावा, 20 नवंबर (एजेंसियां)। शिवपाल यादव के इटावा स्थित घर पर पहुंच कर अखिलेश यादव और डिंपल यादव की मुलाकात नए समीकरण बना रही है। वहीं, दो दिन से शिवपाल पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मिलकर डिंपल की जीत सुनिश्चित करने में जुट गए हैं।

इस क्रम में रविवार को शिवापल सिंह यादव सैफई क्षेत्र में एक कार्यक्रम में पहुंचे हैं। यहां अपने संबोधन में शिवपाल ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक साथ मिलकर ही भाजपा को हराया जा सकता है। आज से ही हमें मिलकर काम करना है।

उन्होंने कहा कि आपने कहा था कि एक हो जाओ, हम एक हो गए। वहीं, डिंपल यादव की जीत के लिए कार्यकर्ताओं को निर्देशित भी कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में अखिलेश यादव, प्रो.रामगोपाल यादव सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद हैं।

इटावा-मैनपुरी की राजनीति में भावनाएं और रिश्ते काफी अहम होते हैं। शिवपाल इसे बखूबी जानते और मानते हैं। उनका समर्थन डिंपल को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा कर सकता है। इसलिए, उनके निर्णय पर खुशी भी जताई जा रही है और उन्हें उचित स्थान देने की मांग भी हो रही है।

बता दें कि सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन बाद खाली हुई मैनपुरी लोकसभा सीट को जीतने के लिए अब सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ ही प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव भी मैदान में उतर आए हैं। अब उपचुनावों के नतीजों से अंदाजा लगाया जा सकेगा कि शिवपाल के फैक्टर का क्या असर रहा?

ताखा में बैठक करके दिए निर्देश

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और उनकी पत्नी पूर्व सांसद डिंपल यादव से गुरुवार को हुई मुलाकात के बाद प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव अब और सक्रिय हो गए हैं। वह शनिवार को ताखा के एसएस मेमोरियल महाविद्यालय पहुंचे। यहां करीब एक घंटे तक पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की।

सूत्रों के अनुसार, शिवपाल सिंह यादव ने सभी पदाधिकारियों से सपा प्रत्याशी डिंपल यादव के लिए वोट मांगने और किसी भी हाल में उन्हें जिताने के निर्देश दिए। जसवंतनगर विधानसभा में ताखा क्षेत्र के 85 मतदान केंद्रों के 120 मतदेय स्थलों पर 98 हजार मतदाता चुनाव में हिस्सा लेंगे।

राजद नेता की दबंगई
बीच सड़क पर ट्रक ड्राइवर को बेरहमी से पीटा

सीवान, 20 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के सीवान जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। सोशल मीडिया पर एक आरजेडी नेता की दबंगई का वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में आरजेडी का नेता बीच सड़क पर एक ट्रक ड्राइवर की पिटाई करते दिख रहा है। ट्रक ड्राइवर हाथ जोड़कर रहम की भीख मांग रहा है और आरजेडी का नेता बेरहमी से पीट रहा है। हालांकि इस वीडियो की पुष्टि प्रभात खबर नहीं करता है। बताया जा रहा है कि ट्रक ड्राइवर की पीटाई करने वाला व्यक्ति आरजेडी का प्रदेश महासचिव अदनान अहमद सिद्दीकी है। हालांकि दबंगई का वीडियो सामने आने के बाद आरजेडी नेता ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी सफाई भी दी है। उनका कहना है कि ड्रक ड्राइवर शराब के नशे में धुत था और वह अपनी गलती मानने के बजाए उनसे उलझ रहा था। राजद नेता का कहना है कि पुलिस को दिखाने के लिए सबूत के तौर पर खुद वीडियो बनवाया था। लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो को राजद नेता अहमद सिद्दीकी ने एक महीने पुराना बताया है। आरजेडी नेता के अनुसार वह अपने तीन साथियों के साथ सीवान से गोपालगंज जा रहे थे।

पुलिस से गिड़गिड़ाई 5 बेटों की बूढ़ी मां

बोलीं-बेटों ने इतना मारा कि चल नहीं पा रही, 5 करोड़ का मकान कब्जाना चाहते हैं

मेरठ, 20 नवंबर (एजेंसियां)। मेरे बेटों से मुझे बचा लीजिए। वो मुझे मार डालेंगे। यह दर्द है 65 वर्षीय एक बूढ़ी मां का। जिसे उसके 4 बेटों और बहुओं ने मिलकर इतना पीटा कि चलने लायक नहीं रही। मां का कसूर सिर्फ इतना है कि वो अपने बेटों के नाम 5 करोड़ का मकान नहीं लिख रही है।

शनिवार को वो किसी तरह से घिसटती हुई एसएसपी ऑफिस पहुंची। बूढ़ी मां की ये हालत देखकर वहां मौजूद महिला कॉन्स्टेबल ने उनको सहारा दिया और एसएसपी रोहित सिंह सजवाण के पास ले गईं।

मां ने कहा-बहू-बेटे कहते हैं कि मकान हमारे नाम कर दो

बुजुर्ग महिला हज्जन अनीसा कोतवाली इलाके की रहने वाली है। उन्होंने रोते हुए पुलिस को अपना दर्द बताया। कहा, मेरे शौहर का इंतकाल हो चुका है। शौहर ने 5 करोड़ का मकान मेरे नाम किया था। इसमें मैं 5 बेटों के साथ रहती हूं। मेरा सबसे छोटा बेटा मानसिक तौर से बीमार है। उसके अलावा 4 बेटे मुझसे मकान अपने नाम करवाना चाहते हैं। वे लोग मुझ पर हर दिन दबाव डालते हैं और तरह-तरह से प्रताड़ित करते हैं। यह सिलसिला करीब 4 साल से चल रहा है। हर दिन घर में ड्रामा होता है।'

कहा- टाइम से खाना भी नहीं देते

महिला ने कहा, "मैं मकान उनके नाम नहीं कर रही हूं। इसीलिए मेरे चारों बेटे कुछ बोलने पर मुझे मारते भी हैं। इतना ही नहीं, गंदी बातें और गाली देकर बेइज्जती करते हैं। अब तो बेटों के साथ बहुएं भी मुझे पीटती रहती हैं। वे मकान को लेकर ताना मारती हैं। खाना भी टाइम से नहीं देती हैं। मैं पहले ही बीमार चल रही हूं। मेरी रीढ़ की हड्डी में दिक्कत है। ऐसे में टाइम से खाना न मिलने पर मेरी तबीयत बिगड़ती जा रही है।"

पुलिस के सामने बुजुर्ग महिला कभी रो रही थी, तो कभी गुस्सा हो जा रही थी। थोड़ा शांत होने पर वह बताती है, "मकान नाम न लिखने पर बेटे अलग-अलग तरीके से धमकाते हैं। एक बार बड़ा बेटा घर छोड़कर किराए के मकान में रहने चला गया। उसने समाज में मेरी बदनामी करनी शुरू कर दी। इसके बाद लोग और रिश्तेदार कहने लगे कि जिसका खुद इतना बड़ा मकान है, उसका लड़का किराए पर रह रहा है। इसलिए मैं उसे मना कर घर वापस ले आई।"

हज्जन अनीसा बताती हैं, "एक बार तो एक बेटे ने अपनी पत्नी पर तेल डालकर जलाने की धमकी दी। वह कहता है कि बहू को जलाने का इल्जाम मुझ पर लगाकर मुझे जेल करा देगा। इसलिए मकान उनके नाम कर दूं। इन बेटों ने मेरा जीना मुश्किल कर दिया है। ये मुझे चैन से जीने नहीं दे रहे हैं।"

बोली- डंडों और लात-घूसों से पीटा गया

उन्होंने बताया, "गुरुवार को मैं घर पर बैठी। चारों बेटे और बहुएं भी घर में थे। इतने में बड़े बेटे ने मकान की बात उठा दी। इस पर मैंने उनसे कहा कि वे लोग हर महीने मुझे 5 हजार रुपए गुजारा दें, तो उनके नाम मकान लिख दूंगी। लेकिन मेरा कोई भी बेटा मुझे गुजारा देने को राजी नहीं हुआ। इसके बाद बेटे ओर बहुओं ने मिलकर मुझे डंडों और लात-घूसों से जमकर पीटा। वे लोग कहते हैं कि मकान हमारे नाम कर दे, नहीं तो तुझे मार देंगे। घर से निकाल देंगे।

एसएसपी बोले- आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई होगी

पीड़ित बुजुर्ग महिला की आपबीती सुनने के बाद एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने उसे न्याय दिलवाने का भरोसा दिया।

उन्होंने थाना कोतवाली को तुरंत मामले की जांच कर कार्रवाई करने का आदेश दिए। कहा कि आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वाराणसी के गंगेज ग्रैंड होटल में लगी आग

वाराणसी, 20 नवंबर (एजेंसियां)। वाराणसी के गोदौलिया चौराहा स्थित होटल गंगेज ग्रैंड की छत पर रविवार की दोपहर आग लग गई। जानकारी पाकर होटल स्टॉफ छत पर पहुंचा तो पता लगा कि एग्जॉस्ट फैन से संबंधित मशीन से धुआं निकल रहा है। होटल में मौजूद अग्निशमन यंत्रों की मदद से 20 मिनट में आग पर काबू पाया गया। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई गई है। शहर के भीड़भाड़ वाले अति व्यस्त क्षेत्र गोदौलिया चौराहा पर डॉ. सत्यदेव सिंह का होटल गंगेज ग्रैंड है। रविवार दोपहर स्थानीय लोगों ने होटल की छत से धुएं का गुबार उठता देखा तो तत्काल स्टाफ को सूचना दी। होटल स्टाफ तेजी दिखाते हुए अग्निशमन यंत्रों के साथ छत पर पहुंचा।

मैनपुरी में जातिगत घेरेबंदी की तैयारी

लगाए गए कानपुर क्षेत्र के चार मंत्री

इटावा, 20 नवंबर (एजेंसियां)। लोकसभा उपचुनाव में प्रदेश की मैनपुरी सीट समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गई है। सपा स्थानीय लोगों से मुलायम सिंह यादव को वोट के माध्यम से सच्ची श्रद्धांजलि देने की अपील कर रही है, तो भाजपा ने जातिगत आधार पर चार मंत्रियों को मैदान में उतार दिया है। ये मंत्री कानपुर क्षेत्र से जुड़े हैं। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद मैनपुरी सीट खाली हुई है। समाजवादी पार्टी ने इस सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को और भाजपा ने सपा के पूर्व सांसद और शिवपाल यादव के दाहिने हाथ रहे रघुराज शाक्य को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा को जीत दिलाने के लिए जिन मंत्रियों को जिम्मेदारी दी गई गई है, उनमें पिछड़ी जाति के सचान बिरादरी के राकेश सचान, अनुसूचित जाति से असीम अरुण, ब्राह्मण बिरादरी से प्रतिभा शुक्ला और पिछड़ी जाति के पाल बिरादरी से अजीत पाल शामिल हैं। बता दें कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र में 17 जिले आते हैं। मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र में जातिगत मतदाताओं की संख्या के अनुसार ब्राह्मण करीब 1.25 लाख हैं, बाकी सभी जातियां जिनके बीच इन मंत्रियों को पैठ बनानी है, उनकी संख्या एक से डेढ़ लाख के बीच है। इन सभी मंत्रियों को निर्देश है कि वे अपनी-अपनी बिरादरी से जुड़े मतदाताओं के घर-घर संपर्क कर भाजपा के पक्ष में माहौल तैयार करेंगे।

स्कूल की बाउंड्री से टकराई कार, तीन लोगों की मौत, एक की हालत गंभीर

गोपालगंज, 20 नवंबर (एजेंसियां)। गोपालगंज से बड़ी खबर सामने आ रही है। एक स्कूल की बाउंड्री से तेज रफ्तार कार जा टकरायी। जिसमें कार सवार तीन लोगों की मौत हो गयी है। वहीं, एक अन्य सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। यह घटना गोपालगंज जिले के हथुआ थाना के ईडेन स्कूल के पास की है। जानकारी के अनुसार, हथुआ-मीरगंज मुख्य मार्ग पर एक तेज रफ्तार कार स्कूल की बाउंड्री से टकरा गई। इस दुर्घटना में कार चालक समेत दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि कार में पिछली सीट पर बैठा एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया हो गया है। मृतक सीवान के महाराजगंज के रहने वाले थे। सभी गोरखपुर से लौट रहे थे।

पटना विवि में अब नीतीश सरकार: अध्यक्ष, उपाध्यक्ष समेत चारों खास पद सत्तारूढ़ जदयू के खाते में

पटना, 20 नवंबर (एजेंसियां)। छात्र गुटों के बीच झड़प, रोड़ेबाजी, फायरिंग और हंगामे के बीच पटना यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ का चुनाव आखिरकार संपन्न हो गया। रविवार सुबह घोषणा हुई तो सेन्ट्रल पैनल के चार पदों अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष पर जदयू का वर्चस्व घोषित हुआ। शनिवार शाम 7:30 बजे मतों की गिनती शुरू हुई, जो रविवार सुबह 3:30 बजे समाप्त हुई। इस तरह से अब पटना विवि में अब नीतीश सरकार ही चलेगी।

जानकारी के मुताबिक, अध्यक्ष पद पर जदयू के आनंद मोहन ने 1360 वोट से जीत सुनिश्चित की, जबकि उपाध्यक्ष पद के दावेदार विक्रमादित्य एक हजार मत से, सचिव पद पर संध्या कुमारी ने 2062 मत और कोषाध्यक्ष पद के दावेदार रविकांत ने 964 मत से अपने प्रतिद्वंदी को पछाड़ा। इससे पहले, शनिवार को एआईएसए ने पटना यूनिवर्सिटी के कुलपति के वाहन पर हमला किया, जबकि आरजेडी समर्थकों के बवाल को शांत करने के लिए पुलिस को मजबूरन लाठीचार्ज भी करना पड़ा।

गिनती तक जमकर हुआ बवाल

छात्रसंघ चुनाव के लिए कुल 51बूथ बनाए गए, जिनपर कुल 24395 छात्र-छात्राओं को मतदान करना था। पटना कला एवं शिल्प महाविद्यालय को मतगणना केंद्र बनाए जाने के कारण हंगामे का केंद्र अशोक राजपथ से सिन्हा लाइब्रेरी तक रहा। शनिवार की शाम मतों की गिनती शुरू होते ही एआईएसए ने जमकर बवाल शुरू कर दिया। उत्पात इतना मचाया कि पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ गया।

दरअसल, पटना यूनिवर्सिटी के कुलपति गिरीश चौधरी काउंटिंग सेंटर निरीक्षण कर जैसे ही बाहर निकलने लगे, एआईएसए समर्थकों ने उनके खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनके वाहन पर डंडे और मुक्कों से हमला कर दिया। वहीं दूसरी तरफ सिन्हा लाइब्रेरी रोड पर सेन्ट्रल रेवेन्यू कॉलोनी के सामने राजद समर्थकों ने जमकर बवाल काटा। दुस्साहस ऐसा कि किसी ने महिला सिपाही पर पटाखा भी फेंक दिया। इस हरकत के विरोध में पुलिस ने लाठीचार्ज कर उत्पातियों को वहां से खदेड़ा। इसमें आइसा के अध्यक्ष पद उम्मीदवार आदित्य कुमार चोटिल भी हुए।

सीएम योगी बोले-विकास में भेदभाव नहीं

145 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

सहारनपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार यानी आज सहारनपुर पहुंचे हैं। इसको लेकर पुलिस-प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। महाराज सिंह डिग्री कॉलेज मैदान पर मुख्यमंत्री निकाय प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सीएम योगी सबसे पहले प्रिंस कॉलोनी में हेलीपैड पर हेलिकॉप्टर से उतरे और फिर महानगर के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहरी आवास योजना के अंतर्गत 9 लाभार्थियों को मकान की चाबी दी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 10 पात्रों को प्रमाण पत्र दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 145 करोड़ रुपये की 243 विकास परियोजना का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

विकास में नहीं कोई भेदभाव :सीएम योगी

मंच से अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा कि सहारनपुर शामली मार्ग लगभग पूरा हो चुका है। सहारनपुर से देहरादून मार्ग 1200 करोड़ रुपये से निर्मित मार्ग देश के बेहतरीन मार्गों के रूप में अपना योगदान दे रहा है। कहा कि सहारनपुर की कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। बहुत शीघ्र सहारनपुर के व्यापारियों, नागरिकों को राहत मिली है। 2017 से पहले मुजफ्फरनगर आने में दो घंटे लगते थे। हमने इस पर सात सौ 753 करोड़ रुपये तक किए इस दूरी को कम किया और अब मुजफ्फरनगर से सहारनपुर की दूरी 45 मिनट की रह गई है। हमने विकास में कोई भेदभाव नहीं किया। प्रदेश में हर दूसरे दिन दंगे होते थे। आज वह प्रदेश दंगों से मुक्त हो चुका है, आज उस प्रदेश में क्राइम नहीं है बल्कि इज ऑफ डूइंग बिजनैस के लक्ष्य को प्राप्त करके दुनिया के निवेश को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। कहा कि आज तो हमने कुछ योजनाओं का शिलान्यास किया। लेकिन चुनाव के ठीक पहले जिले में मां शाकंभरी के नाम पर यूनिवर्सिटी की नींव रखी थी।

आज उसका भव्य भवन बनकर तैयार हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के महानगर में आगमन के मद्देनजर प्रशासन की ओर से अंबाला रोड को तोरणद्वार से सजाया गया है।

पीके का सीएम नीतीश पर निशाना

बोले- युवाओं को नौकरी देने का वादा नहीं हुआ पूरा तो होगा घेराव

पटना, 20 नवंबर (एजेंसियां)। राजनीतिक रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर उर्फ पीके इन दिनों बिहार की यात्रा कर स्थानीय लोगों से संवाद कर रहे हैं। इस दौरान शनिवार को उन्होंने कहा कि अगर जदयू प्रमुख आने वाले दिनों में राज्य के युवाओं को 10 लाख सरकारी नौकरी देने के अपने वादे को पूरा करने में विफल होते हैं तो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का घेराव किया जाएगा।

प्रशांत किशोर राज्य की 3,500 किलोमीटर लंबी 'पदयात्रा' पर हैं। इन दिनों वह पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी के मखनिया गांव में हैं। वहां मौजूद पत्रकारों से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि गांधी मैदान में अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण के दौरान सीएम ने वादा किया था कि महागठबंधन सरकार का लक्ष्य सरकारी क्षेत्र में 10 लाख लोगों को नौकरी देना है। आगे कहा कि उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी कहा था कि उनकी राजद पार्टी, नई सरकार आने के बाद वादे को पूरा करेगी। अगर गठबंधन सरकार आने वाले दिनों में 10 लाख सरकारी नौकरी देने के अपने वादे को पूरा नहीं कर पाती और विफल रहती है तो, मैं बिहार के युवाओं के साथ नीतीश कुमार का घेराव करूंगा। सीएम नीतीश कुमार ने अगस्त में कहा था कि उनकी नई सरकार न केवल उनके डिप्टी तेजस्वी यादव द्वारा किए गए 10 लाख नौकरियों के वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि रोजगार सृजन के लक्ष्य को दोगुना करना चाहती है।

डेंगू मरीजों की संख्या 15 हजार के पार

लखनऊ, 20 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी में डेंगू के केस कम नहीं हो रहे हैं। प्रदेश में सबसे बुरे हालात राजधानी लखनऊ के हैं। महज 7 दिन के अंदर 300 मरीज डेंगू की चपेट में आ चुके हैं। लखनऊ में डेंगू से अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेशभर की बात करें तो अब तक डेंगू के 15 हजार से ज्यादा मरीज मिल चुके हैं। सरकारी अस्पतालों में गंभीर डेंगू मरीजों को वेंटिलेटर न मिलने के कारण निजी अस्पतालों में भर्ती होना पड़ रहा हैं। जहां पर लाखों रुपए इलाज में खर्च करने के बावजूद जान जा रही है। शुक्रवार देर रात मोहनलालगंज के फहीम की इलाज के दौरान मौत हो गई।

नैनीताल घूमने गए युवती समेत 3 दोस्तों की मौत

बरेली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। बरेली-नैनीताल हाईवे पर रविवार तड़के भीषण हादसा हो गया। हादसे में कार सवार 3 दोस्तों की मौत हो गई। ये लोग नैनीताल से घूमकर बरेली वापस लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार कार एक ट्रक में पीछे जा घुसी। मरने वालों में नोएडा में जॉब करने वाले सॉफ्टवेयर इंजीनियर राहुल, दिल्ली में तैनात सीआईएसएफ के दरोगा संतोष और 1 युवती दीप शिखा शामिल हैं। कार में मौजूद बैंक कैशियर केशव गंभीर रूप से घायल है। उन्हें पुलिस ने सिद्धि विनायक अस्पताल में भर्ती कराया है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। शवों को कार का दरवाजा तोड़कर बाहर निकला गया।

युवती का हत्यारा गिरफ्तार

मुठभेड़ में लगी गोली, कई हिस्सों में काटकर कुएं में फेंका था शव

आजमगढ़, 20 नवंबर (एजेंसियां)। आजमगढ़ जिले के गौरी का पुरा गांव स्थित कुएं से सिर कटी व कई टुकड़ों में मिली लाश के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस दिल दहला देने वाली घटना को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। गोली लगने से घायल आरोपी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं पुलिस ने मृतका के सिर की बरामदगी भी स्वीकार करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवती की कई टुकड़ों में काट कर नृसंश हत्या को अंजाम देने में मुख्य रूप से वह युवक शामिल है, जिसने उसे बीते 9 नवंबर को अपनी बाइक पर बैठा कर ले गया था। प्रिंस यादव नामक इस युवक के बहन से मृतका की दोस्ती थी।

इतना ही नहीं दोनों का एक दूसरे के घर पर भी आना जाना था। भैरवधाम जाने के लिए मृतका नौ नवंबर को अपने घर से निकली थी और प्रिंस की बाइक पर बैठ कर गई थी। बीते मंगलवार को उसका शव गौरी का पुरा गांव स्थित कुएं से कई टुकड़ों में मिला था। सिर गायब था। युवती संग हैवानियत की इस खौफनाक तस्वीर ने सबको हिलाकर रख दिया था।

ललन सिंह ने छात्रसंघ चुनाव में जदयू की जीत पर कहा- युवाओं ने नीतीश कुमार पर जताया भरोसा

पटना, 20 नवंबर (एजेंसियां)। यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव के पांच में से चार सीटों पर छात्र जदयू ने जीत हासिल की है। इन्हीं जीते हुए उम्मीदवारों को जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने जीत पर बधाई देते हुए कहा कि जदयू को चार सीटों पर मिली जीत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर युवाओं के भरोसे की जीत है। उन्होंने कहा कि बिहार के युवाओं ने दिखा दिया कि उन्हें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कितना भरोसा है। ललन सिंह ने कहा कि महागठबंधन सरकार द्वारा दी जा रही नौकरी और किए जा रहे कार्यों पर युवाओं ने मुहर लगा दी है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बिहार के नौजवानों के बीच सर्वाधिक लोकप्रिय नेता है।

यही कारण है कि पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव में छात्रों ने जदयू के उम्मीदवारों पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि बिहार के नौजवानों ने जुमले वाली सरकार को नकार दिया है।

शादीशुदा प्रेमिका ने पति संग प्रेमी के 6 टुकड़े किए

नालंदा में बोरी में मिला धड़, 50 किलोमीटर दूर फेंका था सिर

नालंदा, 20 नवंबर (एजेंसियां)। नालंदा में शादीशुदा प्रेमिका ने पति के साथ मिलकर प्रेमी की हत्या कर दी। हत्या के बाद दोनों ने शव के 6 टुकड़े किए। धड़, दोनों हाथ और दोनों पैर काटकर एक बोरे में भर दिए। और सिर वहां से 50 किलोमीटर दूर ले जाकर फेंक दिया। गुरुवार को पुलिस को बोरे में धड़ मिला था। शव की पहचान सिलाव थाना क्षेत्र के नानंद गांव निवासी नरेश चौधरी के 30 साल के बेटे विकास चौधरी के रूप में हुई थी। रविवार को विकास चौधरी का सिर मिला है।

विकास का सिर पटना के फतुहा के पास पुनपुन नदी से बरामद हुआ है, जबकि धड़ नालंदा के ही दीपनगर थाना क्षेत्र के सिपाह गांव के पास पंचाने नदी से मिला है। इन्हें हिरासत में लिए गए दंपति रंजन कुमार और उसकी पत्नी ज्योति कुमारी की निशानदेही पर बरामद किया गया है। दोनों नूरसराय थाना क्षेत्र के बाराखुर्द निवासी हैं।

फिलहाल पुलिस ने धड़ को बरामद करते हुए पोस्टमार्टम और डीएनए जांच के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल लेकर आई है। वहीं फतुहा के पुनपुन में बरामद सिर को भी लाया जा रहा है।

विकास का ज्योति से था अफेयर

नालंदा पुलिस ने बताया है कि विकास की हत्या ज्योति से अफेयर में ही हुई है। हालांकि पुलिस हत्या के पीछे के कारण अभी नहीं बता पा रही है। वहीं विकास के परिजन अब भी इस मामले में कुछ भी बोलने से परहेज कर रहे हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार विकास चौधरी का अफेयर ज्योति से शादी के पहले से ही चल रहा था। ज्योति के मायके में विकास चौधरी किराए पर रहकर 10 साल पहले परीक्षा की तैयारी करता था। तभी से दोनों के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस बीच दोनों की अलग-अलग शादी हो गई, बावजूद प्रेम-प्रसंग का सिलसिला खत्म नहीं हुआ। बुधवार को प्रेमिका से मिलने विकास चौधरी उसके ससुराल पहुंच गया था। वहीं उसकी हत्या कर दी गई।

सदर डीएसपी डॉ शिब्ली नोमानी ने बताया कि कॉल डिटेल के आधार पर और पूछताछ के में नूरसराय थाना क्षेत्र के बाराखुर्द निवासी रंजन कुमार और उसकी पत्नी ज्योति कुमारी को हिरासत में लिया गया था। हत्यारोपी से पूछताछ में पता चला कि कुदाल से काटकर हत्या की गई है। शव को 6 हिस्सों में काट कर अलग-अलग स्थानों पर बोरे में बंद कर फेंका गया था। इसमें और लोगों के भी शामिल होने की आशंका है। जांच जारी है। अफेयर की वजह से ही घटना को अंजाम दिया गया है।

ज्योति के हैं दो बच्चे, विकास का भी एक बेटा

जानकारी के अनुसार रंजन कुमार और ज्योति कुमारी के दो बच्चे हैं। इधर विकास भी एक बच्चे का पिता था। वह बुधवार से ही लापता था। परिजनों ने लापता होने की रिपोर्ट सिलाव थाना में दर्ज कराई थी। इसके बाद गुरुवार की शाम बंद बोरे में दो हाथ और दो पैर बरामद किए गए थे। हाथ में बंधे कंगन और कलाई में जले के निशान से विकास की पहचान का दावा किया गया था।

नालंदा में एक बोरी खुलने के बाद लोगों के होश उड़ गए। पुलिस बोरी से बदबू आने की सूचना पर पहुंची थी। बोरी खुली तो उसमें दो पैर और दो हाथ मिले, जबकि सिर और धड़ गायब था। परिवार ने एक हाथ पर दगने का निशान होने की वजह से उसकी पहचान की। लोगों में चर्चा है कि युवक की हत्या प्रेम-प्रसंग में की गई है।

करोड़ों खर्च कर होते हैं निकाय चुनाव लेकिन नगर निगमों की हालत खस्ता

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। अगले महीने देश की राजधानी दिल्ली में नगर निगम चुनाव होने हैं. जिसके लिए सभी राजनीतिक पार्टियां चुनाव प्रचार-प्रसार में लगी हुई हैं. लेकिन इसी बीच देश के नगरीय निकायों को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक ने चौंकाने वाले आंकड़े जारी किए हैं. आरबीआई ने 27 राज्यों के नगर निकायों की आर्थिक स्थिति को लेकर एक रिपोर्ट जारी की है.

केंद्रीय बैंक ने ये रिपोर्ट जारी करते हुए चिंता जताते हुए कहा है कि नगर निकायों के पास अपने राजस्व के लिए कोई ठोस तरीका नहीं है बल्कि केंद्र और राज्यों सरकारों से निकायों को जो कुछ अनुदान राशि मिलती से उसी से निकायों का काम चलता है. उनके पास खुद का राजस्व बढ़ाने का कोई मजबूत तरीका नहीं है. आरबीआई ने कहा है कि जहां एक तरफ शहरों की आबादी बढ़ती जा रही है वहीं दूसरी तरफ शहरों को बेहतर सुविधा देने के लिए नगर निकायों के पास राजस्व की कमी है. जबकि निकायों के पास शहरों को विश्वस्तरीय सुविधा देने की जिम्मेदारी है लेकिन राजस्व की कमी के चलते ये बहुत दूर की बात है. हालांकि आरबीआई ने अपनी इस रिपोर्ट में इस बात को भी स्वीकार किया है कि पिछले कुछ दशकों में नगर निकायों के ढांचे में सुधार भी हुआ है. लेकिन कामकाज अधिक बेहतर नहीं हुआ. और इसका कारण ये है कि नगर निकायों के पास अपने राजस्व के लिए मजबूत साधन नहीं हैं. बता दें आरबीआई की ओर से नगर निकायों की आर्थिक स्थिति को ये लेकर ये रिपोर्ट साल 2017-18 से 2019-20 तक के वित्तीय खातों की जांच-पड़ताल करने के बाद जारी की गई है. जिसमें आरबीआई का ये मानना है कि नगर निकाय तमाम कोशिशों के बाद भी अपना राजस्व कमाने का कोई मजबूत तरीका नहीं निकाल पाए हैं. आरबीआई का मानना है कि शहरों में बेहतर सुविधाएं देने के लिए नगर निकायों को अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने की जरूरत है जिसके लिए उन्हें चाहिए कि केंद्र और राज्य सरकारों से मिलने वाले अनुदान के अलावा अपने राजस्व के लिए मजबूत साधन जुटाए जाएं. क्योंकि शहरों में लोगों को विश्वस्तरीय सुविधाएं तभी मिलेगी जब नगर निकायों के पास अपना राजस्व होगा.

वहीं इस रिपोर्ट में ना केवल देश के नगर निकायों की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाए गए हैं बल्कि अपने राजस्व को जुटाने के लिए कई तरीके भी बताए हैं. जिसमें केंद्रीय बैंक का कहना है कि नगर निकायों को राजस्व के लिए जरूरी है कि वो खाली जमीन पर भी टैक्स लगाना शुरू कर दे. इसके साथ ही इमारतों के साथ साथ जमीन पर भी टैक्स वसूला जाए, और यदि कोई इमारत को बेहतर या आधुनिक करवाता है तो उसके लिए भी टैक्स लिया जाए. और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए बांड्स जारी रखे जाएं. हालांकि ये सुझाव नागरिकों की जेब अधिक ढिली करवा सकते हैं. लेकिन राजस्व को बढ़ाने के लिए आरबीआई ने देश के निकायों को ये सुझाव दिए हैं.

इसके साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से पहली बार ये रिपोर्ट जारी की गई है. जिसमें 27 राज्यों की आर्थिक स्थिति को लेकर साल 2017 से 2020 तक के राजस्व की जानकारी दी गई है. रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2019-20 में राजधानी दिल्ली को जो कुल राजस्व प्राप्त हुआ था, उसमें नगर निकाय की केवल 0.67 फीसदी ही हिस्सेदारी थी. जबकि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य की महज 0.21 फीसदी, बिहार 0.61 फीसदी, झारखंड 0.27 फीसदी, पंजाब 0.48 फीसदी, उत्तराखंड 0.27 फीसदी, हरियाणा 0.52 फीसदी और हिमाचल प्रदेश की 0.50 फीसदी ही हिस्सेदारी थी. इस रिपोर्ट में ये कहा गया है कि केवल चंडीगढ़ ऐसा राज्य है जिसके निकाय की राजस्व में हिस्सेदारी 1 फीसदी थी.

केंद्रीय बैंक का सुझाव है कि राजस्व में इस हिस्सेदारी को बढ़ाया जाना चाहिए. जिससे की निकायों का आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके. और शहरो में लोगों को मिलने वाली सुविधाएं भी अधिक विकसित हो सकें. वहीं हाल ही में दिल्ली नगर निगम चुनाव 2022 की भी घोषणा की गई है. अगले महीने 4 दिसंबर को एमसीडी के निकाय चुनाव के लिए मतदान होना हैं. इससे पहले सभी पार्टियां जनता को लुभाने के लिए प्रचार- प्रसार कर रही हैं.

इसमें उम्मीदवार पैसा भी खर्च करते हैं लेकिन एमसीडी चुनाव को लेकर दिल्ली स्टेट इलेक्शन कमीशन ने प्रत्याक्षियों के लिए चुनाव प्रचार में करने वाले खर्च की सीमा तय की हैं. जिसके मुताबित कोई भी एक उम्मीदवार प्रचार के दौरान केवल 8 लाख रूपये तक खर्च कर सकता है. हालांकि इससे पहले साल 2017 एमसीटी निकाय चुनाव में खर्च की सीमा 5.75 लाख रूपये थी. जिसे इस बार बढ़ाया गया.

लेकिन यहां जरूरी बात ये है कि जीतने वाले प्रत्याक्षी निकाय के राजस्व में बढ़ोत्तरी के साधन भी जुटाएं. क्योंकि इसी साल दिल्ली की तीनों निगमों को एक कर दिया गया.

जिसमें आर्थिक स्थिति का मुद्दा अहम रहा. एमसीडी का आरोप था कि दिल्ली सरकार निगम को आर्थिक बजट महैया नहीं कराती, जिसके कारण निगम 3 इकाईयों का वहन नहीं कर पाता. जिसके बाद इसी साल मई महीने में दिल्ली के तीन निगमों का एकीकरण कर दिया गया. लेकिन इसी बीच आरबीआई की ये रिपोर्ट सबके लिए चिंताजनक है.

पत्नी से झगड़े के बाद पति ने 6 साल के बेटे की गला रेतकर की हत्या

मुंबई, 20 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई के मलाड इलाके से हैरान देने वाली घटना सामने आई है. यहां एक बाप ने अपनी 6 साल के बच्चे हत्या कर दी है. इस संदर्भ में मालवनी पुलिस ने आरोपी बाप के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ़्तार कर लिया है.

मालवानी पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी का नाम नंदन अधिकारी जिसने अपनी पत्नी सुनीता के साथ पहले जमकर लड़ाई की और फिर पत्नी को परेशान करने के लिए उसने अपने बेटे लक्ष्य की कथित तौर पर हत्या कर दी. यह घटना शनिवार की सुबह की है जब सुनीता अपनी 13 साल की बेटी को स्कूल छोड़ने गई और जब वो वापस घर लौटी तो उसने देखा कि लक्ष्य का शव घर के फर्श पर खून से लथपथ पड़ा है, जिसके बाद इस बात की जानकारी पुलिस को दी गई.

यमुनानगर में मिला बंदूक की गोलियों के खोल से भरा कट्टा

यमुनानगर (हरियाणा), 20 नवंबर (एजेंसियां)। यमुनानगर के पुराना हमीदा में बंदूक की गोलियों के खोल भारी संख्या में मिलने से हड़कंप मच गया। गोलियों के खोल से एक कट्टा भरा हुआ था। आसपास कोई बम न हो, इसलिए बम निरोधक दस्ते को भी बुलाया गया। दस्ते ने खोजी कुत्तों की मदद से आसपास के एरिया में छानबीन की। राहत की बात यह रही कि वहां कुछ नहीं मिला। पुलिस ने गोलियों के खोल से भरे कट्टे को अपने कब्जे में ले लिया। हमीदा चौकी पुलिस इस मामले में छानबीन कर रही रही है। जिस जगह पर गोली के खोल मिले वहां से हमीदा पुलिस चौकी भी कुछ ही दूरी पर है। इतनी संख्या में खोल मिलने कॉलोनी के लोग दहशत में हैं और डरे हुए हैं। कांटे पर रख कर उनकी तुलाई की गई तो खोल का वजन 32 किलो 180 ग्राम था। दअरसल पुराना हमीदा में गोगा माड़ी के पास खाली जगह पर कुछ बच्चे खेल रहे थे। वहां पर एक कट्टा पड़ा था। जिसे बच्चे यहां से वहां खींच रहे थे। तभी कट्टा एक साइड से फट गया और उसमें से बंदू की गोलियों के खोल निकल कर जमीन पर गिरने लगे। वहां खड़े कुछ लोगों की नजर इस पर पड़ गई। लोगों ने कट्टा खोल कर देखा तो उसमें गोलियों के खोल भारी संख्या में थे। मामले की सूचना पाते ही हमीदा चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर शमशेर सिंह मौके पर पहुंचे और जांच की। रविवार सुबह ही बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया।

मुंबई में बेकाबू हो रहा खसरा

बीते सालों की तुलना में मौतों की संख्या में भी इजाफा

मुंबई, 20 नवंबर (एजेंसियां)। एक तरफ कोरोना के मामलों में गिरावट जारी है तो दूसरी तरफ मुंबई में खसरे के प्रकोप ने चिंता बढ़ा दी है। यहां खसरा बीमारी नियंत्रण से बाहर हो रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, अब तक मुंबई में 184 मामलों की पुष्टि की गई है तो वहीं आठ बच्चों की मौत हो चुकी है। आंकड़ों के मुताबिक, मुंबई में इस साल खसरे के मामलों में कई गुना वृद्धि देखी गई है, जबकि 2020 में 25 मामले और पिछले साल नौ मामले दर्ज किए गए थे।

मौतों की संख्या में भी हो रही वृद्धि

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस साल खसरे के कारण होनी वाली मौतों में भी उछाल आया है। मुंबई में 2019 में खसरे से तीन मौतें दर्ज की गई थीं। 2020 में भी तीन मौतें हुई थीं, जिसमें नागपुर, चंद्रपुर और अकोला में एक-एक मौत दर्ज की गई थी। वहीं, 2021 में एक-एक मौत की सूचना मिली थी। जबकि, इस साल अब तक आठ बच्चों की मौत हो चुकी है।

पूरे महाराष्ट्र में बढ़ रहे मामले

अधिकारियों का कहना है कि सिर्फ मुंबई ही नहीं, बाहर भी खरसे का प्रकोप बढ़ रहा है। 17 नवंबर तक पूरे राज्य में इस बीमारी के 503 मामले दर्ज किए गए हैं। इसमें ठाणे जिले के भिवंडी सात मामलों और नासिक के मालेगांव में पांच मामले सामने आए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, 2019 में पूरे राज्य में 153, 2020 में 193 और 2021 में 92 मामले सामने आए थे।

क्या हैं लक्षण

बीएमसी की पूर्व में जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि खसरे में बच्चे को बुखार, सर्दी, खांसी और शरीर पर लाल चकत्ते पड़ जाते हैं। इस बीमारी से जटिलताएं उन बच्चों में गंभीर हो सकती हैं जिन्हें आंशिक रूप से टीका लगाया गया है या जिनका टीकाकरण नहीं हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि खसरे के मामलों में अचानक से हुए इजाफे के प्रमुख कारणों में खराब जीवन यापन का तरीका, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, खराब पोषण, निम्न प्रतिरक्षा और टीकाकरण की कमी है।

कुपवाड़ा में दो सगे भाइयों की घर में आग से झुलसकर मौत

जम्मू, 20 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के देवर लोलाब इलाके में शनिवार देर रात एक घर में भीषण आग लग गई. इस हादसे में दो नाबालिग भाइयों की जलकर मौत हो गई. देवर लोलाब के मोहम्मद अकबर के घर में भीषण आग लगने से उनके दो नाबालिग बच्चे आमिर (6) और जियान (2) जिंदा जल गए. मिली जानकारी के अनुसार, आग ने अचानक ही पूरे घर को चपेट में ले लिया था. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अधिकारी ने कहा कि चूंकि आग बहुत तेज थी, इसलिए परिवार के सदस्य, पुलिस और ग्रामीणों ने उन्हें बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन वे नाबालिगों को बचाने में नाकाम रहे. आग की लपटों को बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची. हालांकि, बच्चों को बचाने में बहुत देर हो चुकी थी और वे दोनों जिंदा जलकर मर चुके थे. अधिकारी ने कहा, घटना में मोहम्मद अकबर खान के बेटों आमिर अहमद खान और जियान की मौत हो गई है और तीन आवासीय घर भी क्षतिग्रस्त हुए हैं. बाद में स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से दमकल और आपातकालीन विभाग ने आग पर काबू पा लिया. गौरतलब है कि एक हफ्ते पहले भी उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में आग का तांडव देखने को मिला था. हैहामा के शतपोरा गांव में भीषण आग लगने से कम से कम आठ दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं थी. समाचार एजेंसी जीएनएस के मुताबिक, एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में 13 नवंबर तड़के करीब 3 बजे आग लग गई और करीब आठ दुकानों को नुकसान पहुंचा.

गाजियाबाद रैडिसन ब्लू होटल के मालिक अपने आवास पर मृत पाए गए

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद के कौशांबी स्थित रैडिसन ब्लू होटल के मालिक अमित जैन शनिवार को पूर्वी दिल्ली के राष्ट्रमंडल खेल (सीडब्ल्यूजी) गांव के अपने आवास पर मृत पाये गये. अधिकारियों ने यह जानकारी दी.

उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान अमित जैन के रूप में हुई है जो अपने फ्लैट में फंदे से लटका मिला. शव या उसके आसपास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है. पुलिस को आत्महत्या की सूचना मंडावली थाने को पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) के माध्यम से मिली. पुलिस की एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पूछताछ के दौरान पता चला कि जैन नोएडा में अपने नए घर में नाश्ता करने के बाद सुबह सीडब्ल्यूजी गांव स्थित अपने घर आए थे. उन्होंने कहा कि जैन अपने परिवार के साथ नोएडा शिफ्ट होने की योजना बना रहे थे.

एमपी में राहुल की यात्रा का एक दिन घटा

गृहमंत्री नरोत्तम बोले यात्रा को समर्थन नहीं मिल पा रहा

भोपाल, 20 नवंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 23 नवंबर को मध्य प्रदेश में दाखिल होने वाली है। अब यात्रा 5 दिसंबर की जगह 4 दिसंबर को राजस्थान में प्रवेश कर जाएगी। इसको लेकर नरोत्तम मिश्रा ने तंज कसा है। मिश्रा ने कहा कि राहुल की यात्रा को समर्थन मिल नहीं पा रहा है। इसलिए यात्रा के दिन कम हो रहे हैं। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि राहुल गांधी की यात्रा को समर्थन नहीं मिल पा रहा है। इसलिए दिन कम हो रहे है।

इसको लेकर और विचार किया जा रहा होगा। राहुल गांधी की यात्रा अब मध्य प्रदेश में 13 की सिर्फ 12 दिन ही रहेगी। इस दौरान 382 किमी चलेगी। यात्रा का प्रवेश मध्य प्रदेश में बोरगांव में होगा। यहां पर शाम को एक सभा का आयोजन होगा। यात्रा में प्रतिदिन शाम को यात्रा का समापन सभा के आयोजन के साथ होगा। जिसे राहुल गांधी संबोधित करेंगे।

राहुल से गृहमंत्री का आग्रह

नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि इंदौर के खालसा कॉलेज में कमलनाथ जी के जाने के बाद से विवाद उत्पन्न हुआ था। गृहमंत्री ने राहुल गांधी से आग्रह करते हुए कहा कि वह ऐसे किसी स्थान पर ना जाए, जिससे पुनः आक्रोश हो। गृहमंत्री ने इंदौर में कांग्रेस से विधायक संजय शुक्ला के बयान पर कहा कि जहां है वहीं रहे। प्रसन्न रहें। भारतीय जनता पार्टी इस तरह के काम नहीं करती।

किसान की मौत पर दी सफाई

सीहोर में किसान की खाद की लाइन में लगने से मौत पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने सफाई देते हुए कहा कि सीहोर में कृषक की मृत्यु लाइन में नहीं हुई। उनको पर्ची मिल चुकी थी। परिजनों से भी बात हुई है। पर्ची मिलने के बाद जब वे खाद लेने जा रहे थे, तब रास्ते में उन्हें हार्ट अटैक आया था। उन्होंने कांग्रेस के सवाल उठाने पर मिश्रा ने कहा कि यह वही कांग्रेस है जो किसानों पर खाद के लिए लाठी चलाती थी। किसानों को कर्ज माफी के नाम पर धोखा देती थी। राहुल गांधी से 10 दिन में कर्ज माफी का झूठ बुलावाया था।

जेल में केजरीवाल के मंत्री की मसाज पर सवाल

आम आदमी पार्टी के जेल में बंद मंत्री सत्येन्द्र जैन के मसाज का वीडियो वायरल होने पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। मंत्री ने कहा कि केजरीवाल ने मंत्रियों के दो पैमाने रख लिए है। पहला दिल्ली के सत्येंद्र जैन जिन पर गंभीर आरोप है, उनकी जेल में तीन महीने से मसाज करा रहे है। पंजाब के मंत्री से एक ही दिन में इस्तीफा ले लिया। यह कौन सा नियम है। यह वहीं केजरीवाल है, जो कहते थे कि हम सुख सुविधा नहीं लेंगे। अब जेल में भी सुख सुविधाएं नहीं छूट पा रही हैं।

पुलिस सर्जरी की तैयारी:18 एसपी और 50 एएसपी-डीएसपी स्तर के अधिकारियों के होंगे तबादले

भोपाल, 20 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में आईएएस के फेरबदल के बाद जल्द आईपीएस अफसरों की बारी आएगी। सरकार भारतीय पुलिस सेवा और राज्य पुलिस सेवा के अफसरों की बड़ी तबादला सूची जारी करने की तैयारी में है। जिन्हें अभी फील्ड में तीन साल हो चुके हैं या विधानसभा चुनाव तक तीन साल होने वाले हैं, ऐसे एसपी हटेंगे। इसके अलावा 50 के लगभग एएसपी और डीएसपी स्तर के अफसरों को हटाया जाएगा। सरकार अगले साल नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव की जमावट के हिसाब से आईपीएस और एसपीएस अफसरों की तबादला सूची जारी करेगी। इस सर्जरी में 52 में से 15-18 जिलों में एसपी बदलने के आसार हैं। ऐसा माना जा रहा है कि तबादलों में डीआईजी, आईजी, एडीजी और डीजी रैंक के अफसर भी प्रभावित होंगे।

धार एसपी आदित्य प्रताप सिंह का हटना तय है। उन्हें तीन साल से ज्यादा हो चुके हैं। इसी तरह हरदा एसपी मनीष अग्रवाल, ग्वालियर एसपी अमित सांघी, सिंगरौली एसपी वीरेन्द्र सिंह, जबलपुर एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा, आगर एसपी राकेश कुमार सगर, बुरहानपुर एसपी राहुल कुमार लोढ़ा, बैतूल एसपी सिमाला प्रसाद, देवास एसपी शिवदयाल, खंडवा एसपी विवेक सिंह, छतरपुर एसपी सचिन शर्मा, डीसीपी साई कृष्णा थोटा, दतिया एसपी अमन राठौड़ चुनाव के पहले तीन साल पूरे कर लेंगे। दो एसपी डेपुटेशन पर केंद्र में जाएंगे। इस कारण छिंदवाड़ा एसपी विवेक अग्रवाल और नरसिंहपुर एसपी विपुल श्रीवास्तव को रिलीव किया जा सकता है। इनकी जगह नए एसपी बनाए जाएंगे। नई सूची में वर्ष 1995-96 बैच के प्रमोटी आईपीएस को फील्ड पोस्टिंग मिल सकती है। ऐसे कई अफसर हैं, जो आईपीएस तो बन चुके हैं, लेकिन एसपी नहीं बन पाए हैं। इन अफसरों को किसी जिले में एसपी की कमान देकर पदस्थ किया जा सकता है। प्रदेश में एसपी स्तर के पुलिस अफसर प्रमोशन के बाद डीआईजी बन जाएंगे। इनका प्रमोशन अगले साल जनवरी में होगा। इसमें रीवा एसपी नवनीत भसीन, सागर तरुण नायक, सीधी मुकेश श्रीवास्तव, उज्जैन सत्येन्द्र शुक्ला, विदिशा मोनिका शुक्ला, कटनी सुनील कुमार जैन, राजगढ़ अवधेश गोस्वामी, डीसीपी ट्रैफिक महेश चंद्र जैन शामिल हैं।

दिल्ली में बढ़ी ठिठुरन

कई राज्यों में बारिश और बर्फबारी के अनुमान, देश के मौसम का मिजाज बदला

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में ठिठुरन बढ़ गई है। यहां पिछले दो दिनों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। आने वाले दिनों में दिल्ली-एनसीआर में कंपकपाने वाली ठंड पड़ने वाली है। पहाड़ों से लगातार आ रही ठंडी हवाओं ने लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया है। बता दें कि पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का दौर चल रहा है और मैदानी इलाकों में सुबह-शाम की ठंड पड़ रही है। वहीं, आज कई राज्यों में बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को इस ठंड में प्रदूषण से राहत मिल सकती है। फिलहाल वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई में सुधार नहीं देखा जा रहा है। दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई 325 के ऊपर दर्ज किया गया है। हालांकि, पहाड़ों से आ रही ठंडी हवाओं के चलते बीते कुछ हफ्तों से दिल्ली में छाई धुंध की चादर से लोगों को थोड़ी बहुत राहत जरूर मिली है।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस

राजधानी दिल्ली में आज न्यूनतम तापमान 9 डिग्री और अधिकतम 26 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। ठंड बढ़ने के साथ दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से अच्छी धूप देखी जा रही है। इसके अलावा पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है। उत्तर पश्चिम से आ रही सर्द हवाएं ठंड बढ़ने का अहसास दिला रही हैं। यह भी तय है कि आने वाले दो से तीन दिनों में दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में ठंड और बढ़ेगी।

कई राज्यों में बारिश-बर्फबारी की संभावना

स्काईमेट के मुताबिक, आज कई राज्यों में हल्की बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। रविवार को गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, लद्दाख, जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है। वहीं, उत्तराखंड के ऊपरी इलाकों में एक या दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना है।

दक्षिण भारत के राज्यों में मौसम का हाल

इसके अलावा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। तमिलनाडु और तटीय आंध्र प्रदेश में छिटपुट या हल्की बारिश हो सकती है। अगले 24 घंटों के दौरान पूरे उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है।

जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन ऑल आउट जारी

कुलगाम में लश्कर का आतंकी सज्जाद ढेर

जम्मू, 20 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर में आतंकियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ चल रही है। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के बिजबेहरा इलाके में आतंकियों से मुठभेड़ चल रही है। सुरक्षाबलों ने इलाके में दो आतंकियों को घेर लिया। सुरक्षाबलों के ऑपरेशन ऑल आउट के तहत इस एनकाउंटर के दौरान कुलगाम में लश्कर का एक आतंकी मारा गया है। जम्मू कश्नमीर पुलिस ने बताया कि जब सर्च पार्टी संदिग्ध ठिकाने की ओर बढ़ी, तो आतंकवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जो कुलगाम के लश्कर सज्जाद तांत्रे के हाईब्रिड आतंकवादी को लगी, जो ठिकाने की पहचान के लिए सर्च टीम के साथ था। गोली लगने के बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बाहरी मजदूरों पर हमले में शामिल था लश्कर का आतंकी

जांच के दौरान हाइब्रिड आतंकवादी सज्जाद तांत्रे, जो पहले लश्कर का सहयोगी था और पीएसए से रिहा हुआ था, ने खुलासा किया कि उसने इस साल 13 नवंबर को अनंतनाग के राखमोमेन, बिजबेहरा में दो बाहरी मजदूरों पर हमला किया था, जो गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बाद में, घायल मजदूर छोटा प्रसाद ने 18 नवंबर को अस्पताल में दम तोड़ दिया था। उसके खुलासे पर अपराध का हथियार (पिस्टल) और आतंकी वारदात में इस्तेमाल वाहन भी बरामद किया गया। इस मॉड्यूल के और आतंकी साथियों की गिरफ्तारी के लिए बारीकी से जांच चल रही है।

तलाशी अभियान मुठभेड़ में तब्दील हुआ

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में रविवार तड़के सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ छिड़ गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की मौजूदगी की विशिष्ट सूचना मिलने के बाद दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के बिजबेहरा स्थित चेकी डूडू इलाके में घेराबंदी एवं तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारी के मुताबिक, आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों के एक खोजी दल पर गोलीबारी करने के बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिससे तलाशी अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ जारी है।

ड्राइवर के नाम पर 110 करोड़ का कारोबार

अवैध शराब केस में पकड़ा गया तो भागकर गृह मंत्री के पास पहुंचा; पुलिस सिक्योरिटी मिली

चंडीगढ़, 20 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में ड्राइवर के नाम पर 110 करोड़ के शराब कारोबार का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पानीपत का रहने वाला ड्राइवर खुद ही गृह मंत्री अनिल विज के पास पहुंच गया। जहां उसने इसकी शिकायत की। ड्राइवर की शिकायत मिलते ही अनिल विज ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सहित 4 विभागों को इसकी जांच सौंप दी। इसके साथ ही ड्राइवर की सुरक्षा के लिए तुरंत पुलिस सिक्योरिटी भी दी।

ड्राइवर अंबाला से पानीपत पुलिस सुरक्षा में ही लौटा। शराब ठेकेदार ड्राइवर के नाम पर कारोबार करता जा रहा था। ड्राइवर को पहले इसकी भनक नहीं थी। अचानक उसका नाम अवैध शराब के कारोबार में आ गया तो वह चौंक गया। पुलिस ने ड्राइवर को गिरफ्तार भी कर लिया। वह पुलिस से छूटा तो सीधे गृह मंत्री अनिल विज के पास पहुंचा। जहां उसने अपनी आपबीती सुनाई। विज भी ड्राइवर के खुलासे को लेकर हतप्रभ हो गए। उन्होंने तत्काल प्रवर्तन निदेशालय, डीजीपी हरियाणा, इनकम टैक्स और आबकारी-कराधान विभाग के अधिकारियों से बात कर जांच के निर्देश दिए।

विज से ड्राइवर ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई तो गृह मंत्री अनिल विज ने पुलिस सुरक्षा दिलवाई। विज ने पानीपत पुलिस को भी ड्राइवर की सुरक्षा को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। साथ ही हिदायत दी है कि इस मामले में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। शिकायतकर्ता ड्राइवर पानीपत के गांव जोसी गांव का रहने वाला है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार,21 नवंबर, 2022

उम्मीदों की उड़ान

भारत अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में जिस तरह से लगातार तरक्की कर रहा है, उससे सारी दुनिया अंचभित है। ज्यादा दिन नहीं हुए हैं जब भारत को अपने अंतरिक्ष यानों के प्रक्षेपण के लिए दूसरे देशों का मुंह देखना पडता था, लेकिन अब भारत ने स्वदेशी प्रक्षेपण यानों का निर्माण कर न सिर्फ आत्मनिर्भरता हासिल कर ली है, बल्कि उपग्रह प्रक्षेपण के बाजार में अमेरिका, रूस और चीन के भी कान काटने लगा है। वह भी बेहद सस्ता। भारत में उपग्रह प्रक्षेपण का शुल्क बाकी देशों की तुलना में बहुत कम है। इस वजह से अनेक देश अब यहीं से अपने उपग्रहों का प्रक्षेपण कराना चाहते हैं। शुक्रवार को इस मामले में स्काईरूट नाम की एक निजी कंपनी ने पहली बार राकेट प्रक्षेपित करके एक नया कीर्तिमान रचा है। यह भी पहला मौका है, जब कोई निजी कंपनी उपग्रह प्रक्षेपण के क्षेत्र में उतरी है। देखा जाए तो दो साल पहले ही भारत सरकार ने निजी क्षेत्र की कंपनियों के लिए भी अंतरिक्ष अनुसंधान का क्षेत्र खोल दिया था, उसी के तहत विक्रम एस नाम का यह निजी कंपनी का राकेट तैयार किया गया। इस राकेट ने दो घरेलू और एक विदेशी कंपनी के उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में स्थापित करने का बीड़ा उठाया। यह प्रक्षेपण भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र के दिशा-निर्देशों के तहत ही किया गया। बता दें कि जब अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में निजी कंपनियों के लिए छूट का प्रस्ताव पारित किया गया था, तब तरह-तरह के संदेह जाहिर किए गए थे। कई लोगों ने तर्क दिया था कि इससे इसरो की गोपनीयता भंग होगी और यहां की तकनीक चोरी होने का खतरा बढ़ेगा। लेकिन स्काईरूट के पहले राकेट प्रक्षेपण से वे तमाम आशंकाएं निर्मूल साबित हो गई हैं। बता दें कि अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अभी भी असीम संभावनाएं हैं। कई वैज्ञानिक हैं जो निजी स्तर पर बहुत कुछ करना चाहते हैं, मगर उन्हें इसरो और दूसरे देशों के अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्रों की तरफ से अपेक्षित मदद नहीं मिल पाती है। अब नई योजना के तहत ऐसे वैज्ञानिकों को भी अंतरिक्ष को अपने ढंग से खंगालने की अपार संभावनाएं नजर आने लगी हैं। जिन तीन कंपनियों के उपग्रह अभी छोड़े गए हैं, वे स्टार्ट-अप कंपनियां हैं और वे अंतरिक्ष में कचरा प्रबंधन जैसे कार्य करने को उत्सुक हैं। देखा जाए तो अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में सरकारी स्तर पर हो रहे कार्यों में कई तरह की वैधानिक जटिलताएं होती हैं, जिसके चलते उनमें अनावश्यक देर होती रहती है या फिर वैज्ञानिक कई परियोजनाओं पर आगे नहीं बढ़ पाते। निजी क्षेत्र के अनुसंधान में ऐसी अड़चनें नहीं आतीं। इसलिए इस क्षेत्र में निजी कंपनियों के आने से निस्संदेह अंतरिक्ष अनुसंधान की दिशा में उल्लेखनीय काम होने की संभावना और बढ़ गई है। आज जिस तरह हर काम डिजिटल तकनीक पर निर्भर होता जा रहा है, उसमें उपग्रहों की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण हो गई है। इसलिए उपग्रह प्रक्षेपण का कारोबार ही काफी बड़ा होता जा रहा है। अंतरिक्ष के अनेक रहस्य आज भी बहुत उलझे हुए हैं। अभी तक ज्यादातर जानकारियां सौरमंडल से ही जुड़ी हुई प्राप्त हो पाई हैं, जबकि इसके पार भी अनंत संसार है। वहां तक पहुंचना बहुत बड़ी चुनौती है। ऐसे में अगर निजी कंपनियां अपने संसाधनों के जरिए इस दिशा में कुछ वैज्ञानिक योगदान देने और संभावनाओं के दोहन में मदद करती हैं, तो उन्हें प्रोत्साहन मिलना ही चाहिए। दुनिया में कुछ कंपनियां ऐसी भी हैं जो दूसरे ग्रहों और अंतरिक्ष की सैर की योजनाएं भी बनाने लगी हैं। अंतरिक्ष में पर्यटन का मंहगा खाका तैयार है। इसलिए अगर भारत निजी कंपनियों को अंतरिक्ष में होड़ करने से रोकता है तो उसकी तरक्की में भी बाधा उपस्थित होती। इस लिहाज से इस पहले प्रक्षेपण ने उम्मीद का नया क्षितिज तैयार किया है, जिसमें अपार संभावनाएं दिखने लगी हैं।

ग्लोबल साउथ का नेतृत्व संभालने का अवसर

प्रियंका सौरभ

सदस्य वर्तमान में विश्व सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 80%, वैश्विक व्यापार का 75% और वैश्विक जनसंख्या का 60% हिस्सा हैं। प्रेसीडेंसी, इससे पहले और बाद में (ट्रोइका) प्रेसीडेंसी रखने वाले देशों द्वारा सहायता प्राप्त, प्रत्येक वर्ष के शिखर सम्मेलन के एजेंडे को निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार है। अगले साल जी-20 का ₹ट्रोइका₹ भारत, इंडोनेशिया और ब्राजील के साथ पहली बार उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं से मिलकर बनेगा। बाली जी-20 शिखर सम्मेलन का आदर्श वाक्य है एक साथ उबरो, मजबूत बनो। जबकि ध्यान महामारी के बाद की वसूली और यूक्रेन में रूसी युद्ध से प्रभावित ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा से निपटने पर होगा, बहुत रुचि इस बात पर होगी कि नेता किस किनारे पर द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन आयोजित करना चुनते हैं। नेता तीन सत्रों में चर्चा में शामिल होंगेः खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक बुनियादी ढांचे और निवेश के लिए स्वास्थ्य भागीदारी और डिजिटल परिवर्तन पर। भारत ग्लोबल साउथ और भू-राजनीतिक तनाव, भोजन और ईंधन की कमी के कारण होने वाली समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करेगा।

दुनिया को स्पष्ट रूप से विभाजित करने वाले मुद्दों पर वैश्विक सहमति बनाने का प्रयास किया जाएगा। दुनिया भर में चल रहे तनाव की पृष्ठभूमि के खिलाफ द्विपक्षीय वार्ता की एक श्रृंखला होगी, जिसमें यूक्रेन के आक्रमण और आगामी आर्थिक और पर्यावरणीय परिणाम, जलवायु संकट, उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम और चीन की बढ़ती वैश्विक आकांक्षाओं के कारण होने वाले तनाव शामिल हैं। विश्व अर्थव्यवस्था की स्थिति, ऊर्जा, पर्यावरण, कृषि, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन से संबंधित मुद्दों सहित कई समकालीन ज्वलंत विषयों पर व्यापक चर्चा की जाएगी। जी-20: अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूके, यूएसए और यू.एस. यूरोपीय संघ (ईयू) को प्रतिबद्धताओं की निगरानी करने और एजेंडे में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए उद्देश्य, दृष्टि और मिशन वक्तव्य, एक स्थायी सचिवालय और कर्मचारियों को शामिल करना है। जी-20, अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के बजाय घरेलू प्रतिबद्धताओं पर ध्यान केंद्रित कर सकता है और उन्हें लागू करना शुरू कर सकता है। संयुक्त बयान में रूस के लिए भारत का संदेश शामिल हैः ₹आज का युग युद्ध का नहीं होना चाहिए₹ यह एक संदेश है, जो भारत के रचनात्मक, सहकारी और आम सहमति बनाने वाले दृष्टिकोण का परिणाम है, जिसने रूस और पश्चिमी देशों के बीच की खाई को पाटने में मदद की। भारत पहली बार इस पैमाने का अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन (नई दिल्ली में 9 और 10 सितंबर, 2023 से) आयोजित कर रहा है। भारत की अध्यक्षता समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्रवाई-उन्मुख होगी, जैसा कि भारत की जी-20 अध्यक्षता थीम एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य द्वारा दर्शाया गया है। दुनिया की दो सबसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाओं - अमेरिका और चीन की बैठकः ऐसे समय में जब उनके देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं, उनकी बैठक को खंडित संबंधों के पुनर्निर्माण की दिशा में एक बढ़ते कदम के रूप में देखा जा रहा है। रूस और पश्चिम के बीच विभाजन विशेष रूप से पोलैंड में रूसी निर्मित मिसाइल लैंडिंग की खबर के बाद - एक नाटो सदस्य देश। भारत के लिए जी-20 की अध्यक्षता ग्लोबल साउथ का नेतृत्व संभालने का अवसर है।

ई.डब्लू.एस. के लिए आरक्षण निर्णय कितना तार्किक ?

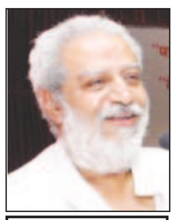

रघु ठाकुर

भारत के सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ का आर्थिक कमजोर वर्गों को भारतीय संसद के द्वारा किये गये 10 प्रतिशत आरक्षण के प्रस्ताव और उस पर सरकार तथा न्यायपालिका की मोहर के बारे में संविधान पीठ का फैसला आ गया है। दरअसल ई.डब्लू.एस. को 10 प्रतिशत आरक्षण के खिलाफ अनेक जनहित याचिकायें सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लगाई गई थी तथा याचिकाओं पर विचार करने के लिये सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान पीठ का गठन किया था। इस पांच सदस्यीय पीठ में मुख्य न्यायाधीश यू.यू. ललित, जस्टिस एस. रवीन्द्र भट्ट, बेला एम. त्रिवेदी, जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस दिनेश महेश्वरी शामिल थे। संविधान पीठ ने 3 बनाम 2 के बहुमत से ई.डब्लू.एस. के आरक्षण को वैध ठहराया है। सर्वोच्च न्यायालय की प्रक्रिया के अनुसार किसी भी पीठ के फैसले को अंतिम माना जाता है। हालाकि असहमति वाले न्यायाधीशों के प्रथक निर्णय भी दर्ज किये जाते हैं। यह एक प्रकार से सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों की लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। जो असहमति के अधिकार को बहुमत के समक्ष दर्ज करने की स्वीकृति देती है। वैसे तो सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय हम सभी को मान्य है परन्तु सुप्रीम कोर्ट की लोकतांत्रिक प्रक्रिया आम नागरिकों को भी अपना पक्ष या विपक्ष की राय को देखने का अधिकार और अनुमति देती है। इसी आधार पर मैं सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की मीमांसा करूँगा। मेरी राय में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत याचिकाओं में दो महत्वपूर्ण संवैधानिक **मुद्दे थे** :-क्या आरक्षण का आधार संविधान के अनुसार आर्थिक हो सकता है? क्या आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिये 10 प्रतिशत आरक्षण देना सुप्रीम कोर्ट द्वारा खींची गई स्व लक्ष्मण रेखा के 50 प्रतिशत की सीमा की मर्यादा का उल्लंघन करता है? जहाँ तक प्रथम बिन्दु का सवाल है तो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14-15-16 को देखना होगा। संविधान में स्पष्ट कहा गया है कि सरकार उन जातियों और वर्गों की पहचान करेगी जो शैक्षणिक और सामाजिक रूप से पिछड़े हैं। इसमें कहीं भी आर्थिक शब्द का उल्लेख नहीं है अगर हम संविधान सभा की बहस को भी पढ़े तो उसमें भी कहीं आर्थिक आधार पर आरक्षण का निर्णय नहीं है। संविधान ने स्पष्ट तौर पर सामाजिक तौर पर पिछड़े जाति और समूहों को ही पिछड़ेपन की कसौटी माना है। समूह या वर्ग से मतलब भी आदिवासी जिन्हें तकनीकी रूप से अनुसूचित जनजाति कहा जाता है उनके संदर्भ में है। भारत सरकार बनाम इन्द्रा साहनी के प्रकरण में भी जिसमें तत्कालीन भारत सरकार के द्वारा मण्डल कमीशन की सिफारिश के आधार पर पिछड़ी जातियों को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के निर्णय पर गंभीर बहस हुई थी। और आर्थिक आधार पर क्या आरक्षण दिया जा सकता है इसकी भी चर्चा हुई थी। सर्वोच्च न्यायालय के तत्कालीन पीठ ने स्पष्ट कहा था कि आरक्षण की कसौटी केवल किसी जाति या समूह का सामाजिक शैक्षणिक पिछड़ापन है तथा इस सामाजिक न्याय की भावना को नीचे तक पहुंचाने और अधिकतम पात्रों को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से इन जातियों या समूहों के बीच में आर्थिक आधार की सीमा रखी जा सकती है। यानि शैक्षणिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़ी जातियों में जो संपन्न अति संपन्न लोग है या जो शैक्षणिक या प्रशासनिक आधार पर कुछ उच्च स्थिति प्राप्त कर सके है उनके बजाय उन जातियों या समूहों के उन लोगों को आरक्षण का लाभ दिया जाना चाहिये जो शैक्षणिक और सामाजिक रूप से पिछड़े तो हैं ही साथ ही आर्थिक स्थिति में भी कमजोर है। यह एक प्रकार से सामाजिक न्याय और आरक्षण को अधिक तार्किक बनाने की इच्छा व्यवस्था बनाने का निर्देश था न कि भारतीय संविधान में अनु. 14 एवं 15 में आर्थिक कसौटी को जोड़ने का। इसलिये मुझे लगता है कि सुप्रीम कोर्ट के इन तीन जजों का यह विश्लेषण कि आरक्षण का आधार आर्थिक कसौटी हो सकती है असंवैधानिक है। जिसका संकेत विपरीत टिप्पणी लिखने वाले मुख्य न्यायाधीश और उप न्यायाधीश की व्याख्या से मिलता है।

सर्वोच्च न्यायालय के आर्थिक आधार पर आरक्षण इस नव गढ़े सिद्धांत के आधार पर क्या शेष 40 प्रतिशत स्थान भी केवल आर्थिक गरीबों के लिये आरक्षित किये जा सकते हैं? यह भी प्रश्न उठेगा? हालाकि निजी तौर पर मैं इस मत का हूँ कि, सभी सरकारी नौकरियां आरक्षित नौकरियों को छोड़कर तथा विशेषज्ञों वैज्ञानिकों या उच्च शिक्षा के विषय को छोड़कर गरीबों को ही दी जाना चाहिये। 50 प्रतिशत आरक्षित जातियों के गरीबों को तथा शेष पचास प्रतिशत आरक्षित या अनारक्षित सभी जातियों के गरीबों को देना चाहिये। दूसरा बिन्दू सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा खींची गई 50 प्रतिशत सीमा रेखा का है। यह सीमा रेखा संविधान ने नहीं खींची है बल्कि सुप्रीम कोर्ट के सामान्य संतुलन भाव ने खींची है। यह सीमा रेखा संविधान संगत नहीं है, हालाकि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के कारण बाध्यकारी और मान्य है। यद्यपि सुप्रीम कोर्ट के द्वारा खींची गई सीमा रेखा देश के एक बड़े समूह की नज़रों में सुप्रीम कोर्ट को संकीर्ण और उसके जातिवादी सोच को सिद्ध करती है। बहरहाल अपने इस निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने अपनी स्वतः खींची लक्ष्मण रेखा को पार कर दिया है। और इसके लिये कोई तार्किक आधार जानने का और तथ्यों को प्रस्तुत करने के लिये सरकार को आदेश देने का कार्य नहीं किया। अच्छा होता कि सर्वोच्च न्यायालय अपने निर्णय के पूर्व भारत सरकार को निम्न कार्य क्रियान्वयन करने को कहता। देश के जातिगत जनगणना की रपट माँगता। सरकारी और गैर सरकारी नौकरियों में विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, उच्च शिक्षा आदि के पदों को छोड़कर सभी जातियों और समूहों का संख्यावार विवरण प्रस्तुत करने के लिये भारत सरकार से कहता। अगर यह सब तथ्यात्मक जानकारी भारत सरकार के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय के पटल पर आई होती और फिर सर्वोच्च न्यायालय अपनी जानकारी के अनुसार अपनी राय बनाता या निर्णय लेता तो वह व्यापक रूप से जन विश्वसनीय होता। तथा देश उसे न केवल मन से स्वीकार करता बल्कि न्यायपालिका की साख भी इससे बढ़ती। अब आम देश की मन स्थिति इस निर्णय को तार्किक या आम सहमति के आधार पर मानने की नहीं है। हालाकि बाध्यता के रूप में स्वीकारना उनकी लाचारी है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आरक्षण देने का समर्थन करने वाले एक माननीय न्यायाधीश महोदय ने अपने निर्णय में यह भी टिप्पणी की है की अब आरक्षण की व्यवस्था पर ही पुनर्विचार होना चाहिये और उन्होंने इस संदर्भ में बाबा साहब के एक कथन का उल्लेख भी किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि, आरक्षण की व्यवस्था आजीवन नहीं है बल्कि 10 वर्षों में इस पर पुनर्विचार करना चाहिये। कितना अच्छा होता कि बाबा साहब की भावनाओं को क्रियान्वित करने और जमीन पर उतारने के लिये माननीय जज महोदय यह आदेश भी करते हैं कि आरक्षण के बीते 70 वर्षों में आरक्षित जातियों और समूहों में कितना सुधार हुआ? क्या वे अपनी संख्यात्मक भागीदारी के समतुल्य भागीदारी प्रशासनिक या नौकरियों में हासिल कर सके हैं? अगर नहीं कर सके तो इसके क्या कारण हैं? तो इसे कैसे पूरा किया जाये? और भी अच्छा होता अगर माननीय जज साहब स्व. मधुलिमये की उस हस्तक्षेप याचिका के मूल आधार पर विचार कर निर्णय करते जिसमें उन्होंने इन्द्रा साहनी प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि एक स्थाई जन भागीदारी को स्थायी जांच आयोग बने जो प्रशासनिक और अन्य नौकरियों में जन-जाति समूह-भागीदारी का अध्ययन करें। जिस जाति की भागीदारी या संख्या तुलनात्मक रूप से समतुल्य हो जाये उसे आरक्षित वर्ग से अलग कर दिया जाये तथा जिसकी संख्या कम हो उसे आरक्षित वर्ग में शामिल कर लिया जाये। एक जज साहब के ऊपर समाज के कुछ हिस्से से व्यक्तिगत टिप्पणियां भी आई हैं जो उनकी नियत पर संदेह करती है। जैसे कुछ लोगों ने जस्टिस पारदीवाला के बारे में लिखा है कि गुजरात में हार्दिक पटेल बनाम गुजरात सरकार प्रकरण में उन्होंने टिप्पणी की थी कि दो चीजों ने देश को तबाह किया है। आरक्षण और दूसरा भ्रष्टाचार। उनकी इस टिप्पणी से आहत होकर 98 सांसदों ने राज्यसभा में उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्तुत किया था और उन्होंने अपनी टिप्पणी को स्वतः खारिज कर यू टर्न लेकर अपना बचाव किया था।

भारतीय चिंतन में समूचा संसार परिवार

हृदय नारायण दीक्षित

विश्व मानवता तनावग्रस्त है। रूस-यूक्रेन युद्ध का प्रभाव विश्व व्यापी है। तनाव का उपचार भारतीय चिंतन में है। संस्कृति में है। समूचे विश्व को आनंदित करने और श्रेष्ठ मनुष्य -आर्य बनाना वेदों का उद्देश्य है। भारतीय ज्ञान परंपरा में वेदों का सुप्रतिष्ठित आदर रहा है। कृतज्ञ मानवता ने वेदों को भगवान की वाणी कहा है। वेद के निंदक यहां नास्तिक कहे जाते हैं और वेदों को मानने वाले आस्तिक। वर्तमान हिन्दू धर्म वैदिक धर्म का विस्तार है। वेदों में सांसारिक जीवन को माधुर्य बनाने के सूत्र हैं। विभिन्न आधिभौतिक प्रश्नों के समाधान भी हैं। तत्व मीमांसा व ज्ञान मीमांसा भी है। वैदिक संहिता के बाद में ब्राह्मण ग्रंथों की रचना हुई। ब्राह्मण ग्रंथ वैदिक सूक्तों के आध्यात्मिक रहस्यों की व्याख्या है। इसी के साथ आरण्यक ग्रन्थ भी हैं। शब्द ब्राह्मण का अर्थ ब्राह्मण वर्ण या जाति से नहीं है। दुर्भाग्य से ब्राह्मण शब्द वर्ण या जाति के लिए रूढ़ हो गया है। ब्राह्मण ग्रंथों में वैदिक ज्ञान का आशय है। आचार्य बलदेव उपाध्याय ने 'वैदिक साहित्य का इतिहास' में ब्राह्मण साहित्य के दो प्रमुख विषय विधि और अर्थवाद बताए हैं। वैदिक भाष्यकार भट्ट भाष्कर ने वैदिक मंत्रों के भाष्य, आशय, कर्मकाण्ड व विनियोग को ब्राह्मण ग्रंथों का विषय बताया है। डॉ. कपिल देव द्विवेदी ने 'वैदिक दर्शन' (पृष्ठ 6) में लिखा है- "ब्राह्मण ग्रंथों में वेद की विस्तृत व्याख्या है। ये टीका-ग्रन्थ समझे जाने चाहिए।' ब्राह्मण ग्रंथों में इतिहास है। वैदिक परंपरा और ज्ञान का विस्तार है। दुर्भाग्य से आधुनिक समाज ने इन्हें काल वाह्य की स्थिति तक उपेक्षित किया है। वैदिक साहित्य वैश्विक आनंद का भंडार है। ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद चार वेद हैं। अथर्ववेद इतिहास और तत्कालीन दर्शन व विज्ञान की सामग्री से भरा पूरा है। ब्राह्मण ग्रन्थ हैं। आरण्यक हैं, उपनिषद हैं। इसके बाद पुराण हैं। ऐसा विशाल वांग्मय दुनिया की किसी भी सभ्यता संस्कृति में नहीं मिलता। हिन्दुत्व में ये सब समाहित है। डॉ. राधाकृष्णन ने 'धर्म और समाज' (पृष्ठ 106) में बताया है 'हिन्दुत्व विचार और महत्वकांक्षाओं का एक सजीव और स्वयं जीवन की गतिविधियों के साथ गति करता हुआ उत्तराधिकार है। एक ऐसा उत्तराधिकार जिसमे भारत की प्रत्येक जाति ने अपना विशिष्ट सुस्पष्ट योग दिया है। इसकी संस्कृति में एक खास तरह की एकता है।' यहां उत्तराधिकार पर ध्यान देना जरूरी है। समाज अपने सदस्यों के सचेत कर्मों के परिणाम होते हैं।

आधुनिक समाज पूर्ववर्ती समाज का फल हैं और पूर्ववर्ती समाज भी अपने पूर्ववर्ती समाज का प्रतिफल। हिन्दुत्व का श्रेयस वैदिक समाज से लेकर आधुनिक समाज तक व्याप्त है। यह हम सबको उत्तराधिकार में मिला है। इसका संरक्षण व संवर्द्धन हम सबका कर्तव्य है। डॉ. राधाकृष्णन ने आगे कहा है- 'समाज की वर्तमान दशा को सुधारने के लिए, समय के महत्व के उपयुक्त जीवन को नया रूप देने के लिए हमे इसकी आत्मा को, जो हमें उत्तराधिकार से अपने खून में मिली है, उन अलौकिक आदर्शों को, उन वस्तुओं को, जो हमारे अस्तित्व की गहराइयों में चिरंतन सम्भावनाओं के रूप में हैं, नए सिरे से खोज निकालना होगा। हमारी मान्यताएं नहीं बदलती, परन्तु उन्हें व्यक्त करने के ढंग और साधन बदल जाते हैं। भारत आध्यात्मिक मान्यताओं को अन्य मान्यताओं की अपेक्षा कही अधिक महत्व देता है।'ब्राह्मण ग्रंथों पर अंधविश्वासी कर्मकाण्डी होने के आरोप कुछ विद्वानों ने भी लगाए हैं। वे उपनिषदों को ब्राह्मण ग्रंथों से भिन्न मानते हैं। सत्य ऐसा नहीं है। सत्य यह है कि अधिकांश अपनिषदें ब्राह्मण ग्रंथों का ही भाग हैं। सबसे बड़े आकार वाली वृहदारण्यक उपनिषद् शतपथ ब्राह्मण का ही एक भाग है। ऐतरेय ब्राह्मण का एक भाग ऐतरेय उपनिषद् है। कौशितकी ब्राह्मण का आध्यात्म भाग कौशितकी उपनिषद् के रूप में लोकप्रिय हुआ। कृष्ण यजुर्वेद के ब्राह्मणों से कठोपनिषद्, तैत्तिरीय उपनिषद्, श्वेताश्वोतरोपनिषद् अलग हो गए। सामवेद के ब्राह्मणों से केन और छान्दोग्य उपनिषदें निकलीं। तर्क प्रतितर्क, विचार - विमर्श और ब्रह्म सत्य आदि विषय ब्राह्मण ग्रंथों से निकल कर उपनिषद् साहित्य का अंग बने। सबसे प्राचीन ईशावास्योपनिषद् है। यह स्वतंत्र रचना नहीं है। यह यजुर्वेद का 40वां अध्याय है। भारतीय दर्शन का ब्रह्म संपूर्णता है। ब्रह्म सर्वत्र है। भीतर, बाहर, ऊपर, नीचे, दांए, बांए, सामने, पीछे ब्रह्म ही है। इस तरह हम सब ब्रह्म है - अहं ब्रह्मास्मि। ऋग्वेद में कहीं कहीं ब्रह्म का अर्थ स्तुतिपरक मंत्र भी है। इन्द्र से कहते हैं- 'हे इन्द्र सब मित्र मरुतों ने ब्रह्माणि - स्त्रोतों से तेरे बल को बढ़ाया'। ब्रह्माणः ज्ञानी हैं। वेदों में ब्रह्म को सृष्टि का कर्ता बताया गया है। यजुर्वेद में 'ब्रह्म सर्वोच्च सत्ता है, सृष्टि में प्रथमा है।' कह सकते हैं कि वह सदा से है। अथर्ववेद (5-2-1) में 'ब्रह्म ज्येष्ठ श्रेष्ठ सत्ता हैं'। अथर्ववेद (13-3-17) के अनुसार 'ब्रह्म एक अद्वितीय ज्योति पुंज है। वही एक अनेक रूपों में सर्वत्र प्रकाशित हो रहा है - यदेकं ज्योतिर बहुधा विभाति'। यह यदेकं ऋग्वेद का एकं सद् है। यही अष्टावक्र का ज्योतिर्एकं है। एक ज्योति है। प्रकाशों का स्रोत। हिन्दू जीवन रचना विश्व परिवार के प्रति आदर्शोंनुमुख रही है। यह कर्मकाण्डों की जड़ संहिता नहीं थी। यह काल संगत को जोड़ने व काल वाह्य को छोड़ने में गतिशील रही है। ब्राह्मण ग्रंथों में वर्णित मंत्र विनियोग और कर्मकाण्ड भी जड़ नहीं रहे। उनकी व्याख्या और आलोचना भी होती रही है। मुक्त चिंतन हिन्दुत्व का मूलाधार है। डॉ. राधाकृष्णन ने 'धर्म और समाज' (पृष्ठ 130) में बताया है- 'वैदिक आर्यों के पास कोई मंदिर नहीं थे। वे प्रतिमाओं का उपयोग करते थे।' उन्होंने लिखा है- 'मंदिरों और मूर्ति - पूजा पर विभिन्न ग्रंथ हिन्दू धर्म के वैदिक वाद से आगे बढ़ आने के बाद ही रचे गए।

फिर भी वैदिक मंत्रों का प्रयोग किया जाता था और ऋषियों की प्रेरणामयी प्रतिभा ने वैदिक और वैदिक - भिन्न तत्वों को मिलाकर एक कर दिया। मंदिर हिन्दू धर्म व हिन्दू मन के प्रिय रहे हैं।' डॉ. राधाकृष्णन ने लिखा है- 'मंदिर हिन्दू धर्म के दृश्य प्रतीक हैं। वे स्वर्ग के प्रति पृथ्वी की प्रार्थनाएं हैं। वे एकांत और प्रभावोत्पादक स्थानों पर बने हुए हैं।

उत्तर भारत में सर्दियों में बिगड़ती हवा की गुणवत्ता

डॉ सत्यवान सौरभ

वायु प्रदूषण वातावरण में पदार्थों की उपस्थिति है जो मनुष्यों और अन्य जीवित प्राणियों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, या जलवायु या सामग्री को नुकसान पहुंचाते हैं। उत्तर भारत में सर्दियों की हवा की गुणवत्ता में गिरावट ने एक बार फिर विशेष रूप से समाज में सबसे कमजोर लोगों के बीच स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण के नकारात्मक प्रभावों को उजागर किया है। पिछले कुछ सालों में ये एक सालाना रिवाज सा बन गया है कि दिल्ली-एनसीआर में सर्दियों के दौरान प्रदूषण सुर्ख़ियों में रहता है, जो आमतौर पर दो-तीन महीने चलता है. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में, साल में कम से कम आधे समय हवा ख़राब रहती है. विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट, 2020 के अनुसार दुनिया के 30 सबसे प्रदूषित शहरों में से 22 भारत में हैं। दिसंबर 2020 में लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ में प्रकाशित इंडिया स्टेट लेवल डिजीज बर्डन इनिशिएटिव ने संकेत दिया कि भारत में 2019 में 1.7 मिलियन मौतें हुई जिसके लिए वायु प्रदूषण जिम्मेदार थीं। किसानों के एक वर्ग ने, विशेष रूप से पंजाब में, गेहूं की कटाई के बाद अवशेषों को जला दिया, भले ही चारे की कीमतें बढ़ गईं। कई किसान बताते हैं कि जल्दी में होने के कारण उन्होंने पराली जलाना शुरू कर दिया- राज्य ने धान बोने के लिए 10 जून की तारीख तय की थी।

2019 में भारत में सभी मौतों के 17.8% और श्वसन, हृदय और अन्य संबंधित बीमारियों के 11.5% के लिए प्रदूषण का अत्यधिक स्तर जिम्मेदार है। पराली जलाने से निपटने के लिए100% केंद्रीय वित्त पोषित योजना के तहत, ऐसी मशीनें जो किसानों को इन-सीटू प्रबंधन में मदद करती हैं - मिट्टी में वापस ठूंठ डालकर - व्यक्तिगत किसानों को 50% सब्सिडी और कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) पर प्रदान की जानी थी। जबकि हरियाणा ने अब तक 2,879 सीएचसी स्थापित किए हैं और लगभग 16,000 पुआल प्रबंधन मशीनें प्रदान की हैं, इसे 1,500 और स्थापित करना है और लगभग उतनी ही पंचायतों को कवर करना है, जहां यह अब तक पहुंच चुका है। इसी तरह, पंजाब, जिसने अब तक 50,815 मशीनें प्रदान की हैं, को 5,000 और सीएचसी स्थापित करने की आवश्यकता होगी - जबकि पहले से ही 7,378 स्थापित किए जा चुके हैं - और इसकी 41 फीसदी पंचायतों तक पहुंच होनी चाहिए। केंद्र ने डीजल और पेट्रोल से चलने वाले वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने और भारत में इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों को बढ़ावा देने के लिए 2015 में फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ (हाइब्रिड) और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (फेम) इंडिया स्कीम शुरू की है। योजना को अधिक से अधिक अपनाने के लिए दो साल के लिए बढ़ा दिया गया है। 13 अगस्त, 2021 को लॉन्च की गई व्हीकल स्क्रैपेज पॉलिसी, भारतीय सड़कों पर पुराने वाहनों को आधुनिक और नए वाहनों से बदलने के लिए सरकार द्वारा वित्त पोषित कार्यक्रम है। इस नीति से प्रदूषण कम होने, रोजगार के अवसर सृजित होने और नए वाहनों की मांग बढ़ने की उम्मीद है। अगस्त 2021 में प्रधान मंत्री ने कार्बन उत्सर्जन को कम करने और वायु गुणवत्ता में सुधार करने के लिए 2025 तक पेट्रोल में इथेनॉल सम्मिश्रण के लक्ष्य को 20 प्रतिशत तक बढ़ाने की घोषणा की।

अगस्त 2021 में, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियम, 2021 को अधिसूचित किया गया था, जिसका उद्देश्य 2022 तक एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को समाप्त करना है। प्लास्टिक और ई-कचरा प्रबंधन के लिए विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व पेश किया गया है। ग्रीन इंडिया मिशन का कार्यान्वयन भारत में पांच मिलियन हेक्टेयर की सीमा तक ग्रीन कलर बढ़ाने और अन्य पांच एमएचए पर मौजूद ग्रीन कवर की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए किया गया है। सरकार ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के प्रारूपण के साथ वायु प्रदूषण को एक अखिल भारतीय समस्या के रूप में स्वीकार किया, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में वायु गुणवत्ता की निगरानी के लिए संस्थागत क्षमता का निर्माण और उसे मजबूत करना था, स्वास्थ्य प्रभावों को समझने के लिए स्वदेशी अध्ययन करना था। नीति-निर्माण करते समय चाहे वह पराली जलाना हो या थर्मल पावर प्लांट उत्सर्जन, स्वास्थ्य पर उनके संभावित प्रभावों पर विचार किए बिना निर्णय किए जाते हैं। नीति निर्माताओं के बीच स्वास्थ्य की समझ की कमी के परिणामस्वरूप, नीतियों का निर्माण और कार्यान्वयन समाज के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बहुत कम जानकारी के साथ किया जाता है।

केरल का मार्क्सवादी दुराग्रह

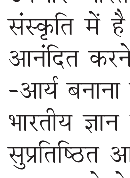

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

केरल की मार्क्सवादी सरकार का दुराग्रह अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया है। सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने अपने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने राज्यपाल को केरल के विश्वविद्यालयों के कुलपति पद से हटाने के लिए एक अध्यादेश तैयार कर लिया है और अब विधानसभा का सत्र बुलाकार वे अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रस्ताव भी पारित करना चाहते हैं। उनसे कोई पूछे कि राज्यपाल के हस्ताक्षर के बिना कौन सा प्रस्तावित अध्यादेश लागू किया जा सकता है और उनके दस्तखत के बिना कौन सा विधेयक कानून बन सकता है। यानी केरल की विजयन सरकार झूठ-मूठ की नौटंकी में अपना समय बर्बाद कर रही है। जहां तक उपकुलपतियों का सवाल है, उनकी नियुक्तियां विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के अनुसार ही होनी चाहिए लेकिन उन नियमों का उल्लंघन करके आप अपने मनमाने उम्मीदवारों को चुन लें और फिर राज्यपाल से कहें कि वे आंख मींचकर उन पर मोहर लगा दें। राज्यपाल आरिफ खान ने इस मामले में दृढ़ता दिखाई है और ऐसे उपकुलपतियों से इस्तीफे देने के लिए कहा है। आरिफ खान के इस दृष्टिकोण को भारत के सर्वोच्च न्यायालय और केरल के उच्च न्यायालय ने दो उपकुलपतियों के मामलों में बिल्कुल सही ठहराया है। उन्होंने कहा है कि यदि राज्यों के विश्वविद्यालयों को विश्व विद्यालय अनुदान आयोग की मान्यता और वित्तीय सहायता मिल रही है तो उन्हें नियुक्तियों में उसके नियमों का पालन करना अनिवार्य है। केरल के विश्वविद्यालयों और सरकारी दफ्तरों में सारे नियमों को ताक पर रखकर मार्क्सवादी पार्टी के समर्थकों और कार्यकर्ताओं और नेताओं के रिश्तेदारों को भरा जा रहा है। अदालतों ने मार्क्सवादी नेताओं की पत्नियों को दी गई कई बड़ी नौकरियों को गैरकानूनी घोषित कर दिया है। कई अपराधी पार्टी कार्यकर्ताओं को सरकारी नौकरियां पकड़ा दी गई हैं ताकि उनके सहारे वे कानून की वैतरणी पार कर जाएं और दो साल की नौकरी के बाद जीवनभर पेंशन के मजे लूटते रहें। केरल की मार्क्सवादी पार्टी में यह राजनीतिक भ्रष्टाचार तो उसका शिष्टाचार बन गया है, लेकिन राजनीतिक शिष्टाचार की सारी मर्यादाएं उसने भंग कर दी हैं। साल 2019 में कन्नूर के समारोह में राज्यपाल पर हमला करने वाले पार्टी कार्यकर्ता को दंडित करना तो दूर रहा, मुख्यमंत्री ने उसे अपने निजी स्टाफ में नियुक्त करके उसे सुरक्षा कवच प्रदान कर दिया है। मर्यादा भंग का ऐसा ही काम एक मंत्री ने भी कर दिखाया है। मुख्यमंत्री विजयन को शायद अंदाज नहीं है कि यदि वे यही अतिवादी रवैया बनाए रखेंगे तो वे केरल में कहीं राष्ट्रपति शासन को आमंत्रित न कर डालें और उसके साथ-साथ मार्क्सवाद की मिट्टी भी कहीं पलीत न कर दें।

देवाधि देव महादेव: भगवान शिव क्यों कहलाए त्रिपुरारी

भगवान शिव अर्थात पार्वती के पति शंकर जिन्हें महादेव, भोलेनाथ, आदिनाथ आदि कहा जाता है,वहीं इनका एक नाम त्रिपुरारी भी है। दरअसल हिन्दू धर्म में भगवान शिव को अनादि, अनंत, अजन्मा माना गया है यानि उनका कोई न आरंभ है न अंत है। न उनका जन्म हुआ है, न वह मृत्यु को प्राप्त होते हैं। इस तरह भगवान शिव अवतार न होकर साक्षात ईश्वर हैं। भगवान शिव को कई नामों से पुकारा जाता है। कोई उन्हें भोलेनाथ तो कोई देवाधि देव महादेव के नाम से पुकारता है। वे महाकाल भी कहे जाते हैं और कालों के काल भी...

माना जाता है कि सर्वप्रथम शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार-प्रसार का प्रयास किया इसलिए उन्हें 'आदिदेव' भी कहा जाता है। 'आदि' का अर्थ प्रारंभ। आदिनाथ होने के कारण उनका एक नाम 'आदिश' भी है। वहीं शिव की साकार यानि मूर्तिरुप और निराकार यानि अमूर्त रुप में आराधना की जाती है। शास्त्रों में भगवान शिव का चरित्र कल्याणकारी माना गया है। उनके दिव्य चरित्र और गुणों के कारण भगवान शिव अनेक रूप में पूजित हैं। आपको बता दें कि देवाधी देव महादेव मनुष्य के शरीर में प्राण के प्रतीक माने जाते हैं। आपको पता ही है कि जिस व्यक्ति के अन्दर प्राण नहीं होते हैं तो उसे शव का नाम दिया गया है। भगवान- भोलेनाथ का पंच देवों में सबसे महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। भगवान सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं। वहीं भगवान शिव को मृत्युलोक का देवता माना जाता है। ब्रम्हा जी सृष्टि के रचयिता, विष्णु को पालनहार और भगवान शंकर संहारक है। यह केवल लोगों का संहार करते हैं। भगवान भोलेनाथ संहार के अधिपति होने के बावजूद भी सृजन का प्रतीक हैं। वे सृजन का संदेश देते हैं। हर संहार के बाद सृजन शुरू होता है। इसके आलावा पंच तत्वों में शिव को वायु का अधिपति भी माना गया है।

वायु जब तक शरीर में चलती है, तब तक शरीर में प्राण बने रहते हैं। लेकिन जब वायु क्रोधित होती है तो प्रलयकारी बन जाती है। जब तक वायु है, तभी तक शरीर में प्राण होते हैं। शिव अगर वायु के प्रवाह को रोक दें तो फिर वे किसी के भी प्राण ले सकते हैं, वायु के बिना किसी भी शरीर में प्राणों का संचार संभव नहीं है।

शिव के 7 शिष्य हैं जिन्हें प्रारंभिक सप्तऋषि माना गया है। इन ऋषियों ने ही शिव के ज्ञान को संपूर्ण धरती पर प्रचारित किया जिसके चलते भिन्न-भिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। शिव ने ही गुरु और शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के शिष्य हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज इसके अलावा 8वें गौरशिरस मुनि भी थे।

कार्तिक मास की पूर्णिमा को त्रिपुरारी पूर्णिमा भी कहते हैं। धर्म ग्रंथों के अनुसार, इसी दिन भगवान शिव ने तारकाक्ष, कमलाक्ष व विद्युन्माली के त्रिपुरों का नाश किया था। त्रिपुरों का नाश करने के कारण ही भगवान शिव का एक नाम त्रिपुरारी भी प्रसिद्ध है।

ऐसे किया त्रिपुरों का नाश

भगवान शिव के त्रिपुरारी कहलाने के पीछे एक बहुत ही रोचक कथा है। शिव पुराण के अनुसार जब भगवान शिव के पुत्र कार्तिकेय ने दैत्यराज तारकासुर का वध किया तो उसके तीन पुत्र तारकक्ष, विमलाकक्ष, तथा विद्युन्माली अपने पिता की मृत्यु पर बहुत दुखी हुए। उन्होंने देवताओ और भगवान शिव से अपने पिता की मृत्यु का बदला लेने की ठानी तथा कठोर तपस्या के लिए ऊंचे पर्वतो पर चले गए। अपनी घोर तपस्या के बल पर उन्होंने ब्रह्मा जी को प्रसन्न किया और उनसे अमरता का वरदान माँगा। परन्तु ब्रह्मा जी ने कहा की मैं तुम्हे यह वरदान देने में असमर्थ हूँ अतः मुझ से कोई अन्य वरदान मांग लो।

शिवलिंग पर चढाएं ये खास चीजें होगी हर मनोकामना पूरी

भगवान शंकर यानि शिव को प्रसन्न करने के लिए अनेक चीजें अर्पित की जाती हैं, लेकिन कई बार जानकारी के अभाव में हमारे द्वारा कुछ ऐसे चीजें भी उन्हें चढ़ा दी जाती हैं, जिनका कोई महत्व ही नहीं है। या कई बार तो कुछ लोग गलती से ऐसी चीजें भी चढ़ा देते हैं जिसके फलस्वरूप भगवान शंकर प्रसन्न होने की जगह कुपित हो जाते हैं। ऐसे में भगवान शंकर को अर्पित की जानें वाली वस्तुओं को जानना अति आवश्यक हो जाता है।

दरअसल शिवलिंग पर कई चीजें चढ़ाई जाती हैं, ऐसे में जानकारों के अनुसार इनमें से प्रमुख है दुग्ध, घृत, शहद, दही इत्यादि किन्तु आम तौर पर दो चीजों का महत्त्व बहुत अधिक है। वो हैं बिल्वपत्र (बेलपत्र) और गंगाजल। किन्तु इनके अतिरिक्त कई अन्य चीजों को शिवलिंग को अर्पण करने का विधान पुराणों में बताया गया है। इसका हमें शिवपुराण के एक श्लोक से पता चलता है...

जल से रुद्राभिषेक करने पर वृष्टि होती है। इसके अतिरिक्त ऐसी भी मान्यता है कि जल से अभिषेक करने पर ज्वर भी उतर जाता है।

कुशा जल से अभिषेक करने पर रोग व दुःख से छुटकारा मिलता है।

दही से अभिषेक करने पर पशु, भवन तथा वाहन की प्राप्ति होती है।

गन्ने के रस से अभिषेक करने पर लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।

मधुयुक्त जल से अभिषेक करने पर धनवृद्धि होती है।

तीर्थ जल से अभिषेक करने पर मोक्ष की प्राप्ति होती है।

इत्र मिले जल से अभिषेक करने से रोग नष्ट होते हैं।

दूध से अभिषेक करने से पुत्र प्राप्ति होगी। प्रमेह रोग की शांति तथा मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

गंगा जल से अभिषेक करने पर मनुष्य को भौतिक सुखों के साथ-साथ मोक्ष की प्राप्ति भी होती है। विशेषकर श्रावण मास में ज्योतिर्लिंगों पर गंगा जल चढाने का चलन सदियों से चला आ रहा है। श्रावण मास में शिवलिंग पर गंगाजल चढाने पर सहस्त्र गुणा अधिक फल मिलता है।

दूध-शर्करा मिश्रित अभिषेक करने से सद्बुद्धि की प्राप्ति होती है और बच्चों का मस्तिष्क तेज होता है।

घी से अभिषेक करने से वंश विस्तार होता है और साथ ही शारीरिक दुर्बलता दूर होती है।

सरसों के तेल से अभिषेक करने से रोग तथा शत्रुओं का नाश होता है।

शुद्ध शहद से रुद्राभिषेक करने से पाप क्षय होते हैं। साथ ही क्षय रोग और मधुमेह की समस्या भी दूर होती है।

देवी अहिल्या को क्यों मिला श्राप वो कैसे बनी पत्थर की

हिंदू धर्म में रामायण ग्रंथ को बेहद ही पवित्र माना जाता है इसका पाठ करने से मानव जीवन धन्य हो जाता है वही जिसने भी रामायण पढ़ी अथवा सुनी होगी या फिर देखी है वह माता अहिल्या को जरूर जानता होगा। जो गौतम ऋषि की पत्नी थी उन्हें अपने ही पति गौतम मुनि से श्राप प्राप्त था पत्थर बनने का और वह श्राप तब तक रहेगा जब तक कोई रघुवंशी बिना किसी भेद के और संवेदनशीलता के साथ बिना किसी समाज की परवाह किए उनको छुएगा तो माता अहिल्या श्राप से मुक्त हो जाएगी, क्या आप जानते हैं कि देवी अहिल्या को क्यों मिला था और वो किस कारण से पत्थर की बन गई थी अगर आप इसे जानने के इच्छुक है तो आज हम अपने इस लेख में इसी पर चर्चा करने जा रहे है तो आइए जानते हैं।

धार्मिक ग्रंथें के अनुसार एक सामान्य सी भूल के लिए बहुत बड़ा दंड देवी अहिल्या को मिला था लेकिन अगर देवी अहिल्या को पता था कि ब्रह्म मुहूर्त में शारीरिक संबंध बनाए नहीं जाते तो उन्होंने विरोध क्या नहीं किया था तब वह सतयुग था और उस युग में पहले से यही प्रथा चली आ रही थी स्त्री को हमेशा से पुरुष से निम्न समझा जाता था स्त्री कभी भी पुरुश को कुछ भी बोल नहीं सकती थी ऐसे में देवी अहिल्या यहां पर दुविधा में थी तो चाहती तो भी विरोध नहीं कर सकती थी पर यह बात मुनि गौतम तो भलीभांति जानते थे तब भी उन्होंने अहिल्या को श्राप दिया। वह श्राप केवल अपने अहंकार की पुष्टि करने के लिए दिया गया था यह बात अद्भुत रामायण के प्रसंग से ज्ञात होती है।

धार्मिक ग्रंथ रामायण के अनुसार सीता केवल दस वर्ष की रही होगी तब राजा जनक ने सीता को कोई सक्षम गुरु मिले इस भावना से एक ज्ञान सभा का आयोजन किया था उस ज्ञान सभा में ऋषि याग्यवल्क्य, संन्यासिन गार्गी और ऋषि गौतम भी आए थे तब गौतम मुनि ने राजा जनक से सीता का गुरु बनने की इच्छा व्यक्त की थी। और सभा के पश्चात विस्तार से उस विषय पर चर्चा करने को कहा था इसके बाद सीता को गौतम मुनि के पास लाया गया तो सीता जीन ने कुछ प्रश्न पूछे। तब मुनि ने उत्तर दिया था जिसमें सीता का एक प्रश्न गौतम मुनि को आहत कर गया था।

जिसमें सीता जी ने कहा तो आप अपनी ही पत्नी को पत्थर बनने का श्राप क्यों दिया था इस प्रश्न को उसनते ही वह बिना कुछ कहे वहां से चले गए जिस कारण जनक को भ्रम हुआ कि मुनि सीता के प्रश्नों से आहत हुए है तो उनके पीछे गए और क्षमा मांगी तब गौतम मुनि ने कहा था जनक बच्चे हमेशा सत्य ही बोलते हैं मुझे सीता कि बातों पर दुख नहीं हुआ है दुख तो केवल इस बात का हुए की मैं अहंकार में उसे समझ नहीं पाया कि पुत्री भूल हो जाती है तो मुझसे भी हुई थी उस समय पर क्या करता श्राप वापस भी नहीं ले सकता था इसलिए तो उस श्राप का निवारण भी बताया था एक रघुवंशी आयेगा और बिना किसी प्रतिबंधों के संवेदना के साथ उन्हें स्पर्श करेगा तो पुन वो मनुष्य रूप में आ जाएगी।

24 घंटे के भीतर असर दिखाने लगता है ये टोटका, मिलती है खूब तरक्की

हर कोई अपने जीवन में खुशहाली और तरक्की चाहता है इसके लिए वह प्रयास भी करता है लेकिन अगर फिर भी सफलता हासिल नहीं हो रही है कोशिश करने के बाद भी नाकाम हो रहे हैं तो ऐसे में ज्योतिष से जुड़े कुछ उपायों व टोटको को अपनाना बेहद ही फलदायी रहेगा। ऐसे में इन प्रभावी टोटको को अपनाने से हर तरह की समस्या से छुटकारा मिल जाता है खूब तरक्की होती है तो आज हम आपके लिए लेकर आए है ज्योतिष से जुड़े अचूक टोटके, तो आइए जानते हैं।

अगर घर में लगातार झगड़े होते रहते हैं अगर आप इससे छुटकारा चाहते हैं तो बुधवार के दिन सात तरह के अनाज का दान करें साथ ही नागरमोथ की जड़ धारण करके राहु यंत्र की स्थापना करें और रोज उसकी पूजा करें इस टोटके को करने से तेजी से लाभ मिलता है

वहीं अगर आप बार बार परेशानियों व संकट से घिर रहे हैं तो ऐसे में रोजाना पूरी भक्ति भाव से श्री हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का पाठ करें साथ ही हनुमान मंदिर जाकर उनके कंधे का सिंदूर अपने माथे पर लगाएं आपकी मुसीबतें समाप्त हो जाएगी और हर काम में आपको सफलता भी मिलेगी।

अगर घर में किसी को बुरी नजर लग गई है या नकारात्मकता घर में वास करती है तो ऐसी स्थिति में विधि विधान से नौ मुखी रुद्राक्ष धारण करें इससे आपको तुरंत राहत मिल जाएगी। अगर आप कारोबार में तरक्की पाना चाहता है तो पंचमुखी हनुमान जी का लॉकेट अपने गले में पहने इससे तेजी से कारोबार में तरक्की मिलती है और नौकरी में भी पदोन्नति की प्राप्ति होती है वहीं अगर बार बार धन हानि हो रही है तो लाल वस्त्र में दे कौड़ियां बांधकर तिजोरी में रख दें। ऐसा करने से धन हानि से बचा जा सकता है और धन की आवक में भी वृद्धि होती है।

अमर है पृथ्वी का ये पेड़ ! जानें क्यों होती है इसकी पूजा

वैसे तो वट वृक्ष का वैज्ञानिक महत्त्व भी बहुत अधिक है किन्तु पहले बात करते हैं उसके धार्मिक महत्त्व की। वट वृक्ष को त्रिमूर्ति का प्रतीक है। वृक्ष अमरता का भी प्रतीक है। इसे अमर माना जाता है क्यूंकि इस वृक्ष की आयु सहस्त्रों वर्षों की होती है। इसी कारण इसका एक नाम अक्षयवट भी है, अर्थात जिसका क्षय नहीं होता। कुछ ग्रंथों में ये भी कहा गया है कि प्रलय के समय काशी के अतिरिक्त केवल अक्षयवट ही सुरक्षित रहता है।

वट वृक्ष की उत्पत्ति के विषय में एक कथा हमें वामन पुराण में मिलती है। इस ग्रन्थ में सर्वप्रथम भगवान विष्णु की नाभि से कमल के पुष्प कर भगवान ब्रह्मा प्रकट हुए। तत्पश्चात विभिन्न देवताओं के शरीर से अनेकानेक वृक्षों एवं वनस्पतियों की उत्पत्ति हुई। उसी समय यक्षों के सम्राट मणिभद्र से वट वृक्ष की उत्पत्ति हुई। तभी से वट वृक्ष को यक्षवास, यक्षतरु, यक्षवारूक आदि नामों से भी पुकारा जाता है।

हरिवंश पुराण में भण्डीरवट नामक एक वट वृक्ष का वर्णन है जिसकी सुंदरता पर मुग्ध होकर स्वयं श्रीकृष्ण ने उसके नीचे विश्राम किया था। रामायण में सुभद्रवट नामक एक वट वृक्ष का वर्णन है जिसकी शाखा गरुड़ ने अपनी शक्ति से तोड़ डाली थी। रामायण में ही ₹श्यामन्यग्रोधर₹ नाम के वट वृक्ष का वर्णन है जो वर्तमान काल में अक्षयवट के नाम से प्रसिद्ध है और पंचवटों में से एक है। श्रीराम ने भी अपने वनवास का एक लम्बा समय पंचवटी में बिताया था जिसका नाम वहां पर उपस्थित पांच वट वृक्षों के कारण पड़ा था।

एक मान्यता ये भी है कि प्रलय के समय जब सम्पूर्ण पृथ्वी जलमग्न हो जाती है तब पृथ्वी पर केवल एक वट वृक्ष ही बचता है। जब प्रलय समाप्त होता है तब उसी वट वृक्ष के पत्ते पर शिशु रूप में भगवान श्रीहरि प्रकट होते हैं। उनकी लीला अद्भुत होती है, वे अपने पैर का अंगूठा चूस रहे होते हैं। फिर उन्ही की नाभि से कमल का एक पुष्प उत्पन्न होता है जिसपर परमपिता ब्रह्मा विराजमान रहते हैं। उसी समय ब्रह्मदेव समस्त प्राणियों की पुनः रचना करते हैं।

वट वृक्ष के सन्दर्भ में सत्यवान और सावित्री की कथा भी प्रमुख है। सत्यवान के प्राण यमराज ने वट वृक्ष के नीचे ही लिए था और फिर सावित्री के हठ और पतिव्रत के कारण उन्होंने उसे पुनर्जीवित किया। तब यमराज ने सावित्री को ये वरदान दिया कि वट सावित्री के दिन जो स्त्री वट वृक्ष की पूजा करेगी उसका सुहाग दीर्घायु होगा। तभी से वट सावित्री के व्रत को करने का विधान है। इसके साथ ही वट वृक्ष में सावित्री का निवास भी माना जाता है। वट सावित्री पर एक

विश्व का सबसे बड़ा वट वृक्ष आंध्रप्रदेश के अनंतपुर जिले में स्थित थिम्मामा मर्रीमनु नामक वट वृक्ष है जो इतना विशाल है कि उसकी छाया लगभग पांच एकड़ तक फैली रहती है। 1989 में इसे गिनीज बुक और वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया था।

विस्तृत लेख आप यहां पढ़ सकते हैं।

ऐसा माना जाता है कि जो कोई भी वट वृक्ष लगाता है वो मृत्युलोक से छूट कर सीधा शिवलोक जाता है। वट वृक्ष को काटना पुत्र हत्या के समान बताया गया है। जैन धर्म के अनुसार उनके प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव ने वट वृक्ष के नीचे ही अपनी तपस्या पूर्ण की थी। ठीक उसी प्रकार बौद्ध धर्म के अनुसार गौतम बुद्ध को गया में वट वृक्ष के नीचे ही ज्ञान की प्राप्ति हुई थी जिसे बोधिवृक्ष कहा जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अतिरिक्त वट का वैज्ञानिक महत्त्व भी है। बरगद उन चुनिंदा वृक्षों में है जो दिन में 20 से अधिक घंटों तक ऑक्सीजन का उत्सर्जन करता है। आयुर्वेद के अनुसार शरीर के तीन मुख्य अवयवों - वात, पित्त और कफ को नियंत्रित करने में वट वृक्ष अत्यंत प्रभावकारी है।

इसकी छाल और पत्तियों ने अनेक औषधियां बनाई जाती है। वट वृक्ष अपने आस-पास की वायु को शुद्ध रखता है। इसके अतिरिक्त इसे जीवन का आधार भी माना जाता है क्यूंकि इसके विशाल शाखाओं पर असंख्य जीव अपना निर्वहन करते हैं। इस पर उन्हें घर और भोजन दोनों प्राप्त होता है।

वट वृक्ष भारत का राष्ट्रीय वृक्ष भी है। विश्व का सबसे प्राचीन वट वृक्ष प्रयागराज में स्थित अक्षयवट माना जाता है जो रामायण काल से आज तक उपस्थित है। वही वट वृक्ष के सन्दर्भ में हमें पंचवटों का वर्णन मिलता है जो आदि काल से आज तक उपस्थित हैं। ये हैं - अक्षयवट, पंचवट, वंशीवट, गयावट और सिद्ध वट।

आथिया और केएल राहुल जल्द लेंगे सात फेरे सुनील शेट्टी ने किया कंफर्म, बोले- शादी जल्द होगी

बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने हाल ही में कंफर्म किया कि आथिया और केएल राहुल जल्द शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। दरअसल सुनील की क्राइम थ्रिलर सीरीज 'धारावी बैंक' के लॉन्च इवेंट में उनसे बेटी की शादी के बारे में पूछा गया। तो इसके जवाब में उन्होंने कुछ ऐसा कहा जिससे कंफर्म हो गया कि दोनों जल्द शादी करने वाले हैं।

जल्द होगी दोनों की शादी

पिंकविला से बातचीत के दौरान जब उनसे पूछा गया कि केएल राहुल और अथिया की शादी कब होगी। तो इसके जवाब में उन्होंने कहा कि जल्द होगी। अब सुनील के इस जवाब से लग रहा है कि दोनों जल्द शादी करने वाले हैं।

ऐसा पहली बार नहीं है जब सुनील ने अथिया और केएल राहुल के रिश्ते पर बात की है। इससे पहले भी एक इंटरव्यू में बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था, 'अथिया मेरी बेटी है और वो एक न एक दिन शादी जरूर करेगी। ये उनकी पसंद है। जहां तक केएल राहुल की बात है तो मैं उस लड़के को पसंद करता हूं। ये उन्हें तय करना है कि वे क्या करना चाहते हैं, क्योंकि समय बदल गया है। मेरी बेटी और बेटा दोनों ही अब जिम्मेदार हो गए हैं। मैं चाहता हूं कि वो डिसीजन लें, मेरा आशीर्वाद हमेशा उनके साथ है।'

राहुल और अथिया करीब तीन साल से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों को अक्सर एक दूसरे के साथ वेकेशन पर जाते रहते हैं। काफी समय तक दोनों ने अपने रिश्ते को सीक्रेट रखा था। अथिया अक्सर केएल राहुल के साथ उनके इंटरनेशनल क्रिकेट मैचों में उनके साथ स्पॉट की जाती हैं।

अथिया ने 2015 में सूरज पंचोली के साथ फिल्म 'हीरो' में काम कर बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी। साथ ही उन्होंने दो और फिल्मों में भी काम किया है, जो हैं फिल्म 'मुबारकां' और 'मोतीचूर चकनाचूर', जिसमें उनके साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी लीड रोल में थे।

'श्रद्धा जैसी है मेरी भी कहानी', एक्ट्रेस कनिष्का सोनी ने किया अपने एक्स बीएफ की दरिंदगी का खुलासा

श्रद्धा मर्डर केस इन दिनों देश भर में चर्चा का मामला बना हुआ है. हत्या के आरोपी और श्रद्धा का लिव-इन पार्टनर आफताब पुलिस की गिरफ्त में है. इंसानियत को भी शर्मसार कर देने वाला ये मामला जैसे ही लोगों के सामने आया उनका गुस्सा फूट पड़ा. लोग आरोपी के लिए फांसी की मांग कर रहे हैं. इस बीच टीवी की टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की कई हस्तियां भी श्रद्धा मर्डर केस से भौचक्का हैं. जानी मानी टीवी एक्ट्रेस कनिष्का सोनी ने इस मामले पर अपनी बात रखी है.

'मैं श्रद्धा की कहानी मेरे जैसी'

कनिष्का सोनी ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो रोती हुई दिखाई दे रही हैं. कनिष्का ने खुलासा किया कि उनके पार्टनर की भी मानसिकता आफताब जैसी थी, वो दिन बहुत मुश्किल से गुजरे. कनिष्क सोनी ने कहा, 'मैं श्रद्धा की कहानी से खुद को रिलेट कर पा रही हूं. मुझे याद है कि एक एक्टर ने मुझे प्रपोज किया और शादी करने की बात कही. जब मैं उसके साथ रिलेशन में थी, तो मैंने उसके गुस्से, हिंसक स्वभाव और शराब पीने की आदत को झेला.'

'हम शादी कब कर रहे हैं?'

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'मैंने सोचा शादी के बाद वह सुधर जाएगा. मैंने अपना ज्यादातर समय उसके घर पर बिताया. वह मुझे लिव-इन रिलेशनशिप में रहने के लिए कहता था. हालांकि, मैं जिस जगह से आती हूं वहां इसकी अनुमति नहीं है और मैं खुद कभी इसके पक्ष में नहीं रही. मैं ज्यादातर समय उसके घर पर रहती थी क्योंकि हमें उम्मीद थी कि हम शादी कर लेंगे. एक दिन जब मैंने उससे पूछा कि हम शादी कब कर रहे हैं? मैं उसके साथ रह रही थी क्योंकि उसने कहा था कि वह जल्द ही शादी करेगा.'

डर था जान से मार देगा

कनिष्क आगे कहती हैं, 'उसके साथ मेरे कई सपने थे. मेरे सवाल पर उसे गुस्सा आ गया और उसने उस रात मुझे बहुत मारा. उस समय मेरे अंदर एक डर था कि वह मुझे कभी भी जान से मार सकता है. उसी रात मैं अपना कुछ सामान लेकर उसके घर से भाग गई. मुझे लगता है कि हमारे देश में लड़कियां लिव-इन रिलेशनशिप में रहती हैं क्योंकि उन्हें उस इंसान के साथ जिंदगी बितानी होती है. टाइम पास के लिए लिव-इन जैसा फैसला वो नहीं लेतीं. मैं लड़कियों को लिव-इन पर भी यही राय देना चाहूंगी कि माहौल भले ही बदल गया हो, यह फैसला तब तक न लें जब तक आप उस शख्स को पूरी तरह से न जान लें.'

एक्ट्रेस तबस्सुम का 78 साल की उम्र में निधन

बेटे से कहा था- अंतिम संस्कार के बाद मौत की खबर दें

लीजेंड्री बॉलीवुड एक्ट्रेस तबस्सुम का 78 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके बेटे होशांग गोविल ने मीडिया को बताया कि 18 नवंबर की शाम को तबस्सुम ने आखिरी सांस ली। लेकिन उनकी इच्छा थी कि अंतिम संस्कार के बाद ही यह खबर लोगों को दी जाए, इसलिए यह जानकारी शनिवार को दी गई।

दो मिनट में आए दो कार्डियक अरेस्ट

बेटे होशांग गोविल ने बताया- तबस्सुम का निधन कल रात 8 बजकर 40 मिनट पर कार्डियक अरेस्ट से हुआ। वह बिल्कुल ठीक थीं। दस दिन पहले हमने शूटिंग भी की थी। हम अगले हफ्ते शूटिंग भी करने वाले थे। यह सब अचानक से हो गया। उन्हें गैस्ट्रिक प्रॉब्लम थी जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया था। उन्हें डिस्चार्ज भी कर दिया गया था, लेकिन शुक्रवार को उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें दो मिनट के अंदर दो कार्डियक अरेस्ट आए थे।

21 साल तक तबस्सुम ने दूरदर्शन पर किया काम

तबस्सुम ने 1947 में बेबी तबस्सुम के नाम से हिंदी फिल्म 'नरगिस' से इंडस्ट्री में कदम रखा था। 70 के दशक में उन्होंने कामयाब टेलीविजन होस्ट के तौर पर अपनी पहचान बनाई। दूरदर्शन पर 21 साल तक चले टॉक शो 'फूल खिले हैं गुलशन गुलशन' में उन्होंने कई बड़ी हस्तियों के इंटरव्यू किए। इस शो की शुरुआत साल 1972 में हुई थी और यह 1993 तक चला। वे पिछले कई सालों से अपने यू-ट्यूब चैनल के लिए भी लगातार वीडियो बना रही थीं।

अयोध्या में जन्म, मुंबई में मौत

तबस्सुम का जन्म 9 जुलाई 1944 को अयोध्या में हुआ था। निधन मुंबई में हुआ। उनके पिता अयोध्यानाथ सचदेव और मां असगरी बेगम स्वतंत्रता सेनानी थे। तीन साल की उम्र में वे पहली बार स्क्रीन पर आईं। तबस्सुम ने फिल्म 'दीदार' में नरगिस के बचपन का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों को जीत लिया था।

अरुण गोविल के भाई से हुई थी शादी

तबस्सुम की शादी रामायण में राम की भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल के भाई विजय गोविल से हुई थी। दोनों का एक बेटा होशांग है। होशांग एक्टर हैं। उन्होंने तुम पर हम कुर्बान में बतौर लीड एक्टर काम किया था, जिसे तबस्सुम ने ही प्रोड्यूस और डायरेक्ट किया था।

प्रसून जोशी ने बॉलीवुड को आड़े हाथों लिया : कहा - फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग अपनी जड़ों को भूल गए हैं

सेंसर बोर्ड के चेयरमैन और राइटर प्रसून जोशी का कहना है बॉलीवुड अपनी जड़ो को भूल गया है और इसी वजह से फिल्मों को लगातार असफलता का मुंह देखना पड़ना पड़ रहा है। प्रसून का कहना है कि फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को इस बुरे कंडीशन से निकलना चाहिए न कि विक्टिम कार्ड खेलना चाहिए। प्रसून ने कहा है कि एक समय पर बॉलीवुड माइथोलॉजी और लिट्रेचर से संबंधित फिल्में बनाती थी लेकिन अब ऐसा बिल्कुल नहीं है। प्रसून जोशी ने हाल ही में मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में बड़े बजट वाली हिंदी फिल्मों की लगातार असफलता पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा- फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को विक्टिम कार्ड न खेलकर इस बुरे दौर से निकलने का सोचना चाहिए। आजकल मेकर्स अपने रूट्स को भूल गए हैं। एक समय होता था जब बालीवुड में माइथोलॉजी और साहित्य से जुड़े हुए विषय पर फिल्म बनते थे लेकिन आज कल की फिल्मों में ऐसा कुछ भी ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिलता।

आज बालीवुड अधिकतर मुंबई तक ही सीमित रह गया है। आज कल की फिल्मों में एक किसान के किरदार को कैसे दिखाना है वो भी डायरेक्टर्स को नहीं पता होता है क्योंकि कईयों ने तो अपनी पूरी लाइफ में एक किसान तक को नहीं देखा होगा।

नेशनल अवार्ड विनर हैं प्रसून जोशी

प्रसून जोशी सेंसर बोर्ड के प्रेसिडेंट होने के साथ-साथ जाने माने लेखक और फिल्म मेकर हैं। उन्हें दो बार नेशनल अवार्ड भी मिल चुका है। उन्होंने 2014 में मिल्खा सिंह के जीवन पर बनी फिल्म भाग मिल्खा भाग की स्क्रिप्ट भी लिखी थी। 2017 में पहलाज निहलानी के बाद उन्होंने सेंसर बोर्ड के प्रेसिडेंट की जिम्मेदारी संभाली।

शहनाज ने सिद्धार्थ शुक्ला को डेडिकेट किया फिल्मफेयर अवॉर्ड

शहनाज गिल हाल ही में दुबई में फिल्मफेयर मिडिल ईस्ट अचीवर्स अवॉर्ड फंक्शन में शामिल हुईं। इस बीच उन्हें एक अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, जिसे उन्होंने सिद्धार्थ शुक्ला को डेडिकेट किया। इसका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें अवॉर्ड मिलने के बाद उन्हें दो शब्द कहने के लिए माइक दिया गया। इस मौके पर वो कहती हैं, 'मैं ये अवॉर्ड अपनी फैमिली, अपनी फ्रेंड्स और अपनी टीम को बिल्कुल भी डेडिटेक नहीं करूंगी क्योंकि ये मेरी मेहनत है। और तू मेरा है और मेरा ही रहेगा... ठीक है।'

शहनाज आगे कहती हैं, 'एक चीज और, मैं एक बंदे को थैंक्यू बोलना चाहती हूं। थैंक्यू मेरी लाइफ में आने के लिए और मेरे पर इतना इनवेस्ट करने के लिए कि मैं यहां तक पहुंच पाई हूं। सिद्धार्थ शुक्ला ये तुम्हारे लिए है।' उनकी स्पीच सुनने के बाद वहां बैठा हर कोई ताली बजाने लगता है।

फैंस का रिएक्शन

अब शहनाज का ये वीडियो देखने के बाद उनके फैंस काफी इमोशनल हो गए हैं। जहां एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'मैं अपने आंसू नहीं रोक पा रहा। शहनाज मुझे तुम पर गर्व है।' वहीं दूसरे ने लिखा, 'वो होता तो वहीं बैठकर जोर-जोर से हंस रहा होता और खुशी से शर्मा रहा होता। तुम बहुत बहादुर हो शहनाज'

दोनों ने नहीं किया था अपने रिश्ते को ऑफिशियल

शहनाज और सिद्धार्थ 'बिग बॉस 13' में साथ नजर आए थे। शो में ही दोनों की अच्छी दोस्ती हुई और दोनों की नजदीकियां बढ़ गई थीं। इसमें सिद्धार्थ और शहनाज की जोड़ी को फैंस ने काफी प्यार दिया था। शो के बाद भी दोनों को अक्सर एक साथ स्पॉट किया जाता था। कहा जाता है सिद्धार्थ-शहनाज रिलेशनशिप में थे और जल्द ही एक-दूसरे से शादी भी करने वाले थे। हालांकि दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को ऑफिशियल नहीं किया और हमेशा खुद को बहुत करीबी और स्पेशल दोस्त बताया था।

विक्की कौशल ने की कटरीना की तारीफ बोले - वो एक चलती-फिरती डॉक्टर हैं

विक्की कौशल और कटरीना कैफ इंडस्ट्री के पावर कपल हैं। विक्की ने हाल ही में एक इवेंट में शिरकत की थी, जिसमें उनकी हेल्थ को लेकर सवाल पूछा गया। इसी सवाल पर विक्की ने कैटरीना कैफ की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा- 'सबसे पहली बात तो मैं ये कहूंगा कि मेरे लिए हेल्थ का मतलब मेंटल हेल्थ से शुरू होता है। मुझे लगता है कि सब कुछ इसके बाद ही आता है। इसके लिए मैं अपने परिवार और क्लोज फ्रेंड्स पर भरोसा करता हूं। अगर ये चीजें सही हैं तो बाकी सारी चीजें सही होंगी। इसलिए मेरे लिए मेंटल हेल्थ सबसे पहले है। इसके बाद जब बात फिजिकल हेल्थ की आती है तो मैं इस बात का ध्यान रखता हूं कि मेरा खानपान सही रहे। मैं अच्छी तरह से सोता हूं और खूब सारा पानी पीता हूं।'

उन्होंने आगे कहा,'आप सबको शायद इस बारे में ज्यादा पता न हो लेकिन मेरी बीवी एक चलती-फिरती डॉक्टर की तरह हैं। वह एक साइंटिस्ट है। उन्हें बहुत ज्ञान है और कुछ ज्यादा ही ज्ञान है। लेकिन वह मेरी काफी मदद करती हैं और इस बात का ध्यान रखती हैं कि मेरा खाना-पीना सही हो। अच्छी तरह से सोता हूं और केवल काम के पीछे भागता नहीं रहता।' विक्की के इस वीडियो को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। दोनों ने 9 दिसम्बर 2021 को डेस्टिनेशन वेडिंग की थी। इस शादी में महज परिवार वाले और क्लोज फ्रेंड्स ही शामिल हुए थे।

कैटरीना कैफ के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी फिल्म 'फोन भूत' हाल ही में बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई है। इसके अलावा कैटरीना फिल्म 'टाइगर 3' और 'जी ले जरा' में नजर आएंगी। वहीं विक्की कौशल के वर्कफ्रंट की बात करें तो, वो जल्द ही गोविंदा मेरा नाम, द ग्रेट इंडियन फैमिली, धुनकी सहित दो अनटाइटल फिल्मों में भी नजर आएंगे।

नातिन नव्या नंदा के पॉडकास्ट में अब जया बच्चन ने 'वर्किंग वूमेंस' को लेकर कही बड़ी बात

मेगास्टार अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा अपनी मां श्वेता बच्चन नंदा और दादी जया बच्चन के साथ महिला सशक्तिकरण के बारे में नव्या के नए पॉडकास्ट 'व्हाट द हेल नव्या' में महिलाओं के सशक्तिकरण, विकास और समान वेतन की बात आने पर कार्यस्थलों पर उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर कुछ दिलचस्प बातचीत करती नजर आ रही हैं. नव्या ने पेशेवर विकास पर ध्यान नहीं देता है. जया ने इस बात पर जोर दिया कि महिलाएं अक्सर दूसरी महिलाओं के लिए ड्रेस अप करती हैं कि वे उनके स्टाइल स्टेटमेंट को कैसे देखेंगी और क्या सोचेंगी. हालांकि, पुरुषों के अलग-अलग मापदंड हैं. बातचीत को आगे बढ़ाते हुए श्वेता ने कहा कि अगर कोई महिला अपने कार्यस्थल पर समान वेतन की मांग करती है तो यह पूरी तरह जायज है. "समान

कहा, "मुझे ऐसा लगता है कि भले ही हम एक ही चीज, एक ही लक्ष्य को हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, हम सभी सफल होने की कोशिश कर रहे हैं, हम अभी भी बेहतर महसूस करने के लिए एक-दूसरे को ऊपर उठाने और दूसरी महिलाओं को नीचा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं." मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों होता है."

श्वेता ने कहा कि महिलाओं को इस बात से आंका जाता है कि वे गृहिणी के रूप में कितनी अच्छी हैं, लेकिन कोई भी उनके वेतन एक अनुचित मांग नहीं है".

आईएएनएस की रिपोर्ट के अनुसार अंत में, नव्या ने खेलों में महिलाओं की भागीदारी और इसे हाइलाइट करने के तरीके के बारे में भी बात की. उनके अनुसार, हालांकि चीजों ने महिला क्रिकेट को बदल दिया है और अन्य खेलों को प्रमुखता मिल रही है, फिर भी और अधिक की आवश्यकता है. 10-एपिसोड की ऑडियो सीरीज आईएमवी पॉडकास्ट पर उपलब्ध है और यह अन्य ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध है.

'फिल्म में घोड़े का रोल मिलता, तो वो भी कर लेता', पीएस-1 के एक्टर कार्तिक शिवकुमार ने क्यों कहा ऐसा

भारतीय अभिनेता कार्तिक शिवकुमार, जिन्हें पेशेवर रूप से कार्थी के नाम से जाना जाता है, एक ऐसा नाम है जिसे किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है. अभिनेता, जिन्हें हाल ही में मणिरत्नम मैग्नम ओपस 'पोन्नियिन सेल्वनः पार्ट 1' में देखा गया था, निर्देशक को अपना गुरु मानते हैं और फिल्म में कोई भी भूमिका निभाने के लिए तैयार थे – यहां तक कि एक घोड़े की भी – क्योंकि वह नहीं चाहते थे 'रोजा', 'बॉम्बे', 'गुरु' और 'युवा' जैसी कई फिल्मों के लिए जाने जाने वाले निर्देशक के साथ काम करने का मौका गंवाए.

'पोन्नियिन सेल्वनः पार्ट 1' और उन्हें कैसे कास्ट किया गया, इस पर अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने कहा, "'पोन्नियन सेलवन' नाम से ही तमिल डायस्पोरा की एक बड़ी पहचान है. लोगों के पास इस उपन्यास का स्वामित्व है (यह फिल्म लेखक कल्कि द्वारा इसी नाम के बेस्टसेलिंग उपन्यास पर आधारित है) और इसके पात्रों के साथ प्रतिध्वनित है. विशेष पुस्तक लंबे समय से प्रासंगिक रही है, अभी भी बड़े पैमाने पर प्रशंसक है और हर साल प्रदर्शनियों के साथ एक सर्वश्रेष्ठ विक्रेता है."

उन्होंने आगे कहा, "महान फिल्म निर्माताओं ने इसे एक फिल्म बनाने की आकांक्षा की है और यह मायावी रहा है. अंत में, मणिरत्नम ने कार्य पूरा किया. मुझे एक फोन आया कि मणि सर मुझसे मिलना चाहते हैं. इस फिल्म में एक भूमिका निभाने के लिए. मैं उनके कार्यालय में गया, जब उन्होंने मुझे वंदियाथेवन की भूमिका की पेशकश की. कौन उसे मना करेगा! अगर मणि सर चाहते थे कि मैं फिल्म में एक घोड़े की भूमिका निभाने के लिए भी तैयार था. वह मेरे गुरु हैं."

सिविल सेवा या एमबीए? किसमें कॅरियर बनाना होगा फायदेमंद

कभी सिविल सर्विस में जाना युवाओं का सपना होता था हर कोई इसे अपनी प्रतिष्ठा से जोड़कर देखता था, लेकिन समय के साथ अब इसमें बदलाव आया है अब लोग सिविल सर्विसेज की जगह प्राइवेट सेक्टर्स में जाना ज्यादा बेनिफिशियल समझते हैं, ऐसा नहीं है कि सिविल सर्विसेज का क्रेज लोगों में खत्म हो गया है लेकिन बढ़ते कॉम्पिटिशन और रिज़ल्ट की लेटलतीफ़ी के कारण अब प्राइवेट सेक्टर्स में जाने को ज्यादा बेनिफिशियल समझा जाने लगा है खासकर मैनेजमेंट कोर्सेज लोगों को ज्यादा सेफ लगने लगे है आज हमारे देश में 20 आईआईएम कॉलेज है। CAT, XAT एवं CMAT की परीक्षाओं में भी उतनी ही संख्या में युवाओं की भीड़ होती है जितनी सिविल सेवाओं की परीक्षाओं में।

सबसे ज्यादा मैनेजमेंट कॉलेजों वाला भारत दूसरा देश

सर्वाधिक मैनेजमेंट कॉलेज अमेरिका में है लेकिन क्या आपको पता है कि भारत का स्थान दूसरा है मतलब हमारे देश में में अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा मैनेजमेंट कॉलेज है।

वैसे तो सिविल सर्विसेज की अपनी ही एक प्रतिष्ठा है अपना एक अलग ही आकर्षण है लेकिन दोनों ही सेक्टर्स को अपनाने वालों की संख्या कम नहीं है सिविल सर्विसेज और मैनेजमेंट जॉब में आखिर क्या ऐसी खास बातें हैं जिससे यह लोगो को अपनी और

आकर्षित करती हैं आइए जानते हैं दोनों में क्या अंतर है

सिविल सर्विस से देश के नीति निर्माण में सहयोग कर सकते है

सिविल सर्विसेज में केवल बढ़िया वेतन, जॉब सिक्योरिटी ही नहीं होती बल्कि देश के प्रशासन में शीर्ष पर पहुँचने का भी अवसर मिलता है और सामाजिक प्रतिष्ठा भी मिलती है।

सिविल सर्विसेज में आप अपने समाज अपने देश के लिए कुछ अच्छा कर सकते है। आये दिन आपको ऐसे सिविल ऑफिसर्स के बारें में सुनने को मिलता है जिन्होंने देश की भलाई के लिए बहुत से सुधार किये जैसे कि एक सिविल ऑफिसर के प्रयास से ही बंधुआ श्रम व्यवस्था (उन्मूलन) अधिनियम, 1976 जैसा कानून बना। हमारे देश से नक्सलवाद की समस्या को सुलझाने का प्रयास भी एक सिविल ऑफिसर के द्वारा ही किया गया इसी वजह से यह सेवा अभ्यर्थियों को काफी आकर्षित करती है।

मैनेजमेंट कोर्सेज बनाते हैं मल्टीस्किल्स का मालिक

हमारे देश में बहुत सारे इकोनॉमिक अप्स एंड डाउंस होने के बाद भी एम.बी.ए. एक पॉपुलर कोर्स है मैनेजमेंट कोर्सेज आपकी प्रेजेंटशन स्किल्स को बढ़ाते है। ह्यूमन रिसोर्सेज़ का सही से उपयोग करना सिखाते है। जॉब्स में एम.बी.ए. डिग्री-होल्डर को कई बार प्रेफरेंस दी जाती है।

सिविल सेवा से हर क्षेत्र में कार्य करने का मिलता है अनुभव

शायद ही ऐसी कोई फील्ड होगी जिसमे इतने ढेर सारे क्षेत्रों में कार्य करने का अवसर मिलता है सिविल ऑफिसर के रूप में आप एक साथ स्वास्थ्य, कृषि शिक्षा, प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों के विकास में योगदान कर सकते हैं जो किसी और सेक्टर की जॉब में सम्भव नहीं है।

मैनेजमेंट कोर्सेज से दुनिया के किसी हिस्से में बना सकते है कॅरियर

एम.बी.ए. करने के बाद आपको एक ग्लोबल एक्सपोजर मिलता है आप किसी भी देश में आसानी से जॉब पा सकते है अगर अपने किसी अच्छे मैनेजमेंट कॉलेज से अपना ग्रेजुएशन किया है तो आपको मल्टीनेशनल संस्थानों में मैनेजेरियल पोस्ट बहुत आसानी से मिल सकती है।

जहां एम.बी.ए. करने के बाद आपको हाई सैलरी, कॅरियर प्रोग्रेस, कॉर्पोरेट नेटवर्किंग के अवसर, क्राइसिस मैनेजमेंट करने के अवसर मिलते है तो वही सिविल सर्विसेज के माध्यम से आपको देश के नीति-निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने का मौका मिलता है, उच्च सामाजिक प्रतिष्ठा मिलती है, प्रशासन में शीर्ष पर पहुँचने के अवसर, देश को आगे बढ़ाने के अवसर मिलते है यही वजह है कि दूसरे क्षेत्रों में सफल लोग भी इस सेवा के प्रति आकर्षित होते हैं। कुल मिलाकर दोनों ही क्षेत्रों में टैलेंट और कड़ी मेहनत के दम पर ही आप अच्छा काम कर सकते है।

बच्चों की पढाई के लिए बनाएं उपयुक्त माहौल

बच्चे भारत का भविष्य हैं। भविष्य सुरक्षित करने के लिए हमे अपने बच्चों के नियमित दिनचर्या का ध्यान देना होगा , उनकी दिनचर्या में पढ़ाई के लिए उनका स्थान तथा समय निश्चित करना होगा। पढ़ाई करने से ही बच्चा शिक्षित बनेगा और समाज में अपनी पहचान बनाएगा। बच्चे को पढ़ाई करने के लिए सही माहौल और उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता होती हैं , जो एक माता-पिता ही अपने बच्चे को दे सकते हैं। बच्चे के जन्म और पालन - पोषण से अधिक उनकी शिक्षा - दीक्षा महत्वपूर्ण है।

जैसे-जैसे आपका बच्चा बड़ा होता है , लिखना पढ़ना शुरू करता है वैसे -वैसे आप को अपने परिवार का परिवेश शांतिपूर्ण बनाना होगा।

जिससे आप का बच्चा ठीक ढंग से अपने पढ़ाई कर सकें। शांतिपूर्ण माहौल में ही बच्चा कुछ सोच - समझ सकता है, पढ़ाई कर सकता है, अधयाय को याद कर सकता है। और अपने स्कूल में अच्छा कर सकता है। जैसे - जैसे आपका बच्चा बड़ा होता जाता हैं , उसे उचित माहौल की आवश्यकता होती हैं जिसमें वह मन लगाकर पढ़ सके। यह माहौल एक माता -पिता होने के नाते आपको ही देना है।

कुछ जरूरी बातें हैं , जिनपर आपको ध्यान देना होगाः

घर के सदस्यों का आपस में सहयोगात्मक रूख होना चाहिए जिससे बच्चे को अच्छा माहौल मिले।

परिवार के सदस्यों को आपस में वाद -विवाद नहीं करना चाहिए , खासकर माता-पिता को क्योकिं इसका असर बच्चे पर बहुत ख़राब पड़ता हैं।

परिवार के सदस्यों को बहुत अधिक व्यस्त नहीं होना चाहिए जिससे वह अपने बच्चे को समय ही न दे सकें। आज के अधिकतर माता - पिता नौकरी पेशा होती हैं ,जो अपने बच्चे को भरपूर समय नहीं दे पाते हैं , जिसका असर बच्चे पर ठीक नहीं पड़ता हैं।

कुछ माता - पिता बच्चे को बचपन से ही ट्यूशन पढ़वाने लगते हैं , जिससे बच्चे का लगाव माता - पिता के प्रति कम होने लगता हैं हो सकें तो अपने बच्चे को खुद से ही पढ़ाने बैठे।

अपने बच्चे को सही मार्गदर्शन दें , जिससे बच्चा यह समझ सकें कि किस समय उसे क्या करना हैं।

अपने बच्चे को सही टाईम- टेबल बना कर उसे पढने के लिए प्रेरित करे, जिससे पढने का माहौल बनेगा।

अपने बच्चे के अंदर पढने की रूचि पैदा करे , जिससे वह खुद पढने के लिए तैयार हो।

आप अपने बच्चे के अंदर कुर्सी - मेज़ पर बैठकर पढ़ने की आदत डाले, जिससे पढ़ाई का माहौल बनेगा।

रौशनी की अच्छी व्यवस्था करें, जिससे आपका बच्चा आसानी से पढ़ सके।

अपने बच्चे के अंदर यह आदत डाले की स्कूल से आने के तुरंत बाद यह खाना खाये और उसके बाद होमवर्क करने बैठ जाया करें।

किसी मेहमान के आने पर भी वह अपने समय पर पढ़ाई करने बैठ जाएं। घर में हर समय टी.वी. चलने से भी पढ़ाई का माहौल ख़राब होता है।

अपने बच्चे को मोबाईल से दूर रखे ,क्योकि एक बार इसकी आदत पड़ जाने पर पढ़ाई में मन लगना मुश्किल हो जाता है।

अपने बच्चे की पढ़ने की चीजे व्यवस्थित और रुचिकर तरीके से रखे। जैसे मेज पर किताब -कॉपी ,पेन- पेंसिल इत्यादि। इस तरह रखे की बच्चे का पढ़ने का मन करने लगे।

सिर्फ़ अंकों की होड़ या दिखावे के कारण बच्चों पर पढ़ाई का दबाव बनाना ठीक नहीं है

प्रतियोगिता के इस दौर में कई अभिभावकों के लिए उनके बच्चे का नामी-गिरामी स्कूल में प्रवेश पा लेना ही बड़ी सफलता होती है। फिर उसके बाद शुरू होता है अंकों की दौड़ का सफ़र।

विद्यालय में आयोजित शिक्षक-अभिभावक मीटिंग में मिले फीडबैक के आधार पर अभिभावक बच्चे के लिए होमवर्क, ट्यूशन और फिर रटंत विद्या पर ज़ोर देकर जैसे-तैसे स्कूल की अपेक्षाओं को पूरा करने में लग जाते हैं। कोई बच्चा किसी एक विषय में कमज़ोर हो सकता है तो दूसरे में अच्छा। ऐसे में अभिभावक उसके कमज़ोर विषय के लिए टयूशन लगवाकर भरपाई की कोशिश करने लगते हैं। सीखना कोई ऐसी चीज़ नहीं कि किसी एक विषय को सीखने लिए एक दवाई हो और दूसरे विषय के लिए दूसरी। अभिभावकों को बच्चे के बुनियादी ज्ञान को देखना होगा कि वह वास्तव में क्या जानता है? उसे नई अवधारणा सीखने में दिक़्क़त क्यों आ रही है? यदि नींव ही कमज़ोर होगी तो उस पर खड़ी इमारत जल्दी ही भरभराकर गिर जाएगी। सीखना समग्रता में होता है। शोध बताते हैं कि बच्चे के सीखने के लिए अनेक घटक काम करते हैं। इसलिए अभिभावकों को बच्चे को व्यक्तिगत रूप से समझना होगा।

बच्चे की क्षमताएं भी पहचानें

यह समझना ज़रूरी है कि प्रत्येक बच्चे की मानसिक क्षमता, विभिन्न विषयों की प्रकृति और बच्चे की रुचि के अनेक कारण होते हैं। कई बार तो शिक्षक के शिक्षण कार्य और व्यवहार के अच्छे होने से ही बच्चे को वह विषय अच्छा लगने लगता है। अभिभावकों को इस बात की चिंता छोड़ देनी चाहिए कि किसी का बच्चा गणित में अच्छा है तो उनका क्यों नहीं? शोध बताते हैं कि बच्चे के मस्तिष्क का एक भाग गणित और तार्किक चीज़ों को हल करने के लिए अधिक प्रभावी होता है तो दूसरा भाग कलाओं और कल्पना

वाली चीज़ों के लिए प्रभावी होता है। आज तो शिक्षा और रोज़गार में बहुत से नए आयाम खुले हैं। ऐसे में यह तो ज़रूरी नहीं कि सभी बच्चे डॉक्टर या इंजीनियर ही बनें। कोई बच्चा अच्छा खिलाड़ी बन सकता है, तो कोई अच्छा कलाकार। कोई बेहतर समाज के

लिए भी कार्य कर सकता है। इसलिए अपने बच्चों की अन्य बच्चों से तुलना करना या उनके होने जैसी अपेक्षा करना बेमानी है।

सीखने के लिए ज़रूरी है माहौल

किसी भी कार्य को सीखने के लिए एक सौहार्दपूर्ण वातावरण बहुत ज़रूरी है। अनेक शिक्षाविदों और बाल मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि दंड और भय किसी भी तरह सिखाने में बच्चों की मदद नहीं करते। जब बच्चों को किसी भी तरह का दंड दिया जाता है तो उनके शरीर से निकलने वाले कुछ हॉर्मोन्स मस्तिष्क में डर का संकेत भेजते हैं और ऐसा बार-बार होने पर उनके मस्तिष्क के सैकड़ों न्यूरॉन्स धीरे-धीरे नष्ट होने लगते हैं, जिससे बच्चे के मस्तिष्क में स्मृति के लिए ज़िम्मेदार तंत्रिकाएं एक समय के बाद काम करना बंद कर देती हैं। एक समय ऐसा आता है कि बच्चे सीखने से डरने लगते हैं। फिर चाहे पढ़ाई से संबंधित कुछ नया सीखना हो या कुछ रचनात्मक सीखने की बात हो। वे कुछ भी नया सीखने से सकुचाते हैं। एक स्वस्थ और सकारात्मक वातावरण ही बच्चे को सिखाने में मददगार होता है। इसलिए अब कई विद्यालय बच्चों के मूल्यांकन में बच्चे ने क्या सीखा है इसे प्रमुखता से रेखांकित कर रहे हैं।

विषयों के साथ समग्रता में काम हो

हम अपने जीवन को देखें तो पाएंगे कि वह विषयों की तरह बंटा हुआ नहीं है। इसलिए विषयों को एक साथ समेकित करके शिक्षण कार्य करवाने की बात ज़ोर देकर की जाने लगी है। विद्यालयों में प्रोजेक्ट कार्य इसका अच्छा उदाहरण है। किसी प्रोजेक्ट पर काम करते समय बच्चे जब उसके बारे में खोजबीन कर कर रहे होते हैं तब वे उसका इतिहास जान रहे होते हैं। जब आंकड़ों को जान रहे होते हैं तब वे गणित और विज्ञान विषय पर काम कर रहे होते हैं और जब वे लिख रहे होते हैं तब भाषा पर काम कर रहे होते हैं। यूं समग्रता में सीखना बच्चों को सीखने के प्रति आत्मनिर्भर बनाता है। स्वयं देखने, खोजने, विश्लेषण करने और निष्कर्ष तक पहुंचने के कौशलों का विकास करता है। इसके अलावा भ्रमण करना, बाल पत्रिकाएं पढ़ना, समाचार पत्र पढ़ना, थियेटर करना बच्चों को बहुत कुछ नया सिखाता है। अभिभावक जब सीखने का वातावरण व अवसर उपलब्ध करवाते हैं तो बच्चों की क्षमताएं भी बढ़ती हैं।

जीवन मूल्यों को अहमियत दें

बच्चे सीखें और आत्मनिर्भर हों लेकिन जीवन जीने के लिए मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता देना ज़रूरी है। हम आने वाली पीढ़ी को एक बेहतर नागरिक के रूप में आगे बढ़ते हुए देखना चाहते हैं। बच्चों में शिष्टाचार, प्रेम, संवेदनशीलता सभी कुछ होना ज़रूरी है और वे इन्हें अपनाना भी चाहते हैं, बशर्ते उन्हें सही तरीक़े से सिखाया जाए। साथ ही हमें भी यह विश्वास करना होगा कि प्रत्येक बच्चा जानना और सीखना चाहता है, वरना वह चलना भी नहीं सीख पाता और बोलना भी नहीं। हम अपने आसपास साइकल चलाना सीखते हुए बच्चों को देख सकते हैं। घड़ी में समय देखना और चीज़ों को गिनना सीखना भी देख सकते हैं। माता-पिता अगर संयम बरतें तो बच्चे अपने कमज़ोर विषय को भी प्रयासों द्वारा मज़बूत कर सकते हैं, लेकिन सिखाने की जल्दबाज़ी और होड़ उनकी सीखने की इच्छा को ही ख़त्म कर देती है। इसलिए बच्चों का साथ दें और उनकी नींव पक्की करने में मदद करें। किसी भी प्रकार की होड़ या दिखावे में बच्चों को न उलझाएं।

झुर्रियों को कम करना चाहते हैं तो खाएं ये चीजें

आजकल गलत जीवनशैली और खानपान की गलत आदतों के कारण अक्सर महिलाएं त्वचा से संबंधित समस्याओं का सामना करती हैं. इन्हीं समस्याओं में से एक है झुर्रियों की समस्या. महिलाओं को जब झुर्रियों की समस्या होती है तो उन्हें अत्यधिक शर्मिंदगी का सामना उठाना पड़ता है. ऐसे में बता दें कि कुछ चीजों के सेवन से इस समस्या को दूर किया जा सकता है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि किन चीजों के सेवन से झुर्रियों की समस्या से राहत मिल सकती है.

*महिलाओं को अपनी डाइट में पालक जोड़ना चाहिए. पालक के अंदर भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता है. इससे अलग पालक मैग्निशियम, beta-carotene आदि का भी मुख्य स्रोत है. ऐसे में जब आप पालक का सेवन करते हैं तो इससे ना केवल त्वचा टाइट रह सकती है बल्कि झुर्रियों की समस्या से भी राहत मिल सकती है.

*महिलाओं को अपनी डाइट में ब्रोकली को जोड़ना चाहिए. ब्रोकली के अंदर एंटी इन्फ्लेमेटरी और एंटी एजिंग गुण पाए जाते हैं. इसके अलावा ब्रोकली में फाइबर, कैल्शियम विटामिन सी भी मुख्य रूप से पाया जाता है. जो त्वचा में कसाव लाने के साथ-साथ झुर्रियों से भी राहत दिला सकता है.

*महिलाओं को ड्राई फ्रूट्स का भी सेवन करना चाहिए. ड्राई फ्रूट के अंदर ओमेगा 3 और विटामिन ई दोनों ही प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं जो न केवल स्किन के लिए बेहतर हो सकते हैं बल्कि फैटी एसिड होने के कारण त्वचा में कसाव भी ला सकते हैं.*महिलाओं को पपीते का सेवन करना चाहिए. पपीते के अंदर विटामिन ए, विटामिन के, विटामिन सी, विटामिन ई, कैल्शियम आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं जो न केवल त्वचा की फाइन लाइंस को कम कर सकते हैं बल्कि बढ़ती उम्र को रोकने में भी उपयोगी हैं.

*महिलाओं को रंग बिरंगी दालों का सेवन भी करना चाहिए. बता दें कि दालों के अंदर आयरन, पोटेशियम, फोलेट, मैग्नीशियम पाया जाता है जो न केवल स्किन प्रॉब्लम को दूर कर सकता है बल्कि एजिंग के लक्षणों को कम करने में भी उपयोगी है।

सरकारी नौकरियां

यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड में 239 पदों पर निकली भर्ती

परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत भारत सरकार के सार्वजनिक उपक्रम भारतीय यूरेनियम निगम में विभिन्न ट्रेड्स में अप्रेंटिस के पदों पर वैकेंसी निकली है। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने इन खाली पदों पर कैंडिडेट्स के आवेदन आमंत्रित किए हैं। कैंडिडेट्स यूसीआईएल की ऑफिशियल वेबसाइट ucil.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इन पदों के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 30 नवंबर 2022 है।

इस भर्ती प्रक्रिया के तहत कुल 239 पदों को भरा जाएगा। इन पदों में इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर (गैस और इलेक्ट्रिक), टर्नर/मशीनिस्ट, इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक और अन्य सहित विभिन्न ट्रेड्स में अप्रेंटिस के पदों को भर्ती होगी।

योग्यता : यूसीआईएल में अप्रेंटिस के पदों पर आवेदन करने वाले कैंडिडेट्स को किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से मैट्रिक पास होना चाहिए। इसके अलावा संबंधित ट्रेड में आईटीआई पास होना जरूरी है।

एज लिमिट : 18 से 25 साल। आवेदन कैसे करें? उम्मीदवार @ucil.gov.ing> पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

सीएसबीसी ने प्रोहिबिशन कॉन्स्टेबल के 689 पद खाली

सेंट्रल सिलेक्शन बोर्ड ऑफ कॉन्स्टेबल (सिपाही भर्ती) ने प्रोहिबिशन कॉन्स्टेबल के 689 पदों पर भर्ती के लिए अपनी ऑफिशियल वेबसाइट csbc.bih.nic.in पर एक भर्ती नोटिफिकेशन जारी किया है। इन पदों के लिए आवेदन www.csbc.bih.nic.in पर कर सकते हैं।

आवेदन की आखिरी तारीख – 14 दिसम्बर 2022

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन 10वीं, 12वीं पास।

भर्ती से संबंधित जरूरी डॉक्यूमेंट्स : योग्यता प्रमाण पत्र

आधार कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस पैन कार्ड जाति प्रमाण पत्र

निवास प्रमाण पत्र जन्म प्रमाण पत्र रोजगार कार्यालय का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट। उम्मीदवार सेंट्रल सिलेक्शन बोर्ड ऑफ कॉन्स्टेबल की ऑफिशियल वेबसाइट @csbc.bih.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर में 3209 पदों पर निकली भर्ती

स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर ने नर्सिंग ऑफिसर और फार्मासिस्ट के पदों को भरने के लिए आवेदन मांगे हैं। योग्य उम्मीदवार जो इन पदों के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे SIHFW की ऑफिशियल वेबसाइट sihfwrajasthan.com और rajswasthya.nic.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

पदों की संख्या : इस भर्ती प्रक्रिया के तहत कुल 3209 पदों को भरा जाएगा। इसमें 1289 नर्सिंग ऑफिसर के लिए हैं और 2020 फार्मासिस्ट के लिए हैं। आवेदन की आखिरी तारीख : 12 दिसंबर 2022

एज लिमिट : उम्मीदवारों की आयुसीमा 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

इंडियन आर्मी में बिना एग्जाम के 40 पदों पर होगी नियुक्ति

इंडियन आर्मी टेक्निकल एंट्री स्कीम 49th क्वेश्चन जुलाई 2023 का नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इसके लिए ऑनलाइन बोर्ड भी आवेदन मांगे गए हैं। कैंडिडेट्स 15 नवंबर से 14 दिसंबर 2022 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। टेक्निकल एंट्री स्कीम के तहत कोर्स–49 के लिए चयनित कैंडिडेट्स को चार साल का कोर्स पूरा करना होगा। इसके बाद सिलेक्टेड कैंडिडेट्स को लेफ्टिनेंट की रैंक पर परमानेंट कमीशन देकर नियुक्त किया जाएगा।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :टेक्निकल एंट्री स्कीम कोर्स के लिए साइंस से 12 वीं कक्षा पास केवल अविवाहित पुरुष कैंडिडेट्स ही आवेदन कर सकते हैं। स्टूडेंट्स को मान्यता प्राप्त बोर्ड/स्कूल से न्यूनतम 60 फीसदी अंकों के साथ फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स विषयों से 12वीं पास होना चाहिए।

एज लिमिट : 16.5 वर्ष से लेकर अधिकतम 19.5 वर्ष तक।

सिलेक्शन प्रोसेस :

रजिस्ट्रेशन के बाद आवेदकों को एक मेडिकल टेस्ट के लिए बुलाया जाएगा। उसके बाद एसएसबी इंटरव्यू देना होगा।

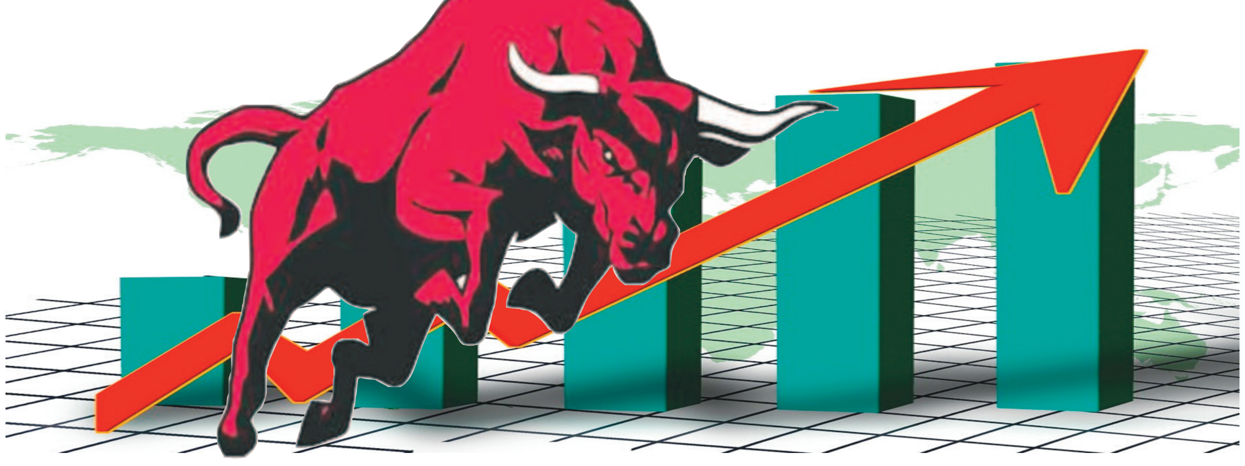

भारतीय इकोनॉमी के लिए गुड न्यूज, विदेशी निवेशकों ने नवंबर में जमकर किया निवेश

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का भारतीय शेयर बाजारों में आक्रामक लिवाली का सिलसिला जारी है. नवंबर में अब तक उन्होंने शेयरों में 30,385 करोड़ रुपये का निवेश किया है. भारतीय इकोनॉमी के लिए गुड न्यूज, विदेशी निवेशकों ने नवंबर में जमकर किया निवेशविदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का भारतीय शेयर बाजारों में आक्रामक लिवाली का सिलसिला जारी है.

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का भारतीय शेयर बाजारों में आक्रामक लिवाली का सिलसिला जारी है. नवंबर में अब तक उन्होंने शेयरों में 30,385 करोड़ रुपये का निवेश किया है. भारतीय रुपये के स्थिर होने और दुनिया की दूसरी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत होने की वजह से विदेशी निवेशक एक बार फिर भारत पर दांव लगा रहे हैं. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि आगे चलकर एफपीआई का रुख बहुत आक्रामक नहीं रहेगा, क्योंकि ऊंचे मूल्यांकन की वजह से वे अधिक लिवाली से बचेंगे. उन्होंने कहा कि इस समय चीन, दक्षिण कोरिया और ताइवान के बाजारों में मूल्यांकन काफी आकर्षक है और एफपीआई का पैसा उन बाजारों की ओर जा सकता है. डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, 1 से 18 नवंबर के दौरान एफपीआई ने शेयरों में शुद्ध रूप से 30,385 करोड़ रुपये डाले हैं. इससे पहले पिछले महीने यानी अक्टूबर में उन्होंने भारतीय बाजारों से शुद्ध रूप से आठ करोड़ रुपये निकाले थे. सितंबर में उन्होंने 7,624 करोड़ रुपये की निकासी की थी.

भारत के लिए सेब का निर्यात बढ़ाने की तैयारी में जापान

हिमाचल के बागवानों की परेशानी बढ़ी

शिमला, 20 नवंबर (एजेंसियां)। पहले से ही विदेशी सेब के आयात का विरोध कर रहे हिमाचल के बागवानों के लिए अब एक और मुसीबत खड़ी होने वाली है। जापान अब भारत के लिए सेब निर्यात बढ़ाने की तैयारी में है। जापान 24 नवंबर को जापान-भारत खाद्य और कृषि संगोष्ठी में इसकी पेशकश रखेगा। इस संगोष्ठी में हिमाचल प्रदेश के अधिकारी भी शामिल होंगे। हिमाचल प्रदेश के सेब बागवान पहले से ही विदेशी सेब के आयात का विरोध कर रहे हैं। वे विदेशी सेब पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। नई दिल्ली में जापान-भारत खाद्य और कृषि संगोष्ठी 24 नवंबर को होगी, जो सतत खाद्य आपूर्ति और कृषि निवेश पर केंद्रित होगी। इसमें भारत और जापान के उद्योगपतियों, शिक्षाविदों और नेताओं के बीच विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा होगी। जापान के कृषि, वानिकी और मत्स्य मंत्रालय का यह आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय की साझेदारी में होगा। भारत में जापान के दूतावास की ओर से इसे सह-प्रायोजित किया जा रहा है। जापान की शीर्ष व्यापार संवर्द्धन एजेंसी जेतरो भी इस आयोजन में सहयोग कर रही है।

जापान के दूतावास ने इस संबंध में यह जानकारी साझा की है कि इस संगोष्ठी का उद्देश्य मार्च में जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा की भारत यात्रा से जुड़ा हुआ है। इस दौरान पांच ट्रिलियन येन निवेश लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत में जापानी निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे जापानी सेब सहित जापान के अन्य कृषि उत्पादों और खाद्य पदार्थों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, जिनसे मार्च में आयात प्रतिबंध हटा लिया गया है।

हिमाचल पहले से ही कर रहा 100 फीसदी आयात शुल्क की मांग

हिमाचल प्रदेश पहले ही सेब पर 100 फीसदी आयात शुल्क लगाने की मांग कर रहा है।

वर्तमान में अमेरिका के सेब पर यह 70 फीसदी है, जबकि सार्क राष्ट्रों को छोड़कर अन्य देशों पर इसे 50 फीसदी लगाया गया है। सार्क देशों पर कोई शुल्क नहीं है। जापान से सेब आयात पर भी 50 फीसदी आयात शुल्क है। 70 फीसदी आयात शुल्क लगा होने के बावजूद अमेरिका बड़ी मात्रा में भारत की मंडियों के लिए सेब का आयात कर रहा है। इसका नुकसान हिमाचल प्रदेश के सेब बागवानों को होता है। इससे मंडियों में हिमाचली सेब की मांग कम होने पर रेट गिर जाते हैं। अब जापान से आने वाला सेब नई चुनौती होगा।

जेफ बेजोस ने लोगों को दी पैसे बचाने की सलाह तो मचा बवाल

जानिए कैसे घिर गए अमेज़न के बॉस?

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी ई कॉमर्स कंपनी अमेजन के संस्थापक जैफ बेजॉस ने कुछ दिन पहले ही एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा था कि लोगों को आर्थिक मंदी के खतरे के मद्देनजर पैसे बचाने पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया था कि वह इस समय टीवी, फ्रिज और कार जैसी बड़ी खरीदारी से परहेज करें और मुश्किल वक्त के लिए पैसे बचा कर रखें। जैफ बेजॉस का मानना है कि साल 2023 में अमेरिका समेत दुनिया के कई बड़ी अर्थव्यवस्था में मंदी का संकट देखने को मिल सकता है। इस वक्त नकदी बचे रहने की वजह से लोगों को काफी मदद मिल सकती है। अमेजन के जेफ बेजोस की इस सलाह पर बवाल मच गया है। दुनिया भर के कई एक्सपर्ट ने जैफ बेजोस की आलोचना की है।पिछले महीने भी जैफ बेजॉस ने अमेरिका के लोगों को सलाह दी थी कि आर्थिक मंदी के खतरे के मद्देनजर उन्हें आने वाले मुश्किल वक्त का मुकाबला करने के लिए तैयार रहना चाहिए। इसके बाद एक्सपर्ट का कहना है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मुख्य चालक के रूप में ऑटो इंडस्ट्री पहले ही 3 साल से सप्लाई चैन संबंधी दिक्कत से जूझ रही है। ऐसे में जैफ बेजोस की यह सलाह अर्थव्यवस्था के लिए घातक साबित

हो सकती है। कई एक्सपर्ट ने कहा है कि बेजोस ने कहा है कि लोगों को इस समय कार जैसी बड़ी खरीदारी से परहेज करना चाहिए। दिलचस्प तथ्य यह है कि अमेजन खुद ऑटो कैंपेन में स्पेशलाइजेशन रखती है और फॉक्सवैगन, टोयोटा, फोर्ड और निशान जैसी कंपनियां उसकी पार्टनर है। एक और एक्सपर्ट ने कहा कि जेफ ने अमेरिकी लोगों को पैसे बचाने की सलाह दी है क्योंकि बड़ी खरीदारी के मामले में कई ऐसे प्रोडक्ट है जो आप अभी अमेजन से नहीं खरीद सकते।कई एक्सपर्ट ने जैफ बेजोस के सलाह का ट्रांसलेशन किया है। उन्होंने कहा है कि जेफ बेजोस यह चाहते हैं कि आप अगर अमेजन से बड़े प्रोडक्ट नहीं खरीदते तो पैसे बचा कर रखें जिससे कि बाद में आप अमेजन से खरीदारी कर सकें। दिलचस्प तथ्य यह है कि आर्थिक मंदी के खतरे के बीच अमेजन अपने 10,000 से ज्यादा स्टाफ की छंटनी करने जा रही है।

बीते एक साल में 41% बढ़े डीमैट अकाउंट

अक्टूबर 2022 तक अकाउंट्स की संख्या 10 .4 करोड़ पर पहुंची, जो पिछले साल 7 .4 करोड़ थी

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। देश में शेयर बाजार में निवेश करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसी का नतीजा है कि अक्टूबर 2022 में डीमैट अकाउंट्स की संख्या बढ़कर 10.4 करोड़ हो गई। पिछले साल अक्टूबर तक डीमैट अकाउंट्स की संख्या 7.4 करोड़ थी। यानी बीते 1 साल में डीमैट अकाउंट्स की संख्या 41% बढ़ी है।

घट रही डीमैट अकाउंट खुलवाने की संख्या

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार अगस्त महीने से ही डीमैट अकाउंट में बढ़ोतरी की रफ्तार लगातार घट रही है। अगस्त में 26 लाख नए खाते जोड़े गए थे जो सितंबर में 20 लाख और अक्टूबर 2022 में महज 18 लाख रह गए। अक्टूबर, 2021 में 36 लाख डीमैट अकाउंट खुले थे।

एशिया की पहली और एकमात्र लिस्टेड डिपॉजिटरी सीडीएसएल के अनुसार फाइनेंशियल ईयर 2022-23 के जुलाई-सितंबर क्वार्टर में 48 लाख से ज्यादा नए डिमैट अकाउंट्स खोले गए।

बाजार में अस्थिरता के कारण डीमैट अकाउंट खुलवाने की रफ्तार हुई धीमी

आनंद राठी शेयर्स एवं स्टॉक ब्रोकर्स के सीईओ रूप भूतरा ने कहा कि नए डीमैट खातों में कमी आने का मुख्य कारण इस कैलेंडर ईयर में वैश्विक कारकों से बाजार में आई अस्थिरता तथा बाजारों का कमजोर प्रदर्शन रहा है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज में सीनियर ग्रुप वाइस प्रेसिडेंट (रिसर्च-बैंकिंग तथा बीमा, संस्थागत इक्विटी) नितिन अग्रवाल ने कहा कि रूस और यूक्रेन संघर्ष की वजह से बाजार में अस्थिरता बढ़ गई इसलिए जनवरी से नए जुड़ने वाले खातों की संख्या कम हुई है। वहीं अक्टूबर में नए अकाउंट्स खुलने की गति कम रहने का एक कारण यह भी है कि इस दौरान त्योहार होने से केवल 18 कामकाजी दिवस ही मिले जबकि सितंबर में वर्किंग डेज की संख्या 22 थी।

सरकार क्रिप्टो नीति लाने की तैयारी में

क्रिप्टो की तबाही से भारत अलर्ट, इस बजट में बड़ी घोषणा संभव

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा क्रिप्टो एक्सचेंज एफटीएक्स रातोंरात तबाह हो गया। इसकी 32 अरब डॉलर की पूंजी एकाएक शून्य हो गई। क्रिप्टो के खेल में पहले भी कई बार धोखा खा चुके भारतीय निवेशकों के लिए यह बड़ा झटका साबित हुआ है। एफटीएक्स में भी भारतीय निवेशकों का पैसा डूबा है। इससे भारत सरकार अलर्ट हो गई है।

सूत्रों की मानें तो क्रिप्टो के कारोबार को लेकर सरकार ठोस फैसला लेने का मन बना चुकी है। वह सभी पक्षों से राय ले रही है। एफटीएक्स जैसे ताजा घटनाक्रम के मद्देनजर हितधारकों से चर्चा चल रही है। अगले दो महीने में किसी नतीजे पर पहुंचकर फरवरी के आम बजट में सरकार अपना रुख साफ कर देगी।

क्रिप्टो पर सख्ती कम नहीं होगी, सरकार और शिकंजा कसेगी

भारतीय रिजर्व बैंक क्रिप्टो को लेकर कठोर रुख लेता रहा है। सरकार भी डिजिटल एसेट्स पर टैक्स लगाकर किसी भी आय को टैक्स से अलग न रखने की प्रतिबद्धता दिखा चुकी है। ऐसे में सरकार देश के हितों और अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के रुख का मिलान कर क्रिप्टो नीति तैयार करेगी।

भारत को 2023 के लिए जी-20 की अध्यक्षता मिली है। ऐसे में दुनिया की 75% जीडीपी वाले इस समूह के दिशा-निर्देशों का पालन करना भारत के लिए नैतिक विवशता बनता जा रहा है। इसके 3 रास्ते खुले हैः

भारत दुनियाभर में क्रिप्टो पर पाबंदी का एजेंडा पेश करे, जिसे बजट व जी-20 के मंच से स्पष्ट आवाज दी जाए।

क्रिप्टो को लेकर भारत ऐसा रेगुलेटरी फ्रेमवर्क पेश करे, जो दुनिया के लिए मिसाल बने।

क्रिप्टो अवैध बनी रहे। आय पर टैक्स लगाने समेत ऐसे कदम उठाए कि कारोबार नामुमकिन हो जाए।

भारत से काम नहीं करेगी बाइनेंस, कहा- क्रिप्टो फ्रेंडली माहौल नहीं

दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज बाइनेंस के सीईओ चांगपेंग झाओ ने कहा है कि भारत में क्रिप्टो-फ्रेंडली माहौल नहीं है। अधिक टैक्स के कारण वैश्विक खिलाड़ी के लिए भारत आना संभव नहीं। हर ट्रांजेक्शन पर 1% टैक्स है। एक दिन में 50 ट्रेड करते हैं, तो 70% पैसा खो देंगे।

एक साल में कई करंसी धराशायी हो चुकी, क्रिप्टो का साम्राज्य ढहने की तैयारी

एक साल पहले क्रिप्टो 243 लाख करोड़ रु. की इंडस्ट्री थी। तबसे कई क्रिप्टो करंसी धराशायी हो चुकी हैं। क्रिप्टो को रेगुलेट किया भी जाता है, तो निवेशकों को पैसे की गारंटी देना संभव नहीं होगा। एफटीएक्स घोटाले के बाद निवेशकों का भरोसा खत्म होने लगा है। ऐसे में क्रिप्टो का साम्राज्य ढह सकता है।

मुकेश अंबानी को एक हफ्ते में हुआ 22,866 करोड़ रुपये का नुकसान

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। सेंसेक्स की टॉप 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते हफ्ते 42,173.42 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है. सबसे ज्यादा फायदे में आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज रहीं हैं. मुकेश अंबानी को एक हफ्ते में हुआ 22,866 करोड़ रुपये का नुकसान, देखें दूसरी कंपनियों का क्या रहा हालरिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 22,866.5 करोड़ रुपये घटकर 17,57,339.72 करोड़ रुपये रह गई. सेंसेक्स की टॉप 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते हफ्ते 42,173.42 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है. सबसे ज्यादा फायदे में आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज रहीं हैं. समीक्षाधीन हफ्ते में रिलायंस इंडस्ट्रीज और हिंदुस्तान यूनिलीवर को छोड़कर बाकी आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई है. इनमें एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी शामिल हैं. बीते हफ्ते बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 131.56 अंक या 0.21 फीसदी के नुकसान में रहा.

किन कंपनियों को हुआ फायदा?

हफ्ते के दौरान आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 9,706.86 करोड़ रुपये बढ़कर 6,41,898.91 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है. इन्फोसिस के बाजार मूल्यांकन में 9,614.89 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 6,70,264.99 करोड़ रुपये रहा. वहीं, टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 9,403.76 करोड़ रुपये बढ़कर 12,22,781.79 करोड़ रुपये पर पहुंच गया.

भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 5,869.21 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 4,65,642.49 करोड़ रुपये और एचडीएफसी की 3,415.33 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 4,85,234.16 करोड़ रुपये रही है. एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 1,508.95 करोड़ रुपये बढ़कर 8,99,489.20 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. जबकि, एसबीआई का मूल्यांकन 1,383.32 करोड़ रुपये की

बढ़ोतरी के साथ 5,37,841.73 करोड़ रुपये रहा है. अडाणी एंटरप्राइजेज का बाजार पूंजीकरण 1,271.1 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 4,58,263.35 करोड़ रुपये रहा है.

इन कंपनियों को हुआ घाटा

इस रुख के उलट रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 22,866.5 करोड़ रुपये घटकर 17,57,339.72 करोड़ रुपये रह गई. हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 4,757.92 करोड़ रुपये घटकर 5,83,462.25 करोड़ रुपये रह गया.

टॉप 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही. उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एसबीआई, एचडीएफसी, भारती एयरटेल और अडाणी एंटरप्राइजेज का स्थान रहा है.

इसके अलावा आपको बता दें कि स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस हफ्ते वैश्विक रुख और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के प्रवाह से तय होगी. विश्लेषकों ने यह राय जताते हुए कहा कि इस हफ्ते घरेलू मोर्चे पर कोई बड़ा आंकड़ा नहीं आना है. उन्होंने कहा कि इसके अलावा मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से भी बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है. मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि इस हफ्ते फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा जारी होगा, जिससे बाजार को आगे के लिए संकेतक मिलेंगे.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

९	सूर्य ८	केतु ७	
शनि १०	बुध	शुक्र	चंद्र ६
११			५
गुरु १२	मंगल २	३	४
राहु १			

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृश्चिक में	वृश्चिक.	06-10 बजे
चंद्र-	कन्या में	धनु---	08-21 बजे
मंगल	वृष में	मकर-	10-26 बजे
बुध-	वृश्चिक में	कुंभ -	12-17 बजे
गुरु-	मीन में	मीन...	13-55 बजे
शुक्र-	वृश्चिक में	मेष--	15-31 बजे
शनि-	मकर में	वृष--	17-16 बजे
राहु-	मेष में	मिथुन..	19-17 बजे
केतु-	तुला में	कर्क...	21-28 बजे
		सिंह....	23-41 बजे
		कन्या..	01-51 बजे
		तुला	03-57 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् -**1944**, कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् -**5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् -**1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् -**2549**,हिजरी सन् -**1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- पूर्व -कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी - **10 -07** तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष , सोमवार **Nov 21**
नक्षत्र - चित्रा - **00 - 13** - तक उपरान्त स्वाति
योग - आयुष्मान -**21 - 05** - तक उप- सौभाग्य
करण- तैतिल - **10 - 07** - तक उप- गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सोमवार प्रदोष व्रत

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:49 से 09:14 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06:27 - 07:49	शुभ	चंचल.	17:38 - 19:14	शुभ
काल	07:49 - 09:14	अशुभ	रोग.	19:14 - 20:50	अशुभ
शुभ	09:14 - 10:38	शुभ	काल.	20:50 - 22:26	अशुभ
रोग	10:38 - 12:02	अशुभ	लाभ.	22:26 - 00:02	शुभ
उत्पात	12:02 - 13:26	अशुभ	उत्पात	00:02 - 01:38	अशुभ
चंचल	13:26 - 14:50	शुभ	शुभ	01:38 - 03:14	शुभ
लाभ	14:50 - 16:14	शुभ	अमृत	03:14 - 04:50	शुभ
अमृत	16:14 - 17:35	शुभ	चंचल	04:50 - 06:27	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं।आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें।आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे। आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा।लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं। आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) आज का दिन भावनात्मक रहेगा।आपको अपने अंतरतम की भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति भी आ सकती है आप को इससे थोडा सा डर रहेगा क्योंकि आपने इससे पहले ऐसा कभी नही किया है।लेकिन अगर आप ऐसा करेंगे तो आपको भावनात्मक संतुष्टि मिलेगी।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं।लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे। रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों।आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है।आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैंऔर इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है।आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) दूसरों के विश्वास का सम्मान करें और नम्र बने रहें।आप सफलता हासिल करने की राह पर बढ़ रहे हैं लेकिन हमेशा अंतिम समय पर सावधानी नही रखते।जीवन अप्रत्याशित होता ही है,इसीलिए इन परेशानियों की अधिक चिंता ना करें। जीवन के पथ पर उत्साह और जोश से आगे बढ़ते रहें।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी। आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे,वह आज फलीभूत होगी। सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं।आपको अच्छा लगेगा।आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा।आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) आपके सामने नए अवसर प्रस्तुत होने वाले हैं।आप आज तक अपनी जिस प्रतिभा को केवल हॉबी मानते आये थे,उससे अपनी आजीविका कमा सकते हैं।जीवन के हर क्षेत्र में नए बदलाव होंगे जो आपके जीवन को पूरी तरह बदलकर रख देंगे।आप अपने जीवन से संतुष्ट अनुभव करेंगे।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है परन्तु आपको अपने निवेश को लेकर सतर्क रहना होगा। आज के दिन अगर आप वाहन, दवाई या सौन्दर्य प्रसाधन उद्योग में निवेश करेंगे तो वो काफी फायदेमंद साबित होगा। ये बहुत जरुरी है की आप अपने निवेश को दोबारा परखे।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) अपने हाल फिलहाल इसलिए धन खोया क्यों की आपने अविवेकपूर्ण तरीके से जल्दी पैसे देने वाली मृगतृष्णाओ वाली परियोजनाओं में पैसे लगाया।इस तरह की और परियोजनाओं आपके समक्ष आएगी लेकिन आपको अपने विवेक का इस्तेमाल करना है अन्यथा आप वित्तीय परेशानी में फँस सकते है।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) आज सावधान रहें।आपके प्रतिद्वंदी आपके खिलाफ योजनाये बनाकर आपको नुक्सान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन आप आसानी से उनपर जीत हासिल कर पायेंगे,मजेदार तो यह है कि खुद उन्हें भी आपकी उपलब्धि के लिए आपकी तारीफ करनी होगी।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है।आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं।अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

21 महीने बाद ट्विटर पर ट्रंप

मस्क ने जनता की राय पर अकाउंट बहाल किया

वॉशिंगटन, 20 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ट्विटर पर वापसी हो गई है। ट्विटर के नए बॉस एलन मस्क ने ट्रंप के अकाउंट को बहाल करने पर एक ट्विटर पोल पोस्ट किया था। उन्होंने पूछा था, क्या प्रेसिडेंट ट्रंप का अकाउंट बहाल किया जाना चाहिए। हां या ना। 1.5 करोड़ से ज्यादा यूजर्स ने वोटिंग में हिस्सा लिया और 52% लोगों ने हां में जवाब दिया और 48% ने ना में। पोल खत्म होने के बाद ट्विटर बॉस ने लिखाः 'वोक्स पोपुली, वोक्स देई' - एक लैटिन फ्रेज जिसका अर्थ है 'लोगों की आवाज भगवान की आवाज है'।

6 जनवरी, 2021 के बाद जब ट्रंप का अकाउंट सस्पेंड किया गया था तब उनके 88 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर थे। रविवार सुबह करीब 06.30 बजे 21 महीने बाद अकाउंट फिर एक्टिव किया गया है। अकाउंट बहाली के 50 मिनट के भीतर ही ट्रंप के 10 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हो गए। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि पूर्व राष्ट्रपति दोबारा ट्विटर पर एक्टिव होंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि बीते दिनों उन्होंने कहा था कि उनका ट्विटर पर आने का कोई प्लान नहीं है और उन्होंने अपना खुद का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल भी बना लिया है।

थाली में सजाकर भारत ने चीन को कैसे दे दिया नेपाल? वो गलती जिसे शी जिनपिंग ने दोनों हाथों से भुनाया!

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और नेपाल के बीच सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंध रहे हैं और साल 2005 से पहले तक नेपाल के तमाम राजनीतिक फैसले भारत किया करता था, जबकि चीन दूर खड़ा बस देखता रहता था। लेकिन, साल 2005 में भारत की कांग्रेस सरकार के दौरान नेपाल को लेकर कुछ फैसले लिए गये और वो ऐसे फैसले थे, जिन्होंने भारत-नेपाल संबंध को हमेशा के लिए बदलकर रख दिया। इतना ही नहीं, भारत सरकार की तरफ से जो फैसले लिए गये, वो एक तरह से ऐसा था, मानो भारत ने थाली में सजाकर नेपाल को चीन के हवाले कर दिया हो और अब चीन तेजी के साथ नेपाल पर 'कब्जा' करता जा रहा है, जबकि भारत अपनी पुरानी जमीन तलाशने के लिए हाथ-पैर मार रहा है। ऐसे में आईये जानते हैं, कि भारत ने क्या गलतियां कीं और नेपाल को चीन अपने लिए क्यों जरूरी मानता है?

नेपाल को चीन क्यों मानता है जरूरी?

चीन के दक्षिण एशिया में अपना वर्चस्व स्थापित करने के प्लान में नेपाल सबसे अव्वल स्थान पर है, लिहाजा चीन की कोशिश नेपाल की राजनीतिक को नियंत्रित करने की रही है, और नेपाल में इस बार होने वाला चुनाव या तो बीजिंग की नेपाल पॉलिसी को हमेशा के लिए खत्म कर सकता है, या फिर नेपाल उसके लिए रणनीतिक अड्डा बन सकता है। शी जिनपिंग भी लगातार तीसरी बार राष्ट्रपति बन चुके हैं, लिहाजा अपने तीसरे कार्यक्रम में पूरी आशंका है, कि वो आक्रामक विदेश नीति के तहत आगे बढ़ेंगे, तो फिर भारत को ध्यान में रखते हुए चीन चाहेगा, कि वो इसी लोकसभा चुनाव परिणाम को नियंत्रित कर ले। हालांकि, चीन के लिए फिलाहाल ये काम थोड़ा मुश्किल है, क्योंकि नेपाल की दोनों कम्युनिस्ट पार्टियां एक दूसरे खिलाफ चुनावी मैदान मे हैं और नेपाल में सत्ताधारी कांग्रेस गठबंधन भारत के करीब है। लेकिन, नेपाल चुनाव प्रचार के दौरान भारत के खिलाफ आक्रामक बयानबाजी की गई है और चीन समर्थित 'नेताओं' ने जनता को काफी बर्गलाया है, लिहाजा भारत के लिए भी मुश्किलें कम नहीं हैं।

नेपाली वामपंथ को चीन का समर्थन

नेपाल की राजनीति में वामपंथी और साम्यवादी विचारधाराएं 20वीं शताब्दी के मध्य से ही मौजूद हैं और इन विचारधाराओं ने अपनी पैठ भी बनाई है। नेपाल में कम्युनिस्ट आंदोलन के लिए सहानुभूति 1990 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरुआत तक तेजी से जारी रही, जिसकी वजह से नेपाल में बड़े पैमाने पर माओवादी विद्रोह हुए और उसे तेजी से समर्थन भी मिलता रहा, जिसकी वजह से नेपाल में राजशाही का अंत हुआ और आखिरकार राजा ज्ञानेंद्र शाह के शासन का अंत हो गया। लेकिन, वामपंथी पार्टियों ने सत्ता में आने के बाद चीन के साथ अपने संबंधों को विस्तार देने

के अलावा देश के विकास के लिए कोई काम नहीं किया। पिछले आम चुनाव में चीन के कहने पर ही दोनों कम्युनिस्ट पार्टियां एक साथ आईं थीं, लिहाजा नेपाल में चीन के प्रभाव को काफी आसानी से समझा जा सकता है। वहीं, इस बार भी सितंबर महीने में चीन कम्युनिस्ट पार्टी कांग्रेस से पहले चीन के बड़े अधिकारी ने नेपाल के तमाम प्रमुख नेताओं से बात की है, जिसका प्रभाव देखा जाना बाकी है।

चीन कैसे कर रहा नेपाल में हस्तक्षेप?

नेपाल की सत्ता पूरी तरह से कम्युनिस्ट पार्टियों के हाथ में आ जाए और दूसरी पार्टियों का राजनीतिक वजूद ही मिट जाए, इसके लिए चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने नेपाल में एक संयुक्त वामपंथी पार्टी के गठन के लिए जोर दिया है, और इसके लिए चीन की तरफ से वामपंथी पार्टियों को कई तरह के लालच भी दिए गये, नेपाल को चीन का पूरा समर्थन देने का वादा भी किया गया। एशिया-पैसिफिक फाउंडेशन के सीनियर रिसर्च फेलो मार्कस एंड्रियोपोलोस ने फॉरेन पॉलिसी में लिखे अपने लेख में लिखा है कि, चीन की कोशिश नेपाल में भी चीन की तरह ही शासन का निर्माण करना है, ताकि नेपाल में भी सिर्फ एक कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार बनी रहे, बाकि पार्टियां खत्म हो जाएं और नेपाल के सारे संस्थान कम्युनिस्ट पार्टी के अधीन आ जाएं।

वहीं, चीन की कोशिश नेपाल के फ्री प्रेस को खत्म करने की है, ताकि चायनीज कम्युनिस्ट पार्टी की मशीनरी नेपाल को चीन के हितों की सेवा करने वाला एक संगठन बना दे। हालांकि, नेपाल की प्रमुख वामपंथी विचारधारा ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के लिए अपने दिल के दरवाजे तो खोल रखे हैं, लेकिन इसके राजनयिक गठबंधन दलों के बीच जारी विभाजन भी हैरान करने वाला है। लिहाजा, वामपंथी पार्टियां एकजुट नहीं हो पाती हैं और चीन को अभी तक वो सफलता नहीं मिली है, जिसे वो चाहता है।

भारत की वो ऐतिहासिक गलती

भारत, जो 2005 तक नेपाल की आंतरिक राजनीति में एक निर्णायक भूमिका निभाता था, उसने उस मावोवादी संगठनों का साथ देना शुरू कर दिया, जिसपर खुद भारत में बैन लगा हुआ था। भारत का ये फैसला हैरान करने वाला था। इसके साथ ही भारत ने नेपाल में उस राजशाही के खिलाफ भूमिका निभाई, जो राजशाही भारत का मजबूती से समर्थन करती थी, और जिसके जरिए भारत नेपाल की राजनीति को नियंत्रित करता था। लेकिन, भारत ने 2005 के बाद से नेपाल के माओवादियों का साथ दिया, जिसने नेपाल की राजशाही को खत्म कर दिया और इसके साथ ही नेपाल की राजनीति से भारत पूरी तरह से बाहर हो गया।

जिस कम्युनिस्टों का साथ भारत ने दिया, उन्होंने चीन से हाथ मिला लिए। अब आलम ये है, कि नई दिल्ली के पास नेपाल में अब एक भी विश्वसनीय संस्थागत सहयोगी नहीं है और चीन ने इसका जबरदस्त तरीके से फायदा उठाया है। ओली ने जीत हासिल करने पर उत्तराखंड में कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा को नेपाल के नियंत्रण में लाने का वादा किया है। हो सकता है कि ओली का नया कार्यकाल उनके पहले के दो कार्यकालों से अलग न हो, जिसमें भारत और नेपाल के बीच संबंधों में गिरावट देखी गई। साल 2015 में संविधान बदलने के बाद भारत ने नेपाल की आर्थिक मदद करनी कम कर दी। वहीं, साल 2018 में क्षेत्रीय विवाद छिड़ गया, जिसका फायदा भी चीन ने उठाया है।

भारत की गलती का चीन ने उठाया फायदा!

भारत ने जैसे ही नेपाल में साल 2005 में मौका गंवाया, चीन ने अपने हिस्से आए मौके को दोनों हाथों से भुनाना शुरू किया। साल 2006 के बाद से चीन ने नेपाल में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने की दिशा में काम किया है और कई क्षेत्रों में अपने निवेश को बढ़ाया है। चीन ने काठमांडू में अपने अनुकूल शासन लाने की कोशिश की और पिछली बार चीन की कोशिशों के बाद भी दोनों बड़ी कम्युनिस्ट पार्टियों ने 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट हासिल कर दो तिहाई बहुमत के साथ सरकार का गठन किया। वो बात अलग है, कि बाद में दोनों कम्युनिस्ट पार्टियां अलग-अलग हो गईं और सरकार गिर गई। लेकिन, जैसे ही भारत के साथ तनाव बढ़ा, केपी शर्मा ओली की सरकार ने साल 2016 में चीन के साथ एक ट्रेड और ट्रांजिट ट्रिटी पर हस्ताक्षर कर लिए। इसके साथ ही, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अक्टूबर 2019 में नेपाल का दौरा किया और इस साल भी सितंबर 2022 में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की राष्ट्रीय कांग्रेस से पहले चीन नेशनल असेंबली के प्रमुख ली झांशु ने नेपाल के कम्युनिस्ट नेताओं प्रचंड और ओली के साथ दूसरे बड़े नेताओं के साथ बातचीत की थी, जो नेपाल में चीन के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

चीन के साथ अब कैसे हैं नेपाल के संबंध?

निश्चित तौर पर नेपाल के अपने पाले में आने से चीन को जियो-पॉलिटिक्स में काफी फायदा पहुंचेगा और भारत पर वो काफी प्रेशर बना सकता है। वहीं, नेपाल और चीन के बीच गहरे संबंधों ने पहले ही संयुक्त राष्ट्र में एकजुटता का एक मजबूत प्रदर्शन किया है, जब साल 2021 में चीन के शिनजियांग, स्वायत्त क्षेत्र तिब्बत और हांगकांग में चीन के नीति का नेपाल ने खुला समर्थन कर दिया था, जो भारत के लिए परेशान करने वाला था। एंड्रियोपोलोस ने कहा कि, अगर नेपाल में चीन की मनपसंद कम्युनिस्ट सरकार का गठन हो जाता है, तो फिर तिब्बत के स्वतंत्र होने की सारी उम्मीदें हमेशा के लिए खत्म हो जाएंगी। साल 2019 में नेपाल ने ताइवान पर चीन का साफ समर्थन कर दिया था, लेकिन उस वक्त नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली थे, जो चीन के सबसे बड़े समर्थकों में से एक हैं और जिनके फिर से चुनाव जीतने की संभावना जताई जा रही है।

इमरान खान ने फिर की भारत की तारीफ

कहा- इंडिया की विदेश नीति पर किसी का दबाव नहीं

इस्लामाबाद, 20 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक बार फिर भारत की तारीफ की है। अपनी पार्टी के लॉन्ग मार्च को वीडियो लिंक के माध्यम से संबोधित करते हुए इमरान ने कहा कि पाकिस्तान और भारत एक साथ आजाद हुए थे लेकिन दोनों की विदेश नीति में बड़ा अंतर है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी प्रमुख इमरान खान ने कहा, भारत की विदेश नीति स्वतंत्र है और उस पर किसी का दवाब नहीं है। हमें भारत से सीखने की जरूरत है। भारत क्वाड समूह में अमेरिका के साथ है, साथ ही रूस से सस्ती दरों में तेल भी खरीद रहा है। पाक मीडिया के मुताबिक, इमरान ने कहा कि राष्ट्रीय फैसले राष्ट्र की ओर से लिए जाने चाहिए और देश को

महाशक्तियों का गुलाम नहीं बनना चाहिए। जियो न्यूज के मुताबिक, इमरान ने कहा कि पाकिस्तान इसलिए नहीं बना था कि उसके लोग दूसरों से मदद मांगें।

इमरान ने कहा कि उनकी पार्टी पीटीआई एक आजाद मुल्क चाहती है। अफसोस के साथ उन्हें बार-बार भारत का उदाहरण देना पड़ता है। भारत का गठन पाकिस्तान के साथ हुआ था, जिसकी विदेश नीति से उदाहरण लिया जा सकता है।

अमेरिकी विदेश मंत्री का भारत के प्रति रुख

अमेरिका वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने पिछले हफ्ते कहा था कि भारत जितना चाहे रूस से तेल खरीद सकता है लेकिन उसकी खरीदारी जी-7 देशों की ओर से लगाए गए कैप सीमा से ऊपर होनी चाहिए। इससे पहले इमरान खान ने अक्टूबर में भारत की विदेश नीति की तारीफ की थी। इमरान ने कहा था कि भारत अपनी मर्जी से रूस से तेल आयात करने में सक्षम है जबकि पाकिस्तान पश्चिमी देशों का गुलाम है क्योंकि यह अपने लोगों की भलाई लिए निर्भीक फैसले लेने में असमर्थ है।

पानीपत में फौजी के घर चोरी का मामला:वारदात ट्रेस न होने से आहत परिवार

पानीपत, 20 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत शहर के हरिनगर में एक फौजी के घर में 30 अक्टूबर को हुई चोरी का मामला अभी तक सुलझा नहीं है। ऐसे में सीमा पर देश की सुरक्षा कर रहे फौजी घर वापिस लौट गया। मामले में 20 से ज्यादा बार वह संबंधित थाना पुलिस, उच्च अधिकारियों से मिल लिया। मगर, न ही चोर गिरफ्तार हुए और न ही उसका सामान मिला है। इससे आहत फौजी ने एक बड़ा फैसला लिया है। फौजी ने कहा है कि अब वह ड्यूटी पर वापिस नहीं लौटेगा। फौजी ने कहा कि वारदात के बाद से उसकी पत्नी और बच्चे सहमे हुए हैं। परिवारजनों को डर है कि फौजी की गैर मौजूदगी में वे सुरक्षित नहीं है। इसलिए, चोर पकड़े जाने तक वह ड्यूटी ज्वाइंन नहीं करेगा। इस बारे में उसने अधिकारियों को भी बता दिया है।

पहली ऑनलाइन लोक अदालत

निपटाए जाएंगे 1.04 लाख मामले

शिमला, 20 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने पहली ऑनलाइन लोक अदालत में 1.04 लाख मामले निपटाने का लक्ष्य रखा है। प्राधिकरण ने इसके लिए सभी अदालतों में तैयारी पूरी कर ली है। सभी न्यायालयों में 27 नवंबर को इस ऑनलाइन लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। प्राधिकरण के सचिव प्रेम पाल रांटा ने बताया कि वाहन चालान और छोटे अपराधों को इस बार संबंधित आरोपी घर से ही निपटा सकेंगे। इसके लिए अभी तक 1,04,655 लोगों को एसएमएस के जरिये नोटिस भेज दिया गया है। ऑनलाइन लोक अदालत की सुविधा से लोगों को अदालत के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। संबंधित अदालत की ई-कोर्ट वेबसाइट में ई-पेमेंट के नाम से लिंक दिया गया है। इस अपराध के लिए जुर्माने की राशि भी दर्शाई जाएगी, जिसका वे ऑनलाइन ही भुगतान कर सकेंगे। इसके लिए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने सामा ऑनलाइन एजेंसी से समन्वय किया है। जिन लोगों को पंजीकृत मोबाइल नंबर पर अगर नोटिस नहीं पहुंचता है, वे संबंधित अदालत में जाकर अपना चालान भुगत सकते हैं या हेल्पलाइन नंबर 15100 पर अपनी शिकायत और जानकारी बढ़ा सकते हैं। राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जन जागरूकता के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। रेडियो पर जिंगल के जरिये लोगों को जागरूक किया जा रहा है। सभी से राष्ट्रीय लोक अदालत में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की जा रही है।

जो बाइडन की पोती नाओमी बाइडन की हुई शादी

व्हाइट हाउस के इतिहास में यह 19वीं मैरिज

वाशिंगटन, 20 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की पोती नाओमी बाइडन ने अपने ब्यॉयफ्रेंड पीटर नील के साथ शादी रचाई। 28 वर्षीय नाओमी पेशे से एक वकील हैं जबकि उलके पति पीटर नील राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जार्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर में काम कर रहे हैं। इस शादी से मीडिया को पूरी तरह से दूर रखा गया। यह एक सामान्य शादी समारोह था। नाओमी के पिता हंटर बाइडन और मां कैथलीन बाइडन है। कैथलीन हंटर बाइडन की पहली पत्नी हैं।

व्हाइट हाउस के इतिहास में यह 19वीं शादी

नाओमी की शादी व्हाइट हाउस के इतिहास में 19वीं शादी थी। यहां पहली बार शादी 1812 में हुई थी। उस समय तत्कालीन प्रथम महिला डाली मैडिसन की बहन ने सुप्रीम कोर्ट के एसोसिएट जज से शादी रचाई थी। व्हाइट हाउस के 200 से अधिक सालों के इतिहास में यह 19वीं शादी थी। व्हाइट हाउस में अब तक 18 शादियां हो चुकी थी यह 19वीं थी। इसमें रिचर्ड निक्सन की बेटी ट्रिशिया की शादी 1971 में हुई थी वहीं लिंडन

जॉनसन की बेटी लिंडा की शादी 1967 में हुई थी।

व्हाइट हाउस की परंपरा को भी निभाया

राष्ट्रपति की पत्नी जिल बाइडन की संचार निदेशक, एलिजाबेथ अलेक्जेंडर, कहा कि इस शादी की गतिविधियों पर हुए खर्चा का भुगतान बाइडन परिवार करेगा। व्हाइट हाउस में होने वाली शादियों की यही परपंरा रही है।

ऐसे हुई थी दोनो की मुलाकात

28 वर्षीय नाओमी बाउडन की मुलाकात चार साल पहले 25 वर्षीय पीटर नील के साथ एक दोस्त के जरिए न्यूयॉर्क में हुई थी। यह कपल उसी वक्त से एक दूसरे को डेट कर रहे थे। जिसके बाद अब ये दोनो शादी के बंधन में बंध गए।

व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में हुई शादी

नाओमी की शादी की एक खास बात यह है कि ऐसा पहली बार होगा जब व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में शादी का आयोजन किया जाएगा। व्हाइट हाउस के मैनेजमेंट के अनुसार अब तक किसी भी मौजूदा राष्ट्रपति की पोती की यह व्हाइट हाउस में पहली शादी होगी जो इस लोकेशन पर आयोजित की जाएगी।

इराक में 10 महीने बाद आतंकी हमला:4 सैनिकों की मौत

बगदाद, 20 नवंबर (एजेंसियां)। इराक के किरकुक में आतंकी हमले हुआ। इसमें सेना के चार जवान शहीद हो गए। इस्लामिक स्टेट (आईएस) के आतंकियों ने ये हमला किया। आतंकियों ने किरकुक शहर के पास स्थित चेकपॉइंट को निशाना बनाय। इतना ही नहीं आतंकी हमले के बाद सेना के हथियार और कम्युनिकेशन इक्विपमेंट्स भी ले गए। 10 महीने पहले यानी जनवरी में इसी तरह का हमला किया गया था। तब आईएस के आतंकियों ने कूबा शहर के अल-अजीम जिले के बैरक को निशाना बनाया था। यहां सैनिक सो रहे थे। तभी आतंकियों ने ताबड़-तोड़ गोलियां बरसा दी। इस दौरान एक गार्ड और 11 सैनिकों की मौत हो गई थी। इराक की सरकार ने 2017 में दावा किया था कि उसने आईएसआईएस को हरा दिया है। सरकार का कहना था कि आईएस के पास स्लीपर सेल हैं, जो सुरक्षाबलों को लगातार निशाना बना रहे हैं। इराकी सरकार इस तरह के हमलों को बड़ी चुनौती मान रही है और इससे छुटकारा पाने के लिए प्लान तैयार करने की बात कह रही है। जुलाई 2016 में इराक की राजधानी बगदाद में आईएस के आतंकियों ने हमला कर दिया था। इसमें 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। ये एक आत्मघाती हमला था।

अमेरिका में सिख स्टूडेंट कॉलेज में कृपाण पहन सकेंगे

यूएस यूनिवर्सिटी ने बदली पॉलिसी; 2 महीने पहले कृपाण पहने छात्र की गिरफ्तारी हुई थी

वॉशिंगटन, 20 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में पढ़ रहे सिख स्टूडेंट्स अब एजुकेशन इंस्टीट्यूट में कृपाण (सिरी साहिब-धर्म की एक निशानी) पहन सकेंगे। यूनिवर्सिटी ने अपनी वेपन्स ऑन कैंपस पॉलिसी को अपडेट की है। ये फैसला दो महीने पहले हुई एक सिख स्टूडेंट की गिरफ्तारी के बाद लिया गया है। सितंबर में नॉर्थ कैरोलिना यूनिवर्सिटी में एक सिख छात्र कृपाण (सिरी साहिब) डालकर पहुंचा था, लेकिन वहां पर उसे सिरी साहिब उतारने के लिए कहा गया। ऐसा नहीं करने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया था।

क्या है कृपाण

वीरता और साहस की निशानी समझे जाने वाले कृपाण को सिख अक्सर कमर पर लटकाते हैं या फिर या फिर बैग आदि में रखते हैं। ये छोटी तलवार की करह दिखता है। कुछ लोग आजकल कृपाण की जगह छोटे चाकू भी रखते हैं। यूनिवर्सिटी की नई पॉलिसी के मुताबिक, ब्लेड (कृपाण) की लंबाई 3 इंच से कम होनी चाहिए। यूनिवर्सिटी ने एक बयान में कहा- हमने द सिख कोएलिशन और ग्लोबल सिख काउंसिल समेत कई सिख लीडर्स के साथ चर्चा करने के बाद पुरानी पॉलिसी में बदलाव किए गए है।

यूनिवर्सिटी ने छात्र से माफी मांगी

यूनिवर्सिटी चांसलर शेरोन एल गैबर और चीफ डायवर्सिटी ऑफिसर ब्रैंडन एल वोल्फ ने कहा- कृपाण रखने वाले छात्र की गिरफ्तारी के लिए हम माफी मांगते हैं। नई पॉलिसी के लिए गए फैसले को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है।

कृपाण का महत्व

सिखों के पवित्र पांच ककारों में से एक है। गुरु गोविंद सिंह ने सिखों के लिए पांच चीजें अनिवार्य की थीं - केश(बिना कटे बाल), कड़ा (स्टील का कंगन), कृपाण, कचेरा (अंडरशॉर्ट्स) और कंघा। इन सभी को सिखों को अनिवार्य तौर पर पहनना होता है।

22 महीने बाद ट्विटर पर ट्रंप की वापसी, मस्क के पोल के बाद बहाल हुआ अकाउंट

वाशिंगटन, 20 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ट्विटर पर वापसी हो गई है। ब्लू टिक के साथ उनका ट्विटर अकाउंट फिर से बहाल कर दिया गया है। दरअसल, एक दिन पहले ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप के ट्विटर अकाउंट पर से बैन हटाने के लिए एक पोल कराया था। इस पोल में 1।50 करोड़ से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया, जिसमें 51।8 प्रतिशत लोगों ने ट्रंप की ट्विटर पर वापसी को लेकर सहमति जताई, वहीं 48।2 प्रतिशत लोग इससे असहमत थे।

मस्क की घोषणा के तुरंत बाद दिखने लगा अकाउंट

एलन मस्क की घोषणा के कुछ देर बाद ही ट्विटर ने डोनाल्ड ट्रंप के अकांडट से बैन हटा लिया। करीब 22 महीने बाद डोनाल्ड ट्रंप के अकाउंट को बहाल किया गया है। पोल के बाद मस्क ने ट्वीट किया था, जनता बोल चुकी है। ट्रंप को बहाल किया जाएगा।

क्या-क्या कमेंट्स किए यूजर्स ने

मस्क के ट्रंप की वापसी वाले पोल पर एक गैर-लाभकारी लाइब्रेरी की मंडल अध्यक्ष ने लिखा कि यदि ट्विटर पर ट्रंप की वापसी होती है तो वह प्लेटफॉर्म छोड़ देंगी। वहीं कई अन्य यूजर्स ने भी तमाम तरह की प्रतिक्रियाएं दीं। एक यूजर ने मस्क को इसी तरह के अन्य पोल करनी की सलाह भी दे डाली। एक यूजर ने पोल पर चुटकी लेते हुए कहा कि अगर ट्रंप इस चुनाव में हार जाते हैं तो वह कहेंगे कि इसमें धांधली हुई है। इस पोल पर मस्क भी लगातार यूजर्स की कमेंट का जवाब देते रहे। मस्क ने लिखा-ट्विटर ट्रम्प पोल देखने में आकर्षक और मजेदार लग रहा है।

भड़काऊ ट्वीट के चलते सस्पेंड हुआ था ट्रंप का अकाउंट

डोनाल्ड ट्रंप के ट्विटर अकाउंट को भड़काऊ ट्वीट के चलते ब्लॉक किया गया था। दरअसल, अमेरिका में हुए चुनाव के बाद जो बाइडन को राष्ट्रपति पद के लिए चुना गया था। इस दौरान डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों ने व्हाइट हाउस के बाहर और अंदर जमकर उपद्रव किया था। भीड़ के इस हिंसक प्रदर्शन को देखते हुए ट्विटर ने पहले ट्रंप का अकाउंट 12 घंटों के लिए और बाद में पूरी तरह से सस्पेंड कर दिया गया था।

मस्क के अधिग्रहण के बाद शुरू हुई चर्चा

डोनाल्ड ट्रंप को यूएस कैपिटल हिंसा के बाद 8 जनवरी 2021 को ट्विटर ने बैन कर दिया था। लंबे विवाद के बाद एलन मस्क ने 27 अक्तूबर 2022 को ट्विटर का अधिग्रहण कर लिया है। उसके बाद से मस्क से मीडिया व ट्विटर के जरिए बार-बार सवाल किया जा रहा है कि ट्रंप की ट्विटर पर कब वापसी होगी?

एक नवंबर को मस्क ने दिया था यह जवाब

इससे पहले एक नवंबर को ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क ने कहा था कि यदि मुझे इस सवाल के साथ हर बार एक डॉलर मिलते तो आज ट्विटर के पास खूब पैसा होता। मस्क का इशारा इस ओर था कि उनसे यह सवाल असंख्य बार पूछा जा चुका है, सवाल सशुल्क होता तो ट्विटर मालामाल हो जाता। बता दें, मस्क ने 44 अरब डॉलर में विश्व की अग्रणी माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर को खरीद लिया है। इसके बाद उन्होंने इसके सीईओ पराग अग्रवाल समेत तमाम बड़े अधिकारियों की छुट्टी कर दी है।

इज्तिमा में दिन-रात बन रहा खाना

15 टन चावल बने, पानी की 12 लाख बोतलें बिकीं

भोपाल, 20 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में इन दिनों मुस्लिम समुदाय के दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक इज्तिमा का आयोजन हो रहा है। यहां आने वाले लोगों के लंच-डिनर और ब्रेकफास्ट के लिए बड़े पैमाने पर इंतजाम किए गए हैं।

खाने के सारे अरेंजमेंट इस बात को ध्यान में रखकर किए गए हैं कि कोई भूखा न रहे। इस दौरान 2 दिन में 15 टन (15,000 किलो) चावल का पुलाव बना, तो 100 क्विंटल आलू-गोभी, टमाटर, मिर्च, धनिया, बैंगन की सब्जी भी इस्तेमाल हो चुकी है। शुरुआती दो दिन में ही 12 लाख पानी की बोतलें और 10 लाख कप चाय बिक गईं।

हलवे के लिए सूजी, पाव, दाल, दूध के साथ सूखे मेवे भी खूब इस्तेमाल हो रहे हैं। ये आंकड़ा दोगुना से तीन गुना तक बढ़ जाएगा, क्योंकि देशभर से जमातों के आने का सिलसिला जारी है। इज्तिमा में केवल शाकाहारी खाना ही बन रहा है।

दो दिन में आ चुके 6 लाख से ज्यादा लोग

भोपाल में ईंटखेड़ी इलाके के घासीपुरा में 300 एकड़ से ज्यादा एरिया में 18 नवंबर से इज्तिमा जारी है। दो दिन में यहां 6 लाख से ज्यादा लोग आ चुके हैं। रविवार और सोमवार को यह

हर दिन 50 क्विंटल सब्जी की खपत

आलू-गोभी, टमाटर, मिर्च, धनिया, बैंगन का इस्तेमाल ज्यादा। छोले भी बन रहे।

आंकड़ा और बढ़ेगा, क्योंकि मध्यप्रदेश के साथ दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, बिहार आदि राज्यों से भी जमातें आ रही हैं। इनके रहने से लेकर खाने-पीने तक की सारी व्यवस्था इज्तिमा में की गई है।

40 जोन में मिल रहा खाना-नाश्ता

93वें इज्तिमा में 10 लाख लोगों के आने का अनुमान है, लेकिन ये आंकड़ा बढ़ भी सकता है। खाने-पीने के इंतजाम के लिए 40 जोन बने हैं। इनमें से 6 से 7 जोन नाश्ते और बाकी खाने के हैं। अनुमान के अनुसार, एक जोन में हर दिन एवरेज एक से सवा क्विंटल सब्जी, डेढ़ से दो क्विंटल चावल, एक क्विंटल तक दालें, 7 से 8 हजार पाव, पानी की 15 हजार बोतलें, 10 हजार चाय आदि बिक रही है।

50 रुपए में भरपेट खाना, 20 में नाश्ता

इज्तिमा में लगे फूड जोन में सिर्फ 50 रुपए में भरपेट खाना और 20 रुपए में नाश्ता दिया जा रहा है। कई जगह तो बाकायदा बैठाकर खाना खिलाया जा रहा है।

50 रुपए में दाल-चावल, वेज पुलाव, जर्दा (मीठा चावल), आलू-गोभी, बैंगन, टमाटर या सीजनेबल सब्जी और एक लीटर पानी की बोतल दी जा रही है।

नाश्ते की बात करें, तो इसकी कीमत 20 रुपए है। इसमें पाव-भाजी, हलवा, पानी की बोतल और चाय शामिल है।

एक लीटर पानी की बोतल की कीमत 6 रुपए है।

5 रुपए में एक कप चाय दी जा रही है।

हर जोन में 200 लोगों की टीम खाना या नाश्ता बनाने के लिए एक-दो नहीं, बल्कि हजारों लोगों की टीम जुटी है। युवाओं के ग्रुप नाश्ते का इंतजाम कर रहे हैं। इसके लिए 200 युवा सुबह से रात तक व्यवस्था संभाले रहते हैं। ग्रुप के सदस्य बताते हैं कि नाश्ता बनाने का काम रात से ही शुरू

वेज पुलाव के लिए 150 क्विंटल चावल

कर देते हैं। पाव दो देते हैं। बाकी भाजी, हलवा भरपेट खिला रहे हैं। पानी की बोतल और चाय भी नाश्ते में दी जा रही है।

2 दिन और चलेगा इज्तिमा

कोरोना के चलते पिछले दो साल से इज्तिमा का आयोजन नहीं हुआ था। भोपाल में आलमी तब्लीगी इज्तिमा मुस्लिम समुदाय के दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है। बताया जाता है कि भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में ही इज्तिमा होता है। भोपाल के इज्तिमा में विदेशी जमातें भी शामिल होती रही हैं, लेकिन पहली बार इस साल विदेशी जमातें नहीं आई हैं। देशभर से ही जमातें आ रही हैं। हर दिन मुस्लिम धर्मगुरु तकरीरें (प्रवचन) कर रहे हैं।

भोपाल में ऐसे शुरू हुआ इज्तिमा

भोपाल में इज्तिमा की शुरुआत 1947 में मस्जिद शकूर खां में महज 12 या 14 लोगों के साथ की गई थी। इसके दो साल बाद इसे ताजुल मसाजिद में किया जाने लगा। जब इसमें आने वाले लोगों की संख्या लाखों में होने लगी और मसाजिद परिसर छोटा लगने लगा तो इसे साल 2015 में बैरसिया रोड स्थित ईंटखेड़ी के पास घासीपुरा में शिफ्ट कर दिया गया। तब से यह यहीं पर लगाया जा रहा है। इसके लिए दो महीने पहले से तैयारियां शुरू कर दी जाती हैं। बड़े-बड़े डोम, टेंट समेत वजू खाने, टॉयलेट, पानी-सीवेज लाइन और बिजली के इंतजाम शुरू कर दिए जाते हैं। इस बार भी सारे इंतजाम हो चुके हैं। भोपाल के ईंटखेड़ी में शुक्रवार से इज्तिमा शुरू हो गया है, जो 21 नवंबर तक चलेगा। इसमें देशभर से जमातें आई हैं। मुस्लिम धर्मगुरु तकरीरें (प्रवचन) कर रहे हैं। 4 दिन में 10 लाख लोगों के जुटने का अनुमान है।

तैयारियां भी इसी के हिसाब से की गई हैं। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के ईंटखेड़ी के घासीपुरा में इज्तिमा के लिए पिछले 2 महीने से मिनी शहर बसाया जा रहा था। ये 73वां इज्तिमा है। 300 एकड़ से ज्यादा एरिया में बड़े पंडाल बनाए गए हैं। इनमें रहने के इंतजाम किए गए हैं।

'छत्तीसगढ़ में अमरकंटक का हिस्सा भूपेश सरकार ठीक करे'

उमा भारती बोलीं- कांग्रेस ने सिंधिया जैसा हीरा खोया, मैं राहुल गांधी की हंसी नहीं उड़ाती

गौरेला, 20 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने शनिवार को छत्तीसगढ़ के गौरेला पहुंची। जहां उन्होंने कहा कि, मैंने 30 साल पहले सन्यास लिया था और तकनीकी कारणों से मेरा नाम उमाश्री भारती हो गया था। मैं आखिरी समय तक राजनीति से प्यार करते रहूंगी। और राजनीति को मैं सेवा मानती हूं। सत्ता की राजनीति भी अच्छी होती है। मां नर्मदा के सवाल पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर तंज भी कसा है और कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए कहा कि, कांग्रेस ने ज्योतिरादित्य सिंधिया के रूप में हीरा खो दिया। अमरकंटक दौरे पर पहुंची उमा भारती ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान का पलटवार करते हुए कहा है कि, अमरकंटक का एक हिस्सा छत्तीसगढ़ में आता है, और जितना हिस्सा छत्तीसगढ़ में आता है, पहले उसको ठीक कर लें। और बतौर मॉडल काम करके दिखाएं। फिर अमरकंटक की बात करें। दरअसल भूपेश बघेल ने 1 सितंबर 2021 को कहा था कि, अमरकंटक यदि छत्तीसगढ़ में होता तो और हम और ज्यादा अच्छे से यहां का विकास और नर्मदा मां की सेवा कर सकते थे। बता दे कि, अमरकंटक मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा के बीच में स्थित है। जिसमें मांई की बगिया, ज्वालेष्वर, राजमेरगढ़, धरमपानी, दुर्गाधारा, मांई का मड़वा, कबीर चबूतरा सहित कई स्थान छत्तीसगढ़ की सीमा में आते हैं। उमा भारती ने कहा कि, मध्यप्रदेश में हम विधानसभा चुनाव 2018 में हारे थे तो ज्योतिरादित्य सिंधिया के कारण ही हारे थे, और बाद में हमारी सरकार भी उन्हीं के कारण बनी है।

झारखंड नगर निकाय चुनाव में हर बूथ पर तैनात होंगे 6 कर्मचारी

रांची, 20 नवंबर (एजेंसियां)। अगले माह संभावित नगर निकाय चुनाव में प्रत्येक मतदान केंद्र पर छह-छह मतदान कर्मियों की तैनाती की जाएगी। चूंकि प्रत्येक मतदान केंद्रों पर दो-दो पदों महापौर या अध्यक्ष तथा वार्ड पार्षद के लिए मतदान होना है, इसलिए वहां मतदान कर्मियों की तैनाती में 'पी प्लस फाइव' की व्यवस्था लागू की जाएगी। मतदान केंद्रों पर एक पीठासीन पदाधिकारी के अलावा पांच अन्य मतदान कर्मी लगाए जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने इसे लेकर सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्तों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दे दिए हैं।

कर्मचारियों का चयन रैंडम तरीके से किया जाएगा

झारखंड राज्य निर्वाचन आयोग ने निर्णय लिया है कि निकाय चुनाव में मतदान कर्मियों का चयन भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लागू प्रक्रिया की तरह रैंडम तरीके से किया जाए। यह रैंडमाइजेशन की प्रक्रिया तीन चरणों में एनआइसी द्वारा तैयार साफ्टवेयर के माध्यम से पूरी की जाएगी। पहले चरण में प्रत्येक जिले में विभिन्न विभागों व कार्यालयों से कर्मियों का डेटाबेस तैयार किया जाएगा, जिसमें कर्मियों की संख्या अनुमानित आवश्यक मतदान कर्मियों की संख्या की 125 प्रतिशत होगी। इसी डेटाबेस से सुरक्षित मतदान कर्मियों की नियुक्ति की भी जाएगी। इस चरण में मतदान कर्मियों को यह ज्ञात नहीं होगा कि उन्हें किस नगरपालिका के किस मतदान केंद्र पर तैनात किया जा रहा है। उन्हें सिर्फ यह पता होगा कि उनकी सेवा पीठासीन पदाधिकारी के लिए की जा रही है या मतदान अधिकारी के रूप में।

इस तरह से मतदान दलों का किया जाएगा गठन

मतदान हेतु आयोजित प्रशिक्षण में कब और कहां उपस्थित होना है, इसकी भी जानकारी उन्हें दी जाएगी। दूसरे चरण में रैंडमाइजेशन आब्जर्वर की उपस्थिति में किया जाएगा। इस समय साफ्टवेयर के रैंडम नंबर जेनरेटर टेक्निक को अपनाते हुए वास्तविक मतदान दलों का गठन किया जाएगा। इस समय स्पष्ट हो जाएगा कि मतदान दलों को किस निर्वाचन क्षेत्र में जाना है लेकिन उन्हें मतदान केंद्र की जानकारी नहीं दी जाएगी। दूसरे चरण के रैंडमाइजेशन की प्रक्रिया मतदान की तिथि के 10 से 12 दिन पहले की जाएगी। तीसरे चरण में रैंडमाइजेशन की प्रक्रिया मतदान केंद्रों पर प्रस्थान से एक या दो दिन पहले आब्जर्वर की उपस्थित में की जाएगी। किसी भी हाल में यह प्रक्रिया इससे पहले नहीं होगी। इसमें मतदान कर्मियों को बताया जाएगा कि उनकी तैनाती किस मतदान केंद्र पर की गई है।

नौकरी लगवाने के नाम पर 8 लाख की ठगी

पति-पत्नी ने सहायक विकास विस्तार अधिकारी बनाने का दिया था झांसा, दोनों आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा, 20 नवंबर (एजेंसियां)। जांजगीर-चांपा जिले में नौकरी लगाने के नाम पर 8 लाख रुपए की ठगी करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पति-पत्नी भैसो ग्राम के रहने वाले हैं, जिन्हें शनिवार को पुलिस ने घेराबंदी कर अपनी गिरफ्त में ले लिया। मामला जांजगीर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। आरोपी पति-पत्नी रतन गौरहा और गिरिजा गौरहा ने गढ़ोला निवासी विनय पटेल को सहायक विकास विस्तार अधिकारी (एडीईओ) के पद पर नौकरी लगाने का झांसा देकर पैसे ठग लिए। इसके बाद भी जब विनय पटेल को नौकरी नहीं मिली, तो उसने जांजगीर थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया। जांजगीर सिटी कोतवाली थाना प्रभारी उमेश साहू ने बताया कि गढ़ौला के रहने वाले विनय पाटले (38 वर्ष) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि भैसो निवासी रतन गौरहा (56 वर्ष) और उसकी पत्नी गिरिजा गौरहा (31 वर्ष) ने उन्हें अपनी पहुंच बड़े-बड़े नेताओं और मंत्रियों तक होने का झांसा दिया।

रायपुर में जुटे प्रदेशभर के हजारों कर्मचारी

पैदल कौशल्या मंदिर पहुंचकर जलाया 'नियमितीकरण की दीया', कांग्रेस के घोषणा पत्र पर उठाया सवाल

रायपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर में अनियमित कर्मचारियों ने अपने नियमितीकरण की मांग के तहत आंदोलन तेज कर दिया है। शनिवार शाम रायपुर से चंदखुरी तक पदयात्रा निकाली गई। अब रविवार को प्रदेशभर के कर्मचारी रायपुर में जुटे हैं। मांग सिर्फ एक इन्हें नियमित किया जाए।

सबसे पहले छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ के बैनर तले पदयात्रा का आयोजन किया गया। इसमें 54 विभागों के 45 हजार संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण की मनोकामना को लेकर प्रदर्शनकारी चंदखुरी में माता कौशल्या के दरबार पहुंचे। राजकीय गीत अरपा पैरी की धार गाते हुए कर्मचारी पदयात्रा निकालते दिखे। करीब 10 हजार के आस-पास कर्मचारी पैदल सफर करते हुए कौशल्या मंदिर गए और यहां नियमितीकरण का मनोकामना दीपक जलाकर मुराद मांगी कि इन्हें सरकार नियमित कर दे।

महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष कौशलेष तिवारी ने बताया कि, नियमितीकरण को लेकर 2018

में अनिश्चितकालीन हड़ताल की गई थी और उस हड़ताल के दौरान आकर कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने सरकार बनने की स्थिति में 10 दिन के भीतर नियमितीकरण का वादा किया था, जो आज तक पूरा नहीं हुआ है। इस पद यात्रा में संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, सचिव श्रीकांत लाश्कर महासंघ के सूरज सिंह मौजूद रहे।

पूरे प्रदेश से राजधानी आए कर्मचारी

छत्तीसगढ़ अनियमित कर्मचारी मोर्चा के प्रांतीय संयोजक गोपाल प्रसाद साहू ने बताया कि प्रदेश के लाखों अनियमित कर्मचारी को नियमित करने, छटनी न करने एवं आउट सोर्सिंग बंद करने जैसी मांग को लेकर कर्मचारी आंदोलन कर रहे हैं। कांग्रेस के नेताओं ने तो 10 में ही प्राथमिकता देकर इस परेशानियों को दूर करने का वादा किया था।

घोषणा पत्र में छटनी नहीं करने का वादा था, लेकिन कई विभागों में जैसे शिक्षा/पंचायत/ग्रामीण विकास/स्वास्थ्य विभाग से छटनियां कर दी गई हैं। इससे अनियमित कर्मचारियों में आक्रोश है। इस वजह से अब एक बार फिर कर्मचारियों की नियमितीकरण की मांग की ओर ध्यान दिलाने रविवार को प्रदेश के कर्मचारी रायपुर में जुटे हैं।

सरकार ने दो महीने पहले प्रदेश के सभी विभागों से अनियमित कर्मचारियों की जानकारी मांगी थी। इसके बाद खुद प्रदेश सरकार के मंत्री अमरजीत भगत ने दावा किया कि, प्रदेश के कर्मचारियों को नियमित किया जाएगा। बीते कुछ समय में राजस्थान, ओडिशा, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब समेत कई राज्यों में संविदा कर्मचारियों को नियमित किया गया है।

इससे प्रदेश के संविदा कर्मचारी भी आशान्वित हैं कि चुनावी वर्ष में इनकी निर्णायक संख्या को देखते हुए सरकार इनके नियमितीकरण के लिए कोई न कोई कदम जरूर उठाएगी।

आरक्षण देने विधेयक लाएगी छत्तीसगढ़ सरकार

रायपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आरक्षण खत्म होने से मचे घमासान के बीच राज्य सरकार आरक्षण संशोधन विधेयक लाने जा रही है। इसी के लिए एक और दो दिसम्बर को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया है। सत्र में पेश होने वाले विधेयकों और मुख्यमंत्री के भाषण की तैयारियों के लिए मुख्यमंत्री सचिवालय आधी रात तक काम कर रहा है। बताया जा रहा है, आरक्षण पर संशोधन विधेयकों का प्रारूप लगभग तैयार है। इसको 24 नवम्बर को होने वाली राज्य कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दी जाएगी।

एक वरिष्ठ मंत्री ने बताया, राज्य सरकार आरक्षण को लेकर बहुत गंभीर है। परिस्थितियों को देखते हुए तय हुआ था कि आरक्षण अधिनियम के जिन प्रावधानों को उच्च न्यायालय में रद्द किया है, उसे कानून के जरिये फिर से प्रभावी किया जाए। इसके लिए हम विधेयक ला रहे हैं। दो दिसम्बर को इसे पारित करा लिया जाएगा।' बताया जा रहा है, सरकार इस विधेयक के साथ एक संकल्प पारित करने पर विचार कर रही है। इसमें केंद्र सरकार से आग्रह किया जाएगा कि वह छत्तीसगढ़ के आरक्षण कानून को संविधान की नवीं अनुसूची में शामिल कर ले।

कोयला चोरों के साथ सीआइएसएफ की मुठभेड़

गोली लगने से चार की मौत, आधा दर्जन लोग जख्मी

बाघमारा/भीमकनाली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। ब्लॉक दो क्षेत्र के बेनीडीह साइडिंग में शनिवार की देर रात कोयला चोर व सीआइएसएफ जवानों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पत्थरबाजी के बाद दोनों ओर से गोलीबारी हुई। घटना में गोली लगने से चार लोगों की मौत हो गई। वहीं छह लोग घायल हुए हैं। दो लोगों को सीने में गोली लगी। गोली पीठ से निकलकर शरीर के आर-पार हो गई। गंभीर हालत में उन्हें धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती ले जाया गया, जहां से एक को मिशन अस्पताल दुर्गापुर और एक को रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया गया। वहीं चारों मृतकों के शव एसएनएमएमसीएच ले जाए गए हैं। मुठभेड़ के बाद इलाके में स्थिति तनावपूर्ण है।

मामले की सूचना मिलने पर बाघमारा व बरोरा थाना की पुलिस सहित काफी संख्या में सीआइएसएफ के जवान बेनीडीह साइडिंग पहुंचे। पुलिस ने साइडिंग से करीब दो दर्जन दोपहिया वाहनों को जब्त किया है। घटना रात करीब पौने 11 बजे से सवा 12 बजे के बीच की है।

जानकारी के अनुसार, रात में दर्जनों की संख्या में दोपहिया वाहनों पर सवार होकर सभी युवक कोयला चुराने के लिए साइडिंग पर पहुंचे थे। यहां युवकों

व सीआइएसएफ जवानों में भिड़ंत हो गई। देखते ही देखते दोनों ओर से पहले पत्थरबाजी हुई और फिर गोली चलने लगी। करीब 30 राउंड फायरिंग हुई। सीआइएसएफ के अनुसार, उक्त साइडिंग में कोयले की लूट को रोकने की कोशिश पर धंधेबाज जवानों से उलझ गए। क्विक रिस्पांस टीम मौके पर पहुंची तो धंधेबाजों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। कोयला चोरों ने जवानों को घेर लिया, जो घटना का कारण बना।

सीआइएसएफ ने बयान जारी कर कहा है कि कोयला चोरी रोकने के दौरान हुई मुठभेड़ में जवानों से राइफल छीनने की कोशिश की गई, जिसके कारण गोली चली और चार लोगों की मौत हो गई। यह सारे असामाजिक तत्व थे। वहीं सीआइएसएफ की गोली से घायल बादल रवानी को रांची स्थित रिम्स और रमेश रविदास को बेहतर इलाज के लिए दुर्गापुर मिशन अस्पताल रेफर किया गया है। बेनीडीह साइडिंग में शनिवार की रात हुई मुठभेड़ मामले में एसएसपी संजीव कुमार ने बताया कि चार लोगों की मौत की बात कही जा रही है, वहीं दो लोग घायल हैं। पुलिस इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू करेगी। इसके लिए एसआइटी का गठन भी किया जाएगा।

मुठभेड़ के करीब 12 घंटे बाद आज दिन 11:30 बजे उपायुक्त संदीप सिंह के निर्देश पर मामले की जांच को घटनास्थल पर एसडीओ प्रेम कुमार तिवारी, बीडीओ सुनील कुमार प्रजापति और सीओ कमल किशोर सिंह पहुंचे। उन्होंने सीआइएसएफ जवानों व अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। एसडीओ ने कहा कि जानकारी जुटाई जा रही है। अभी चार लोगों की मौत व दो लोगों के घायल होने की जानकारी मिली है। जांच के बाद ही आगे अधिकृत रूप से कुछ कहा जा सकता है।

होटल में रशियन गर्ल्स का सेक्स रैकेट

वीडब्ल्यू कैन्यन होटल में उजबेकिस्तान से लाई गई लड़की, छापा मारकर पुलिस ने पकड़ा

रायपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर के होटल में रशियन गर्ल्स का सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था। पुलिस की रेड में बड़ा कांड उजागर हुआ है। पुलिस ने इस मामले में तीन लड़कियों को पकड़ा है। एक लड़की उजबेकिस्तान की रहने वाली है। इसे रशियन मॉडल के नाम पर देह व्यापार के लिए अक्सर बुक किया जात था। दो लड़कियां पंजाब की हैं। इनके दलाल को अब रायपुर की पुलिस ढूंढ रही है।

इस कार्रवाई ने साबित कर दिया है कि रायपुर के शौकिनों के बीच विदेश लड़कियों का देह व्यापार एक्टिव है। शहर के वीआईपी रोड स्थित कई होटलों में चोरी छिपे ये कांड किया जा रहा है। वीडब्ल्यू कैन्यन शहर के टॉप लग्जरी होटल्स में से एक है। यहां कॉल गर्ल्स पकड़ी हैं। पुलिस को जानकारी मिली है कि पहले भी इन्हें बुकिंग लेकर देह व्यापार कराया जाता रहा है।

वीकेंड को बढ़ती है एक्टिविटी

सूत्रों के मुताबिक शुक्रवार-शनिवार रात से इस तरह के मामलों में लड़कियां रायपुर बुलाई जाती हैं।

इस मामले में भी ऐसा ही हुआ। कॉलगर्ल्स को बुलाकर उन्हें लग्जरी होटल में ठहराया गया था। पुलिस को मुखबीर से इस देह व्यापार रैकेट का इनपुट

मिल गया था। इसके बाद एक टीम बनाकर पुलिस के लोग होटल वीडब्ल्यू कैन्यन पहुंचे।

कमरों की तलाशी लेने पर उजबेकिस्तान की लड़की मिली। इसके साथ पंजाब के अलग-अलग शहरों से आई दो और लड़कियां मिलीं। तीनों ने पुलिस को बताया कि एक दलाल ने उन्हें यहां बुलाया था। उसी ने होटल में रुकने का बंदोबस्त किया था। इन लड़कियों से अब दलाल के बारे में पूछताछ की जा रही है।

पुलिस को पता चला है कि इन लड़कियों का दलाल रायपुर के टिकरापारा इलाके का रहने वाला है। इसका नाम धरम उर्फ़ राहुल है। राहुल के खिलाफ 4, 5, 7 पीटा एक्ट का अपराध दर्ज किया गया है। इसे गिरफ्तार करने की कोशिश में पुलिस की टीम है। पुलिस लड़कियों से भी उनका बयान ले रही है।

वॉट्सअप में डील, फ्लाइट से आती हैं मॉडल लुक वाली लड़कियां

इस पूरे रैकेट का काम वॉट्सअप पर हो रहा था। राहुल की शहर के कई कारोबारियों, अफसरों और नेताओं से जान-पहचान है। वॉट्सअप पर वो लड़कियों की तस्वीरें भेजकर बुकिंग लिया करता था। विदेशी कॉलगर्ल के साथ होटल में रुकने के 10 से 15 हजार रुपए लिए जा रहे थे। विदेशी गर्ल्स को रशियन कहकर पुकारा जाता है, इसमें उजबेकिस्तान और आस-पास के देशों से भी युवतियां आती हैं। इंडियन लड़कियों के 5 से 10 हजार रुपए वसूले जा रहे थे।

राहुल ने ही होटल में कमरा बुक कराया था। वॉट्सअप पर डील होने के बाद ये ग्राहकों को रूम नंबर बता दिया करता था। अब यहां आमतौर पर होटल प्रबंधन लोगों को कमरों तक जाने की इजाजत नहीं देता है।

मगर इस केस में होटल वालों के भी साथ मिले होने की जानकारी मिली है। पुलिस इस मामले में होटल के मैनेजर से भी पूछताछ कर जानकारी जुटा रही है। इस काम में शामिल लड़कियां चंडीगढ़, अमृतसर, दिल्ली, कोलकाता, असम, मुंबई, बैंगलोर से आती हैं। किसी प्रोफेशनल मॉडल की तरह दिखने वाली इन लड़कियों को फ्लाट टिकट बुककर बुलाया जाता है।

इससे पहले भी रायपुर के होटल हयात से इसी तरह 7 लड़कियां पकड़ी गईं थीं। दो दलाल भी गिरफ्तार हुए थे। हयात केस में भी पुलिस ने होटल वालों पर कार्रवाई करने का दावा किया था मगर हुआ कुछ नहीं था।

सरदारशहर उपचुनावः वसुंधरा राजे के दौरे पर सस्पेंस

स्टार प्रचारक के बावजूद पूर्व में हुए उपचुनावों से बनाई थी दूरी

जयपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के दिवंगत विधायक भंवर लाल शर्मा के निधन से रिक्त हुई सरदार शहर सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए भाजपा-कांग्रेस ने अपने-अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। 21 नवंबर को नाम वापसी के बाद चुनाव प्रचार आप परवान चढ़ेगा लेकिन इस बार भी सभी की निगाहें पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे पर रहेगी। भाजपा के सियासी गलियारों में भी चर्चा इस बात की है कि पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की स्टार प्रचारक वसुंधरा राजे सरदारशहर उपचुनाव में प्रचार के लिए जाएंगी या फिर नहीं, क्योंकि पूर्व में भी कई उपचुनावों में वसुंधरा राजे प्रचार के लिए नहीं जा पाई थीं। ऐसे में वसुंधरा राजे के सरदारशहर उपचुनाव में जाने को लेकर भी सस्पेंस बना हुआ है। वसुंधरा राजे खेमे से जुड़े नेताओं ने भी फिलहाल उनके दौरे को लेकर चुप्पी साध रखी है।

सात उपचुनावों से राजे ने बनाई थी दूरी

दरअसल गहलोत सरकार बनने के बाद अक्टूबर 2019 से लेकर अब तक 7 उपचुनाव हो चुके हैं लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सीतों उपचुनाव में

पार्टी के लिए प्रचार करने नहीं पहुंची थी जबकि पार्टी की ओर से उन्हें सभी उपचुनावों में स्टार प्रचारक बनाया गया था।

हालांकि इसके पीछे वजह यह बताई गई थी कि वसुंधरा राजे पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं, ऐसे उपचुनावों में उनकी भूमिका सीमित ही है। पूर्व में हुए खींवसर, मंडावा, सुजानगढ़, सहाड़ा, राजसमंद, धरियावद, वल्लभनगर उपचुनाव में वसुंधरा राजे प्रचार के लिए नहीं पहुंची थी जबकि उनके भतीजे और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सहाड़ा उपचुनाव में पार्टी के पक्ष में प्रचार करने आए थे।

नाराजगी भी बड़ी वजह

वहीं चर्चा यह भी थी कि पूर्व में हुए कई उपचुनावों में वसुंधरा राजे की दूरी की एक वजह यह भी है कि राजसमंद को छोड़कर सभी उपचुनावों में प्रत्याशी चयन में वसुंधरा राजे कैंप की नहीं चली थी और उनकी पसंद के नेताओं को टिकट नहीं दिए गए थे जिससे भी वसुंधरा राजे अंदर खाने पार्टी से नाराज थी।

वसुंधरा राजे की नाराजगी का हुआ था नुकसान

वहीं पार्टी में चर्चा यह भी है कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की नाराजगी का नुकसान पार्टी को उपचुनाव में उठाना पड़ा था, पूर्व में हुए 7 उपचुनावों में से केवल राजसमंद सीट पर ही बीजेपी को जीत मिल पाई थी जबकि 6 उपचुनावों में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था जबकि मंडावाऔर धरियावद सीट पर साल 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जीत दर्ज की थी।

गहलोत के मंत्री ने पद छोड़ने की कही बात

बोले-सचिन पायलट को जिम्मेदारी नहीं दी तो भारी नुकसान होगा

बाड़मेर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान पहुंचने से पहले ही कांग्रेस में सियासी हलचल देखने को मिल रही है। एक बार फिर समर्थक सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने पर जोर देने लगे हैं। यूथ कांग्रेस उपाध्यक्ष राकेश मीणा के इस्तीफे के बाद अब गहलोत के मंत्री हेमाराम चौधरी ने सचिन पायलट को जिम्मेदारी देने की मांग उठाई है। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार वन मंत्री हेमाराम चौधरी ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि 25 सितंबर को हुए घटनाक्रम के बाद राजस्थान में कांग्रेस कार्यकर्ता और जनता में अनिश्चितता का वातावरण है। सरकार अनिश्चितता से गुजर रही है। कांग्रेस आलाकमान को 25 सितंबर की घटना के जिम्मेदार तीनों नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। इस घटना से पार्टी को भारी नुकसान हुआ है।

एकतरफा चले तो पार्टी को होगा भारी नुकसान

इसके साथ ही हेमाराम चौधरी ने सचिन पायलट की पैरवी की।

उन्होंने कहा कि पायलट ने विपक्ष में रहते हुए पार्टी को फिर से जीवित किया। सचिन पायलट की वजह से ही पार्टी सत्ता में आई। उनकी मेहनत को देखते हुए उन्हें जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। अगर एक तरफा चलेंगे तो पार्टी को भारी नुकसान होगा।

भारत जोड़ो यात्रा से पहले लें निर्णय, नहीं तो होगा गलत असर

इसके साथ ही हेमाराम चौधरी ने विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करने वालों पर कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि खड़गे के सामने विधायक दल की बैठक का बहिष्कार किया गया लेकिन अब तक इस पर फैसला नहीं हुआ। माकन ने भी राजस्थान के प्रभार से इस्तीफा भेज दिया। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि राजस्थान में संगठन की क्या स्थिति है। भारत जोड़ो यात्रा में असर नहीं पड़े। इसलिए इस पर निर्णय जल्द से जल्द लेना चाहिए। अगर जल्दी फैसला नहीं किया तो यात्रा पर भी गलत असर होगा।

मैं मंत्री पद छोड़ने के लिए तैयार, युवा को दें मौका

हेमाराम ने कहा कि मैं तो 2013 में भी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ना चाहता था। अब 2023 के चुनाव में मेरी उम्र हो जाएगी। मुझे राजनीति में 50 साल हो चुके हैं। अब मैं जगह खाली नहीं करूंगा तो युवा को कैसे मौका मिलेगा।

मेरी जगह किसी युवा को मौका दिया जाए। मैं मंत्री रहूं या नहीं रहूं, मैं मंत्री पद छोड़ने को तैयार हूं। अगर चुनाव में रिजल्ट नहीं आए, तो मेरा मंत्री पद पर रहना ही बेकार है। पार्टी में चल रही अनिश्चितता पर जल्द निर्णय लिया जाना चाहिए।

तहसीलदार ने फांसी लगा दी जान, लगातार तबादले से था परेशान

धौलपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के धौलपुर जिले के बाड़ी सदर थाना इलाके में रहने वाले तहसीलदार आसाराम गुर्जर ने आत्महत्या कर ली। शुक्रवार को उसका शव जंगल में एक पेड़ से लटका मिला। आसाराम गांव घड़ी जाखोदा के रहने वाले थे और करौली जिले की मासलपुर तहसील में तैनात थे। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। हालांकि, अब तक आत्महत्या का कारण सामने नहीं आया है।

आसाराम गुर्जर (35) पुत्र दीवान सिंह गुर्जर का हाल ही में करौली जिले की मासलपुर तहसील में तबादला हुआ था। पदभार ग्रहण करने के दो दिन पहले वह गांव गढ़ी जखौदा आए थे। शनिवार दोपहर को वह जंगल में चले और पेड़ से लटकर फांसी लगा ली। पास में बकरी चरा रहे किसान ने पेड़ से शव लटकते देखा तो परिजनों को सूचना दी। परिजन और आसाराम को जिला अस्पताल लेकर पहुंचेजहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

'ओबीसी आरक्षण बहाल' करो की मांग ने फिर जोर पकड़ा

आंदोलन की रणनीति बनाने में जुटे हरीश चौधरी

जयपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। ओबीसी आरक्षण विसंगतियों को दूर करने की मांग को लेकर गतिरोध अभी भी बना हुआ है। सरकार की ओर से आश्वासन नहीं मिलने के बाद अब ओबीसी आरक्षण संघर्ष समिति ने फिर से आंदोलन तेज करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए बायतु से कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री हरीश चौधरी भी खुलकर सामने आ चुके हैं। हरीश चौधरी ने जहां प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर चंद्रभान से भी मुलाकात करके लंबी चर्चा की तो वहीं अब ओबीसी आरक्षण संघर्ष समिति के सदस्यों के साथ भी आगे की रणनीति तैयार की है। माना जा रहा है कि अगर सरकार की ओर से इस पर जल्द फैसला नहीं लिया गया तो ओबीसी आरक्षण संघर्ष समिति एक बार फिर बड़ा आंदोलन छेड़ सकती है। ओबीसी आरक्षण आंदोलन को लेकर हरीश चौधरी ने जाट नेता राजाराम मील से भी मुलाकात की।

ट्वीट करके मामले के समाधान की मांग

इससे पहले पूर्व मंत्री और बायतु से कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से भी ट्वीट करके ओबीसी आरक्षण मामले के समाधान की मांग की है। चौधरी ने ट्वीट करते हुए लिखा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को इस मुद्दे को प्राथमिकता से लेना चाहिए और उसका समाधान करना चाहिए क्योंकि ओबीसी आरक्षण विसंगतियां दूर नहीं होने से हजारों युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है। इससे पहले भी हरीश चौधरी ने 18 नवंबर को ट्वीट करते हुए लिखा था कि युवाओं के भविष्य के लिए राजनीतिक लड़ाइया मायने नहीं रखती है और साथ ही उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से भी ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर राजनीति नहीं करने की अपील की थी।

सोशल मीडिया पर चल रहा है कैंपेन

वहीं ओबीसी आरक्षण विसंगतियां दूर करने मांग को लेकर सोशल मीडिया पर भी कैंपेन चल रहा है, जिसमें ओबीसी वर्ग से जुड़े युवा लगातार ओबीसी आरक्षण बहाल करो कैंपेन चलाए हुए हैं। हाल ही में हुई कैबिनेट की बैठक में ओबीसी आरक्षण को लेकर कोई चर्चा नहीं होने से नाराज होकर पूर्व कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने गहलोत सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कई अन्य नेताओं पर सवाल खड़े कर दिए थे। विधायक मुकेश भाकर, रामनिवास गवड़िया, और दिव्या मदेरणा ने भी हरीश चौधरी के सुर में सुर मिलाते हुए गहलोत सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए विधानसभा चुनाव में परिणाम भुगतने की चेतावनी तक दे डाली डाली थी।

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और सरकार की ओर से ओबीसी आरक्षण संघर्ष समिति को जल्द से जल्द विसंगतियांदूर करने का आश्वासन दिया गया था लेकिन कई महीने बीतने के बावजूद भी अभी तक इसका कोई समाधान नहीं निकल पाया है जिसको लेकर एक बार फिर ओबीसी वर्ग से जुड़े नेताओं में इसे लेकर रोष बढ़ रहा है।

छेड़छाड़ का विरोध करने पर महिला के आंख और होठ में फेविक्विक डाला

भरतपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के बयाना में घर में घुसकर युवक ने महिला से छेड़छाड़ की कोशिश की। जब महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने महिला के आंख और होठ में फेविक्विक डाल दी। मामला भरतपुर जिले के बयाना का है। आरोपी दूर के रिश्ते में भतीजा लगता है।

पीड़िता ने शाम आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज कराया। पीड़िता ने बताया कि का उसका पति बेंगलुरु में रहकर मजदूरी का काम करता है। 17 नवंबर गुरुवार की रात वह बच्चों के साथ घर में चारपाई पर सो रही थी।गांव में ही रहने वाला आरोपी घर में घुस आया। महिला ने धक्का देकर उसे दूर कर दिया। जिसके बाद आरोपी ने आंखों और होठों पर फेविक्विक डाल दी।

उदयपुर रेलवे ब्रिज ब्लास्ट बड़ी मात्रा में विस्फोटक बरामद

उदयपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान एटीएस ने उदयपुर के समीप रेलवे के ओड़ा ब्रिज ब्लास्ट के लिए आरोपितों को अवैध रूप से विस्फोटक बेचने के मामले में पकड़े गए युवक अंकुश के बाद उसके पिता बिहारीलाल को भी गिरफ्तार कर लिया। अदालत से चार दिन की रिमांड पर लेने के बाद एटीएस की टीम देर शाम उनके घर पर दबिश देने पहुंची, जहां से बड़ी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया। जिसे एटीएस की टीम ने बरामद कर जांच के लिए एफएसएल भेजा है।

एटीएस टीम ने अंकुश सुहालका और बिहारी लाल के तितरड़ी स्थित घर से 64 डेटोनेटर, 17 कार्टिज, 22 बंडल फ्यूज वायर तथा एक बंडल कोर्टेक्स वायर बरामद किया था। अभी तक हुई पूछताछ से पता चला है कि बिहारीलाल लंबे समय से अवैध रूप से विस्फोटक बेचने का काम कर रहा था। राजस्थान एटीएस ने उदयपुर के समीप रेलवे के ओड़ा ब्रिज ब्लास्ट के लिए आरोपितों को अवैध रूप से विस्फोटक बेचने के मामले में पकड़े गए युवक अंकुश के बाद उसके पिता बिहारीलाल को भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों से एटीएस टीम यह पूछताछ कर रही है कि बिहारीलाल ये अवैध विस्फोटक कहां से लाता था? उसके घर से सुपर-90 ब्रांड के वहीं विस्फोटक मिला है, जो रेलवे ब्रिज विस्फोट के लिए उपयोग में लिया गया। इस मामले में गिरफ्तार एकलिंगपुरा निवासी धूल चंद मीणा और उसके दो रिश्तेदारों से पूछताछ जारी है।

बृजराज हत्याकांड में महिला सहित पांच आरोपियों को उम्रकैद

कोटा, 20 नवंबर (एजेंसियां)। बेगूं के निकट जोगणिया माता इलाके में गैंगस्टर लाला बैरागी की हत्या के मुख्य गवाह को गोलियों से भूनने के 13 साल पुराने दोहरे हत्याकांड के मामले में दोषी मानते हुए शनिवार को न्यायालय ने एक महिला सहित पांच आरोपियों को ताउम्र कैद (मृत्यु होने तक) की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपियों पर अलग से 1.55 लाख,1.55 लाख रुपए जुर्माना लगाया है। अपर जिला जज क्रम-5 के न्यायाधीश ने 13 साल पहले जोगणिया माता पुलिस थाना बेगू जिला चित्तौड़ में बृजराज सिंह उर्फ बबलू, जीतू उर्फ जितेंद्र सिंह के सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड के आरोपी नंदू उर्फ नरेंद्र सिंह, भाया उर्फ सत्येंद्र सिंह, किशन जंगम, वसीम खान व शाहीन को ताउम्र की सजा से दंडित किया है। वसीम खान और शाहीन जमानत पर चल रहे थे, जिन्हें कस्टडी में लेकर जेल भेज गया। इस प्रकरण में सत्येंद्र के अलावा अन्य सभी आरोपी जमानत पर थे, लेकिन अन्य प्रकरण में न्यायिक अभिरक्षा में होने से किशन जंगम, नन्दू उर्फ नरेन्द्र सिंह को प्रोडक्शन वारंट से कोर्ट में पेश किया गया। मामले में कुल नौ आरोपी थे, जिसमें से आरोपी राजेश कमांडो की 4 अगस्त 2016 को मृत्यु होने तथा आरोपी भानू प्रताप की 12 जनवरी 2012 को मृत्यु होने से कार्रवाई ड्रॉप की गई। वहीं विट्ठु उर्फ दिग्विजय सिंह को मफरूर घोषित किया गया। जबकि सुमेर सिंह के विरुद्ध पृथक से कार्रवाई विचाराधीन है।

यह था मामला

एडीजे क्रम 5 अख्तर खान ने बताया कि फरियादी कोटा निवासी सूरज सिंह ने 12 मई 2009 को चित्तौड़ जिले के बेगूं पुलिस थाने में रिपोर्ट दी थी। उसे रात को लगभग 8 बजे टेलीफोन पर सूचना मिली थी कि पिंटू उर्फ जितेंद्र सिंह और बबलू उर्फ बृजराज सिंह राजपूत निवासी खेड़ली फाटक कोटा को मेनाल जिला चित्तौड़गढ़ के पास जोगणिया माता जाने वाले रास्ते के पास झरने की तरफ हत्या कर दी है। सूरज सिंह ने रिपोर्ट में लिखा कि उसके भाई बृजराज सिंह, जंगम व एक लड़की और थे, जो जोगणिया माता दर्शन करने गए थे। अचानक हुए हमले में जंगम और लड़की बचकर भाग गए और तेजपाल सिंह, मोहन शर्मा भी मोटर साइकल से भाग गए।

लाला बैरागी हत्याकांड से जुड़ा था मामला

गैंगस्टर लाला बैरागी की हत्या के मामले में बृजराज सिंह मुख्य गवाह था। लाला बैरागी की हत्या गैंगस्टर भानु प्रताप ने की थी। इसी के चलते बृजराज की हत्या भी भानु गिरोह ने की थी। बृजराज की हत्या होने के बाद उसका छोटा भाई शिवराज गैंगस्टर बना और उसने दो साल बाद भानु प्रताप की हत्या करवाकर अपने भाई की मौत का बदला लिया।

बीएसएफ जवानों ने बंधक बनाकर रेप किया

श्रीगंगानगर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर के रायसिंहनगर में युवती से रेप का मामला सामने आया है। रेप करने वालों में तीन बीएसएफ जवान भी शामिल हैं। घटना रायसिंहनगर की कुम्हार बस्ती के एक दूध डेयरी के गोदाम में हुई। युवती ने डेयरी मालिक और उसके कर्मचारी सहित पांच के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। मामले में युवती ने घटना में तीन बीएसएफ जवानों के भी शामिल होने का भी जिक्र किया है। पीड़िता का कहना है कि वह उनके नाम नहीं

जानती। पुलिस ने इस मामले में डेयरी मालिक और उसके कर्मचारी से घटना के बारे में जानकारी जुटाई है। वहीं, बीएसएफ जवानों को भी उच्च अधिकारियों की अनुमति के बाद पूछताछ के लिए थाने लाया गया है। पीड़िता से इनकी पहचान कराई जाएगी।

पीड़ित युवती मूल रूप से श्रीगंगानगर की रहने वाली है। अभी रायसिंहनगर में रह रही है। युवती ने पुलिस को बताया कि वह शुक्रवार शाम दूध लेने डेयरी पर गई थी। आरोप है कि वहां डेयरी मालिक वेदप्रकाश व उसके कर्मचारी संजय कुमार ने युवती को कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद वे बीएसएफ के दो हेड कॉन्स्टेबल व एक कॉन्स्टेबल को भी बुला लाए। पांचों ने रात 8 बजे से देर रात 1 बजे तक युवती से दुष्कर्म किया।

प्रदूषण के कारण सीओपीडी के मामलों में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी

जयपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। धूम्रपान और प्रदूषण के कारण क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मनीरी डिसीज यानी सीओपीडी के मरीज तेजी से बढ़े हैं। पिछले 5 साल में सीओपीडी के मामलों में 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। डॉक्टर्स का कहना है कि प्रदूषित वातावरण के एक्सपोजर से सांस नली सिकुड़ने लगती है। इससे लंग्स एवं हार्ट में दबाव पड़ता है। समय पर इलाज ही इसका उपाय है। यदि ऐसा नहीं होता है, मरीज को खतरा हो सकता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में सीओपीडी अधिक होता है। गांव में चूल्हे का धुआं, महिलाओं में तेजी से बढ़ रही स्मोकिंग की लत

या खराब जीवनशैली इसकी प्रमुख वजह है। श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ. शुभ्रांशु और डॉ. देवेश कानूनगो ने सीओपीडी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सीओपीडी के कारण फेफड़े के अंदर की नलियां सिकुड़ जाती है, जिसकी वजह से हवा ठीक तरह से फेफड़ों से बाहर नहीं निकल पाती। पेशेंट इस रोग से कितने प्रभावित हैं।

सांसद ने अवैध वसूली पर कर्मचारी को लगाया थप्पड़

प्रतापगढ़, 20 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा सांसद सीपी जोशी ने प्रतापगढ़ के अफीम जिला ऑफिस के एक कर्मचारी को थप्पड़ मार दिया। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। चित्तौड़गढ़ से सांसद जोशी को किसानों ने अवैध वसूली की सूचना दी थी। इस पर जोशी ऑफिस गए और कर्मचारी को थप्पड़ लगा दिया। किसानों से बातचीत के दौरान सांसद के कर्मचारी के आने पर रिश्वत की बात को लेकर उसे थप्पड़ लगा दिया। जोशी को किसानों ने सूचना दी थी कि प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़ और आसपास में किसानों को अफीम के लाइसेंस वितरित किए जा रहे थे।

भारत जोड़ो राजस्थान कब पहुंचेगी : सियासत के बीच क्या तैयारी?

जयपुर, , 20 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा दिसंबर को पहले सप्ताह में राजस्थान में प्रवेश करेगी। अनुमान के मुताबिक यह यात्रा 3 दिसंबर को सबसे पहले झालावाड़ जिले से राज्य में प्रवेश करेगी। यात्रा के रूट को लेकर हो चल रही असमंजस शुक्रवार को खत्म होगा। अब साफ हो गया गया है कि भारत जोड़ो यात्रा के रूट में कोई भी बदलाव नहीं किया जाएगा। केंद्रीय कमेटी ने जो रूट तय किया है यात्रा उसी रूट से गुजरेगी, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसमें कुछ बदलाव किए जा सकते हैं। दरअसल, कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शुक्रवार को साफ किया कि भारत जोड़ो यात्रा के रूट में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। बहुत

जरूरी होने पर, कुछ बदलाव संभव हो सकते हैं, लेकिन इसमें कोई बड़ा फेरबदल नहीं है। उन्होंने बताया कि भारत जोड़ो यात्रा प्रदेश के सात जिलों से गुजरेगी। राहुल गांधी दिसंबर के पहले सप्ताह में यात्रा के साथ झालावाड़ की झालरापाटन विधानसभा क्षेत्र से राज्य में प्रवेश करेंगे। इसके बाद कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, दौसा और अलवर के मालाखेड़ा से होते हुए यात्रा राज्य के बाहर निकल जाएगी। उन्होंने यह भी किया कि 25 नवंबर वे खुद इस रूट पर जाएंगे और यात्रा को लेकर की जा रही तैयारियों का जायजा भी लेंगे।

सात जिलों की इन 8 विधानसभा सीटों से गुजरेगी यात्रा

भारत जोड़ो यात्रा प्रदेश के सात जिलों की 18 विधानसभा सीटों को कवर करेगी। इसमें झालावाड़ की झालरापाटन, कोटा की रामगंज मंडी, लाडपुरा, कोटा उत्तर और दक्षिण विधानसभा सीट शामिल हैं। इसके बाद यह यात्रा बूंदी जिले की केशवरायपाटन विधानसभा सीट से होते हुए टोंक जिले में प्रवेश करेगी। इस दौरान यात्रा देवली और उनियारा विधानसभा क्षेत्र से गुजरेगी। इसी तरह भारत जोड़ो यात्रा सवाई माधोपुर विधानसभा इलाके से बामनवास और लालसोट पहुंचेगी और दौसा में प्रवेश करेगी। जिले की दौसा, लालसोट, सिकराय और बांदीकुई विधानसभा क्षेत्र से होते हुए अलवर पहुंचेगी। जिले के अलवर ग्रामीण, अलवर रामगढ़, राजगढ़ और लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र से होते हुए राज्य से बाहर निकल जाएगी, यानी हरियाणा राज्य में प्रवेश करेगी।

संगठनों ने भाजपा द्वारा केंद्रीय एजेंसियों के दुरूपयोग पर जताई चिंता

नलगोंडा, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विभिन्न संगठनों के नेताओं ने भाजपा सरकार द्वारा विपक्षी दलों को निशाना बनाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) सहित केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग पर एक स्वर में कड़ी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने रविवार को यहां ओयू जेएसी, टीएसजेएसी, और एससी, एसटी और बीसी संघों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन, 'केंद्र सरकार द्वारा संवैधानिक निकायों का दुरुपयोग' में अपनी चिंता व्यक्त की।

उस्मानिया यूनिवर्सिटी ज्वाइंट एक्शन कमेटी (ओयू जेएसी) के संस्थापक अध्यक्ष और बीसी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राजाराम यादव ने कहा कि ईडी और सीबीआई को स्वतंत्र रूप से कार्य करना चाहिए और राजनीति की परवाह किए बिना अनियमितताओं की जांच के लिए छापेमारी करनी चाहिए। दुर्भाग्य से, नरेंद्र मोदी सरकार ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग कर रही थी और छापेमारी के नाम पर विपक्षी दलों के नेताओं को धमका रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा देश के सभी क्षेत्रीय दलों को खत्म करने की साजिश के साथ काम कर रही है। अधिवक्ता जेएसी नेता विद्या सागर ने कहा कि भाजपा सरकार ने छह राज्यों में राज्य सरकारों को अलोकतांत्रिक तरीके से गिरा दिया है। यह राज्य सरकार की शक्तियों को हथियाने की कोशिश कर रहा था, जो संघीय व्यवस्था के खिलाफ थी। उन्होंने कहा कि केंद्र के जनविरोधी और अलोकतांत्रिक फैसलों के खिलाफ लड़ाई छेड़ने के लिए समर्थन जुटाने की जरूरत है। केवीपीएस के जिला सचिव पलाडुगु नागार्जुन ने कहा कि ईडी द्वारा एक मंत्री और टीआरएस नेता के घरों और कार्यालयों पर छापेमारी का उद्देश्य राजनीतिक नेताओं में दहशत पैदा करना है। भाजपा सरकार विपक्षी दलों के नेताओं को ईडी के छापे से धमका रही है, जिसका उद्देश्य राज्य में अनिश्चितता पैदा करना है। बीसी वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष डी. लक्ष्मीनारायण ने कहा कि टीआरएस के चार विधायकों के अवैध शिकार के प्रयास ने राज्य में टीआरएस सरकार को गिराने की भाजपा की साजिश का पर्दाफाश किया। असफल ऑपरेशन से लोगों का ध्यान हटाने के लिए केंद्र राज्य में टीआरएस नेताओं पर ईडी की छापेमारी का नाटक कर रहा है। टीआरएसवी नेता कट्टा श्रीनिवास ने कहा कि भाजपा सरकार छात्र नेताओं को शहरी नक्सली बताकर जेल भेज रही है, जिन्होंने उसकी नीतियों पर सवाल उठाया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि तेलंगाना में भाजपा की रणनीति काम नहीं करेगी क्योंकि राज्य के लोगों में राजनीतिक जागरूकता अधिक है।

उप्पल में दो माह के बच्चे की हत्या

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात व्यक्तियों ने शनिवार की रात उप्पल में एक घर में दो महीने के बच्चे को पानी के नाले में फेंक कर कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी। उप्पल इंस्पेक्टर, आर. गोविंदा रेड्डी ने बताया कि सना बेगम बीती रात करीब साढ़े दस बजे अपने बेटे अब्दुल रहमान के साथ बगल में सो रही थी। आधी रात के आसपास, वह उठी और शिशु को गायब पाया। घर में मौजूद रिश्तेदारों की मदद से सना बेगम ने घर की तलाशी ली तो घर में पानी के नाले में बच्ची मिली। लड़के को बाहर लाया गया और निलोफर अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस रात में घर में मौजूद कुछ परिजनों से पूछताछ कर रही है।

यादाद्री मंदिर में रविवार को भक्तों की भारी भीड़

यादाद्री-भोंगिर, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्री श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में रविवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही भक्तों की कतार लगी रहती थी और भक्तों को सामान्य दर्शन के लिए छह घंटे और विशेष दर्शन के लिए चार घंटे लगते थे। प्रसादम काउंटर पर भी भक्तों को लंबी कतारों में इंतजार करते देखा गया।

वारंगल-हैदराबाद हाईवे पर गुडूर टोल प्लाजा पर एक किलोमीटर से अधिक तक ट्रैफिक जाम रहा।

यदाद्री से हैदराबाद लौट रहे लोगों के साथ टोल प्लाजा पर शाम 5 बजे से वाहनों की भीड़ लगनी शुरू हो गई। टोल प्लाजा के अधिकारियों ने वाहनों के लिए तीन गेट आवंटित किए, जो ट्रैफिक जाम को साफ करने के लिए हैदराबाद की ओर जा रहे थे।

श्रीमद्भागवत कथा व लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के सन्दर्भ में हुई बैठक

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंगारू मैसम्मा मंदिर इमलिबन पार्क के प्रांगण में 2 फरवरी से 8 फरवरी 2023 तक होने वाली श्रीमद्भागवत कथा एवं श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के सन्दर्भ में मंदिर समिति के अध्यक्ष अशोक यादव, उत्तर भारती नागरिक संघ के अध्यक्ष एनके सिंह, नागरिक सेवा संघ के अध्यक्ष वी.सी दुबे, कथा वाचक पं. सुखेंद्र शास्त्री चित्रकूट वाले ने बैठककी।

बैठक में श्रीमद्भागवत कथा अवं लक्ष्मी नारायण यज्ञ बड़े ही धूमधाम से करने का निश्चय किया। इस अवसर पर सर्व जी. शंकर यादव (पार्षद), भगवान दास, के. माधवचारी, वी. रमेश, मनोहर सिंह, एस. दशरथ यादव, श्रीसैलम यादव, दीपक उपाध्याय, ई. नरसिंह राव, एस. शंकर राव, एस.एस. यादव, रघुनंदन गोप, सुनील बिरदार और अन्य गणमन लोग उपस्थित रहे। अंत में मंदिर के पुजारी अनिल महाराज ने सभी को धन्यवाद दिया।

अपनी जन अभियान यात्रा के दौरान तेलंगाना वाईएसआरसीपी की अध्यक्षा वाईएस शर्मिला ने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। इस दौरान उन्होंने बताया कि सीएम केसीआर के शासनकाल में राज्य में अनैतिकता व भ्रष्टाचार का बोलबाला है, जो अपने पिता वाईएसआर के शासनकाल में नहीं था।

18 जनवरी से फिर से शुरू होगी कांति वेलुगु योजना

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांति वेलुगु योजना का एक नया चरण, जिसका उद्देश्य तेलंगाना की पूरी आबादी को कवर करके सार्वभौमिक आंखों की जांच करना है, 18 जनवरी को फिर से शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया। 15 अगस्त 2018 को शुरू की गई इस योजना को 106 करोड़ रुपये की लागत से राज्य की पूरी आबादी को कवर करने वाले आंखों की जांच करने के लिए पांच महीने के लिए आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य आंखों की जांच कराकर, आंखों की जांच कराकर, चश्मा और दवाएं मुहैया कराकर और जरूरतमंदों को मुफ्त में सर्जरी और अन्य उपचार की व्यवस्था करके अंधेपन से मुक्त तेलंगाना को प्राप्त करना है। पूर्व में लागू कांटी वेलुगु योजना के लिए लोगों की भारी प्रतिक्रिया को देखते हुए, मुख्यमंत्री चाहते थे कि अधिकारी चश्मे और दवाओं की आपूर्ति के साथ-साथ जरूरतमंदों की सर्जरी करने के लिए फुलप्रूफ व्यवस्था करें।

लॉयन्स क्लब हैदराबाद ईस्ट द्वारा मेगाहेल्थ कैंप आयोजित

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लॉयन्स क्लब हैदराबाद ईस्ट द्वारा मेगाहेल्थ कैंप अपोलो अस्पताल के सहयोग से रामकोट सीएसआई सेन्टनरी वेस्ली चर्च के प्रांगण में आयोजित यिका गया। हेल्थ केयर का उद्घाटन चर्च के वाईस चेयरमैन मेदक के टी. भास्कर द्वारा किया गया। इस हेल्थ कैम्प में अपोलो हॉस्पिटल के डॉ. सैयद अकरम अली, डॉ. सिद्धार्थ पोटलूरी, डॉ. मल्लिका और सिस्टर्स अनिता, लक्ष्मी पार्वती, राधा एवं विनिता के साथ चर्च से संबंधित डॉ. मेगदेलीना ने 250 से अधिक व्यक्तियों का परिक्षण किया। जिस मरीजों को ईसीजी की अवश्यकता थी, कैम्प में ही ईसीजी निकाल कर उन्हें आगे उपचार हेतु सलाह दी। कार्यक्रम कैम्प हेतु चर्च के प्रकाश, पीटर संतोष दिवाकर एवं रत्नाकर श्रीमती जया सोलोमन व विलियम केरी ने भरपूर सहयोग प्रदान किया। इसके साथ-साथ लॉयन श्रुतिकांत भारती, प्रोगाम चेयरपर्सन ने इस कार्यक्रम को सफल बानाने हेतु 10-12 दिन अथक परिश्रम कर सफल बनाया। हेल्थ कैम्प में लॉयन विभा भारती, लॉयन निलेश एंड लॉयन देवचंद गाला, लॉयन नरसिंहम्म् व लॉयन शोभा दुबे ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

डॉ. प्रकाश कुमार सीएसआईआर-एनजीआरआई के निदेशक नियुक्त

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. प्रकाश कुमार को सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनजीआरआई), हैदराबाद के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। प्रमुख भूभौतिकीविद् डॉ प्रकाश कुमार को सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनजीआरआई) के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है, वे इसी संस्थान में मुख्य वैज्ञानिक के रूप में कार्यरत थे। डॉ. प्रकाश कुमार ने आईआईटी-भारतीय खान विद्यापीठ, धनबाद से अनुप्रयुक्त भूभौतिकी में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की और उसके बाद पीएच.डी. उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद से भूभौतिकी में प्राप्त की। आप "भूकंपी और गैस हाइड्रेट प्रभाग" का नेतृत्व कर रहे हैं, जो कि सीएसआईआर-एनजीआरआई की सबसे बड़ी अनुसंधान टीमों में से एक है, जिसने हमारे देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए सामरिक योजना के लिए मील का पत्थर कहने लायक योगदान दिया है। उनके अनुसंधान की अभिरुचियों में सक्रिय और निष्क्रिय स्रोत भूकंपविज्ञान शामिल हैं, और उन्होंने विविध विवर्तनिक क्षेत्रों में स्थलमंडल-दुर्बलतामंडल सीमा का प्रतिबिंबन करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आप जीएफजेड-पॉट्सडैम, जर्मनी और भूकंप अनुसंधान संस्थान, टोक्यो, जापान जैसे प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में अभ्यागत अनुसंधानकर्ता थे। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग स्थापित करने के लिए व्यापक रूप से जर्मनी, जापान, फ्रांस और रूस की यात्रा की है।

एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित "स्ट्रक्चर एंड टेक्टोनिक्स ऑफ द इंडियन कॉन्टिनेंटल क्रस्ट एंड इट्स एडजॉइनिंग रीजन: डीप सिस्मिक स्टडीज " नामक पुस्तक का सह-लेखन किया है। उन्होंने नेचर, साइंस, नेचर जियोसाइंस और नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज की कार्यवाही सहित प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में अपना शोध प्रकाशित किया है। डॉ. कुमार ने विभिन्न पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए हैं जिनमें युवा वैज्ञानिक पुरस्कार (सीएसआईआर), कृष्णन पदक (भारतीय भूभौतिकीय संघ) राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार (खान मंत्रालय, भारत सरकार), अन्नी तलवानी स्मारक पुरस्कार (भारतीय भूभौतिकीय संघ), जर्मनी द्वारा डाड फेलोशिप और जापान विज्ञान संवर्धन सोसाइटी (जेएसपीएस) फैलोशिप शामिल हैं। आप राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (एन ए एस आई) के फेलो हैं।

हशमतगंज में विधायक राजा सिंह का भव्य सम्मान

नगर के कई गणमान्यों की महत्ती उपस्थिति रही

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हशमतगंज रेसिडेन्ट एसोसिएशन द्वारा विधायक टी. राजासिंह का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। हशमत गंज में गोविन्द राठी के निवास स्थान पर आयोजित इस सम्मान समारोह में सर्वप्रथम विधायक का स्वागत अध्यक्ष गोविन्द राठी, सुनीत राठी द्वारा किया गया। विधायक राजासिंह के आगमन पर पटाखे, पुष्प वर्षा के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर महेश बैंक के चेयरमैन रमेशकुमार बंग, दि गुजराती वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष जिग्नेश दोशी, प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. मोहन गुप्ता, श्रीमती कलावती जाजू, महेन्द्र बयाल, विमल डालिया, मनोज जायस्वाल, बृज गोपाल भूतडा, रमेश व्यास, पुरुषोतम शर्मा, रूबी मिश्रा, मेधारानी, नित्या पारिख, बाबुगुरु, शंकर यादव, मनोहर सूर्यवंशी द्वारा शाल पहनाकर विधायक राजा सिंह का भव्य स्वागत किया गया। विधायक राजासिंह ने अपने सभी हितैषियों को उनकी रिहाई पर पूजा-पाठ करने तथा कई प्रकार के अभियान चलाने के लिए धन्यवाद दिया।

आबिड्स स्थित ओएसीस प्लाजा में सीए नरसिंगलाल धूत को बधाई देते हुए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश बंग। साथ में हैं कमल डालिया, मनोज डालिया, राघव राठी, कृष्णा असावा, सुमेश बंग, विमला देवी धूत व प्रीति धूत।

अच्छे समाज के कार्य को रूप देने में हरियाणा नागरिक संघ एवं हरियाणा सेवा संघ ने अन्तिम यात्रा रथ, स्वर्ग वाटिका को सौंपा।

अग्रणी विवाह बंधन की बैठक में उपस्थित हैं पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रूपा गुप्ता, राजेन्द्र दीवान, प्रीती गोयल एवं अन्य। बठक में बताया गया कि अब तक 30 से 35 रिश्ते तय किए गये हैं।

बिहार महिला शक्ति ने भव्यता से मनाया वनभोज

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार महिला शक्ति का वनभोज कार्यक्रम इंदिरा पार्क में धूमधाम से संपन्न हुआ। बिहार महिला शक्ति की महासचिव डॉ. आशा मिश्रा ने बताया कि यह आयोजन कार्तिक मास के उपलक्ष्य में किया गया। त्योहारों का महीना कार्तिक मास में आँवला पेड़ के नीचे ख़ाना ख़ाना एवं पेड़ की पूजा करने की भारतीय परंपरा रही है। इस परंपरा को निभाते हुए बिहार महिला शक्ति ने महिलाओं एवं बच्चों के लिए वनभोज का आयोजन किया जिसमें शहरद्वय के विभिन्न भागों से महिलाऐं एवं बच्चे भाग लिए। महिला अध्यक्ष श्रीमती रेखा सिंह के साथ सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने आगंतुकों का स्वागत किया। सभी सदस्य एक दूसरे से हर्षोल्लाश के साथ मिलीं एवं सबने अपना अपना परिचय दिया। नृत्य संगीत के बीच अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं महिलाओं तथा बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। श्रीमती नीजू सिंह, श्रीमती पूजा मिश्रा एवं श्रीमती प्रियंका सिंह के नेतृत्व में महिलाओं के लिए पासिंग द पार्सल, ब्लाइंडफोल्ड एवं रूमाल झपट गेम तथा बच्चों के लिए कई खेल प्रतियोगिताऐं करवायी गई जिसमें सभी प्रतिभागियों ने पूर्ण उत्साह एवं जोश के साथ भाग लिया ।

इन खेलों की महिला विजेता प्रियंका सिंह, नेहा सिंह, कोमल एवं नीतू मौर्या रहीं तथा बच्चों में आदी, देवांशी, आराध्या, अयान, मनीथ विश्वकर्मा, अनुराग़ झा, आरूष झा, अथर्व, आदित्री आदि विजेता रहे।

परामर्शदाता श्रीमती सुधा राय के नेतृत्व में सदस्यों ने तंबोला का आनंद उठाया।

सभी विजेताओं को विभिन्न पुरस्कारों से नवाज़ा गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला कोषाध्यक्ष श्रीमती अनीता सिंह का विशेष योगदान रहा। साथ ही श्रीमती उषा कुमारी, श्रीमती बिनीता सिंह, श्रीमती सुनीता यादव, श्रीमती बेबी झा तथा श्रीमती करुणा सिंह आदि कार्यकारिणी सदस्यों ने सराहणीय सहयोग दिया।

उपर्युक्त सदस्यों के अतिरिक्त सर्वश्रीमती निभा झा, विनीता राय, नीलम सिंह, बीना सिंह, रंजू सिंह, मधु सिंह, रीना, कल्पना, कविता, प्रेमशीला सिंह, रूपा सिंह, हेमा सिंह आदि ने अपनी उपस्थिति प्रदान कर और विभिन्न रूपों से योगदान देकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

टीआरएस सरकार का मुस्लिम कोटा घटाना अवैध और असंवैधानिक : शब्बीर

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और टीपीसीसी राजनीतिक मामलों की समिति के संयोजक मोहम्मद अली शब्बीर ने राज्य सरकार द्वारा सरकारी नौकरियों में मुस्लिम कोटा को मौजूदा 4% से घटाकर 3% करने की रिपोर्ट पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। शुक्रवार को गांधी भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, शब्बीर अली ने कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में तेलंगाना राज्य और अधीनस्थ सेवा नियम 1969 के नियम 22 और 22 ए के तहत सीधी भर्ती के लिए रोस्टर अंक निर्धारित करते हुए एक जीओ जारी किया है। नए नियमों में, मुस्लिम कोटा नौकरियों में 4% के बजाय 3% कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर नए रोस्टर पर स्पष्टीकरण मांगा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

दोस्त की गर्दन में 100 ...

मुफस्सिल पुलिस के मुताबिक मनोज यादव का मोबाइल शव के पास से नहीं मिला था। पुलिस ने मोबाइल नंबर को सर्विलांस पर डाल दिया। इसके आधार पर मोबाइल रखने वाले युवक को गिरफ्तार किया गया। वह मनोज यादव का दोस्त ही निकला। उसने पूछताछ में हत्या की वजह और शामिल दो और दोस्तों के नाम बताए। उसकी निशानदेही पर दूसरे दोस्त को भी गिरफ्तार किया गया।

9 नवंबर को मनोज यादव अपने तीन दोस्त नयन प्रकाश दास(19), धीरज शर्मा(18) और सनी पासी(19) के साथ घर से अहिरौली में हो रहे यज्ञ देखने के लिए निकला था। रास्ते में कृतपुरा चिमनी के पास सभी ने पहले ड्रग्स ली। अधिक डोज लेने को चारों में विवाद हो गया। आरोपियों ने बताया कि तीन-तीन डोज चारों ने ली थी। आखिरी डोज के लिए झगड़ा शुरू हो गया। मनोज वो डोज मांग रहा था। इसी को लेकर पहले मारपीट हुई फिर सभी ने मनोज को पकड़ कर ड्रग्स की सुई को 100 से अधिक बार गर्दन के पास चुभा दिया। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस जांच में भी यह बात सामने आई थी।

गिरफ्तार दोनों युवक मुफ्फसिल थाना क्षेत्र स्थित चौसा के निवासी हैं। आरोपी नयन प्रकाश दास (19) पूर्व जिला परिषद डीआर दास का बेटा है। दूसरा आरोपी युवक धीरज शर्मा आरटीआई कार्यकर्ता जय प्रकाश शर्मा का पुत्र है। जय प्रकाश शर्मा का कहना है कि आरटीआई के तहत सूचना मांगने के कारण हमारे बेटे को थानाध्यक्ष ने जानबूझकर फंसाया है। मेरा बेटा इस हत्या में शामिल नहीं है। तीसरा आरोपी सनी पासी फरार है।

शशि शरुर बोले-आंबेडकर...

उनके लिए महीने के मुश्किल दिनों के लिए भी ज्यादा अवकाश देने की मांग उठाई।

आंबेडकर ने 1938 में महिलाओं के लिए एक विधेयक पास कराने की कोशिश की, जिसमें सरकारी फंड से बर्थ कंट्रोल को लेकर अभियान चलाने की बात थी। हालांकि उनका ये विधेयक पास नहीं हो सका। 1975 में अमेरिका में भारत की छवि बेहद खराब थी। उसे सपेरों का देश समझा जाता था, लेकिन उसके बाद हमने तेजी से विकास किया। आज जब हम अमेरिका की स्थिति और भारत में मैरिटल रेप कानून को लेकर चल रही बहस को देखते हैं तो पता चलता है कि आंबेडकर ने दुनियाभर में महिलाओं के अधिकारों के लिए आवाज उठाई।

उन्होंने महिलाओं के मुद्दों को उस समय उठाया जब उन पर कोई ध्यान नहीं देता था। समाज में महिलाओं के अधिकार पुरुषों के लिए कोई मायने नहीं रखते थे। आंबेडकर ने दलितों के अधिकारों की बात तब की जब सवर्णों को लगता था कि ये स्वतंत्रता संग्राम से ध्यान भटकाने वाला साबित होगा। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस के सांसद शशि थरूर ने कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी की थी। हालांकि चुनाव में मल्लिकार्जुन खड़गे की जीत हुई।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ट्रोलर्स पर भड़क गए। दरअसल, एक लड़की ने थरूर के साथ फोटो खिंचवाकर ट्विटर पर पोस्ट की थी। इस पोस्ट पर ट्रोलर्स ने आपत्तिजनक कमेंट्स करने शुरू कर दिए। इससे परेशान होकर लड़की को पोस्ट डिलीट करनी पड़ी। वहीं, थरूर भी इससे नाराज हो गए और ट्रोलर्स को नसीहत दे डाली। उन्होंने कहा कि अपना बीमार दिमाग अपने पास ही रखें।

मुकेश अंबानी नाना बने....

ईशा अंबानी के पति आनंद पीरामल एक बिजनेसमैन हैं। वे पीरामल इंटरप्राइजेज के मालिक अजय पीरामल और स्वाती पीरामल के बेटे हैं। वे यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिल्वेनिया से इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएट हैं। उन्होंने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर्स किया है। अभी वे पीरामल ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं।

भारत ने न्यूजीलैंड को 65 रन से हराया

तीन मैच की सीरीज में 1-0 से बढ़त बनाई, सूर्यकुमार का तूफानी शतक

खेल डेस्क, 20 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला भारत ने 65 रन से जीत लिया है। सीरीज का पहला मैच बारिश से धुल गया था। उस मैच में टॉस भी नहीं हो सका। ऐसे में भारत ने इस मैच को जीतकर सीरीज में 1-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सूर्यकुमार के शतक के चलते न्यूजीलैंड के सामने 192 रन का लक्ष्य रखा। वहीं, न्यूजीलैंड के लिए टिम साउदी ने हैट्रिक ली। इसके जवाब में कीवी टीम 18.5 ओवर में 126 रन ही बना पाई और मुकाबला 65 रन से हार गई।

भारत ने सीरीज के दूसरे टी20 मैच में न्यूजीलैंड को 65 रन से हरा दिया है। इसके साथ ही टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की अजेय बढ़त बना ली है। पहला मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था, लेकिन दूसरा मैच जीतकर भारत ने 1-0 की बढ़त बना ली है। अब आखिरी मैच जीतकर भारत 2-0 से सीरीज जीत सकता है। वहीं, कीवी टीम के पास आखिरी मैच जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर करने का मौका है।

इस मुकाबले में भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट खोकर 191 रन बनाए। भारत के लिए सूर्यकुमार यादव ने नाबाद 111 रन बनाए। ईशान किशन ने 36 रन बनाए और हार्दिक-श्रेयस ने 13-13 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड के लिए टिम साउदी ने तीन और लोकी फर्ग्यूसन ने दो विकेट लिए।

इस मैच में सूर्यकुमार यादव ने शतक लगाया। टी20 क्रिकेट में भारत के लिए यह उनका दूसरा शतक था। पहला शतक भी उन्होंने इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ लगाया था। वह रोहित शर्मा के बाद दूसरे भारतीय हैं, जिन्होंने एक साल के अंदर दो शतक लगाए हैं। वहीं, इस मैच में हैट्रिक लेने वाले टिम साउदी दुनिया के दूसरे गेंदबाज बने, जिन्होंने टी20 में दो हैट्रिक ली हैं। उन्होंने इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ हैट्रिक ली थी। लसिथ मलिंगा पहले गेंदबाज हैं, जिन्होंने टी20 में दो हैट्रिक ली हैं।

दीपक हुड्डा ने भारत को नौवीं सफलता दिलाई है। इस मैच में वह तीन विकेट ले चुके हैं। उन्होंने अपने तीसरे ओवर में ईश सोढ़ी और टिम साउदी को अपना शिकार बनाया। इसके बाद मिल्ने को आउट कर उन्होंने भारत को

65 रन से जीत दिला दी। इस मैच में उन्होंने चार विकेट लिए।

केन विलियमसन ने अपने करियर का 17वां अर्धशतक लगाया है। उन्होंने 18वें ओवर में मोहम्मद सिराज की गेंद पर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने भारत के खिलाफ तीसरा अर्धशतक लगाया है।

न्यूजीलैंड को पांचवां झटका 16वें ओवर की पांचवीं गेंद पर लगा। मोहम्मद सिराज ने मिशेल सेंटनर को पवेलियन भेज दिया। सेंटनर का कैच खुद सिराज ने ही लिया। सेंटनर ने सात गेंद पर दो रन बनाए। न्यूजीलैंड ने 16 ओवर में छह विकेट पर 99 रन बना लिए हैं। केन विलियमसन 44 गेंद पर 44 रन बनाकर नाबाद हैं। एडम मिल्ने खाता खोले बगैर नाबाद हैं।

89 रन के स्कोर पर न्यूजीलैंड की आधी टीम पवेलियन लौट चुकी है। युजवेन्द्र चहल ने जेम्स नीशम को आउट कर भारत को पांचवीं सफलता दिलाई। इस मैच में यह उनकी दूसरी सफलता है। 14 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 91 रन है।

88 रन के स्कोर पर न्यूजीलैंड का चौथा विकेट गिरा है। दीपक हुड्डा ने डेरिल मिशेल को श्रेयस अय्यर के हाथों कैच कराया। मिशेल ने 11 गेंद में 10 रन बनाए। अब इस मैच में भारतीय टीम की पकड़ मजबूत होती जा रही है। 13 ओवर के बाद कीवी टीम का स्कोर चार विकेट पर 88 रन है और बाकी सात ओवर में न्यूजीलैंड को जीत के लिए 104 रन की जरूरत है।

न्यूजीलैंड का स्कोर तीन विकेट

51 बॉल | 217.64 स्ट्राइक रेट | 11/7 चौके/छक्के

के नुकसान 80 रन के पार जा चुका है। केन विलियम्सन और डेरिल मिशेल क्रीज पर हैं। 12 ओवर में कीवी टीम ने तीन विकेट पर 85 रन बनाए हैं।

69 रन के स्कोर पर न्यूजीलैंड का तीसरा विकेट गिरा है। युजवेन्द्र चहल ने ग्लेन फिलिप्स को आउट कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई है। फिलिप्स ने छह गेंद में 12 रन बनाए। चहल ने उन्हें क्लीन बोल्ड किया। अब कीवी टीम मुश्किल में दिख रही है। 10 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 71 रन है।

56 रन के स्कोर पर न्यूजीलैंड का दूसरा विकेट गिरा है। वाशिंगटन सुंदर ने डेवोन कॉन्वे को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई है। कॉन्वे ने 22 गेंद में 25 रन बनाए। नौ ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर दो विकेट पर 63 रन है।

एक विकेट के नुकसान पर न्यूजीलैंड का स्कोर 50 रन के पार जा चुका है। केन विलियम्सन और डेवोन कॉन्वे के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हो चुकी है। दोनों बल्लेबाज अब स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ तेजी से रन बना रहे हैं और कीवी टीम मैच में बनी हुई है। आठ ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर एक विकेट पर 56 रन है।

कीवी टीम ने शुरुआती छह ओवर में एक विकेट खोकर 32 रन बनाए हैं। केन विलियम्सन और डेवोन कॉन्वे क्रीज पर हैं। दोनों सूझबूझ के साथ बल्लेबाजी कर रहे हैं और कीवी टीम को मैच में बनाए हुए हैं।

चार ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर एक विकेट पर 16 रन है। कप्तान केन विलियम्सन और डेवोन कॉन्वे क्रीज पर हैं। दोनों संभलकर बल्लेबाजी कर रहे हैं और न्यूजीलैंड की पारी को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, 192 रन का पीछा करने के लिए कीवी टीम को इससे बेहतर शुरुआत की जरूरत थी।

192 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने बेहद खराब शुरुआत की है। विस्फोटक फिन एलेन खाता खोले बिना आउट हो चुके हैं। भुवनेश्वर कुमार ने मैच की दूसरी गेंद पर उन्हें अर्शदीप सिंह के हाथों कैच आउट कराया। अब केन विलियम्सन और डेवोन कॉन्वे क्रीज पर हैं। एक ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर एक विकेट पर एक रन है।

भारत ने न्यूजीलैंड के सामने 192 रन का लक्ष्य रखा है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे भारत की शुरुआत कुछ खास नहीं थी। 36 रन के स्कोर पर भारत का पहला विकेट गिरा, जब ऋषभ पंत 13 गेंद में छह रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ईशान किशन ने तेजी से रन बनाकर भारत का स्कोर 50 के पार पहुंचाया, लेकिन वह भी 31 गेंद में 36 रन बनाकर आउट हो गए। इस मैच में बारिश की वजह से 27 मिनट के खेल का नुकसान हुआ, लेकिन ओवरों की संख्या में कोई कटौती नहीं की गई है।

एक छोर पर सूर्यकुमार यादव ने पारी संभाली और तेजी से रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे। श्रेयस अय्यर नौ गेंद में 13 रन बनाकर हिट विकेट हुए। वहीं, कप्तान हार्दिक ने 13 गेंद में 13 रन बनाए। दीपक हुड्डा और वाशिंगटन सुंदर अपना खाता भी नहीं खोल पाए। अंत में सूर्यकुमार यादव 51 गेंद में 111 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और सात छक्के लगाए। उनके शतक के चलते भारत ने छह विकेट खोकर 191 रन बनाए और न्यूजीलैंड के सामने 192 रन का लक्ष्य रखा।

न्यूजीलैंड के लिए टिम साउदी ने तीन और लोकी फर्ग्यूसन ने दो विकेट लिए। ईश सोढ़ी को एक विकेट मिला।

टिम साउदी ने इस मैच में हैट्रिक पूरी कर ली है। उन्होंने टी20 क्रिकेट में दूसरी बार हैट्रिक ली है। इससे पहले उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ यह कारनामा किया था। इस मैच में साउदी ने पहले कप्तान हार्दिक पांड्या फिर दीपक हुड्डा और वाशिंगटन सुंदर को आउट किया। तीनों बल्लेबाज कैच आउट हुए।

कौन होंगे टीम इंडिया के नए सेलेक्टर्स

4 बड़े खिलाड़ी करने वाले हैं अप्लाई

खेल डेस्क, 20 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के बाद अपनी सीनियर चयन समिति को बदलने का फैसला किया था और इसलिए पूर्व समिति को बर्खास्त कर दिया था.

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी टी20 विश्व कप-2022 में खिताब से चूकने के बाद बड़ा फैसला लिया था और चेतन शर्मा की अध्यक्षता वाली सीनियर चयन समिति को बर्खास्त कर नई चयन समिति के लिए आवेदन मांगे थे. इसके लिए कई दिग्गज तैयार बैठे हैं. खबर है कि दो पूर्व विकेटकीपर और एक पूर्व तेज गेंदबाज इसके लिए आवेदन कर सकते हैं. इनके अलावा एक पूर्व लेग स्पिनर का नाम भी चर्चा में है. बीसीसीआई ने कुछ ही दिन पहले एक बयान जारी कर बताया था कि वह नई चयन समिति बनाने के लिए तैयार है.

अंग्रेजी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के पूर्व विकेटकीपर नयन मोंगिया, समीर दीघे और सलील अंकोला चयन समिति में शामिल होने के लिए आवेदन करेंगे. वहीं पूर्व लेग स्पिनर लक्ष्मण शिवारामाकृष्णनन भी चयन समिति के लिए अप्लाई कर सकते हैं.

अजित अगरकर भी करेंगे अप्लाई?

पिछली बार भारत के पूर्व तेज गेंदबाज अजित अगरकर चयन समिति का हिस्सा बनने से करीब से चूक गए थे. उनकी जगह मुंबई के पूर्व तेज गेंदबाज और उनके पूर्व साथी अभय कुरुविला को चेतन शर्मा वाली चयन समिति में जगह मिली थी. इस बार भी चर्चा है कि अगरकर आवेदन कर सकते हैं, अखबार ने हालांकि अपनी रिपोर्ट में अगरकर अप्लाई करेंगे इस बात की चर्चा है लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है.

कौन बनेंगे मुख्य चयनकर्ता

शिवारामाकृष्णनन ने पिछले साल भी अप्लाई किया था लेकिन कर्नाटक के बाएं हाथ के स्पिनर सुनील जोशी से मात खा गए थे. इस बार इस लेग स्पिनर को नाम समिति में शामिल किया जा सकता है. बीसीसीआई के नियम के मुताबिक जिस शख्स के पास सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने का अनुभव होगा वो मुख्य चयनकर्ता की कुर्सी पर बैठेगा. शिवारामाकृष्णनन ने नौ टेस्ट और 16 वनडे मैच खेले हैं. मोंगिया ने भारत के लिए 40 टेस्ट और 140 वनडे मैच खेले हैं. अंकोला ने भारत के लिए एक टेस्ट और 20 वनडे मैच खेले हैं. वह इस समय मुंबई के मुख्य चयनकर्ता हैं.

और बदलाव होंगे?

टी20 विश्व कप की निराशा के बाद बीसीसीआई ने चयन समिति को बर्खास्त कर ये तो बता दिया है कि वह बदलाव के मूड में है. लेकिन अब ये देखना होगा कि बदलाव यहीं पर रुक जाते हैं या फिर आगे जारी रहते हैं.

ऐसी भी खबरें हैं कि बीसीसीआई सीमित ओवरों में दो कप्तानों के बारे में विचार कर रही है. टी20 टीम की कप्तानी हार्दिक पंड्या को सौंपी जा सकती है जबकि वनडे टीम कमान रोहित के पास ही रहेगी.

फुटबॉल वर्ल्ड कप से पहले 5 बड़े खिलाड़ी चोटिल

सादियो माने के बाद फ्रांस के करीम बेंजेमा टूर्नामेंट से हटे

दोहा, 20 नवंबर (एजेंसियां)। आज से कतर में फीफा वर्ल्ड कप शुरू हो रहा है। लेकिन, दर्शकों के लिहाज से दुनिया के सबसे बड़े खेल इवेंट में खिलाड़ियों के चोटिल होने का सिलसिला जारी है। अब वर्ल्ड चैंपियन फ्रांस के स्ट्राइकर करीम बेंजेमा चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गए हैं।

फ्रेंच फुटबॉल संघ ने शनिवार को यह जानकारी दी। बेंजेमा अपनी बाईं जांघ में चोट के चलते बाहर हुए है। उन्हें तकरीबन तीन-चार हफ्तों की रिकवरी से गुजरना होगा। टीम के कोच डिडिएर डेस चैंप्स ने कहा- 'मैं उसके लिए बहुत दुखी हूं। उसने वर्ल्ड कप को अपना गोल बनाया था। इस चोट के बाद भी मुझे टीम पर पूरा विश्वास है। हम चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।'

याद दिला दें कि बेंजेमा को एक महीने पहले फुटबॉल का सबसे प्रतिष्ठित बैलन डी'ओर मिला था। वे वर्ल्ड कप से पहले चोटिल होने

वाले फ्रांस के 5वें खिलाड़ी हैं। उनसे पहले मिडफील्डर एनगोलो कांते और पॉल पोग्बा, एनकुकू और डिफेंडर किम्पेम्बे टूर्नामेंट से हट चुके हैं।

टूर्नामेंट से ठीक पहले हटे ये खिलाड़ी

इस टूर्नामेंट से कई खिलाड़ी हट चुके हैं। लेकिन, 5 नाम ऐसे हैं, जो टूर्नामेंट से ठीक पहले चोट के कारण बाहर हुए हैं।

निकोलस गोंजालेज, अर्जेंटीना गुरुवार को चोटिल हुए। अब तक अर्जेंटीना 3 खिलाड़ी चोटिल हो चुके हैं।

जोक्विन कोरिया, अर्जेंटीना गोंजालेज के साथ कोरिया के चोटिल के कारण वर्ल्ड कप के हटने की सूचना आई।

जोस लुइस गया, स्पेन गाया की जगह बार्सिलोना के लिए क्लब फुटबॉल में खेलने वाले अलेजांद्रो ब्लेड को शामिल किया।

सादियो माने, सेनेगल माने को चोट के बावजूद भी टीम में चुना गया था। लेकिन, वे समय पर रिकवरी नहीं कर सके।

2 दिन पहले हटे थे सादियो माने

शुक्रवार को सेनेगल के कप्तान और स्टार फॉरवर्ड सादियो माने चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। वे इंजरी से रिकवर कर रहे थे। माने ने सेनेगल के लिए अब तक खेले 92 मैच में 33 गोल दागे हैं। पहले वे इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब लिवरपूल की ओर से खेलते थे। अब वे बायर्न म्यूनिख का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पिछले वर्ल्ड कप में भी नहीं खेल सके थे बेंजेमा

रियाल मैड्रिड का यह खिलाड़ी इस बार भी वर्ल्ड कप में हिस्सा ले। बेंजेमा पिछला संस्करण भी विवादों के चलते नहीं खेल पाए थे और 8 साल बाद एक बार फिर उनके वर्ल्ड कप खेलने की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। वह 2014 में आखिरी बार वर्ल्ड कप खेले थे जिसमें जर्मनी की टीम चैंपियन बनी थी।

भारत के पूर्व फुटबॉलर का निधन

मोहन बागान, ईस्ट बंगाल के साथ जीते कई खिताब

खेल डेस्क, 20 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व खिलाड़ी बाबू मनी बंगाल के मशहूर फुटबॉल क्लबों-ईस्ट बंगाल और मोहन बागान के लिए खेले थे और दोनों के साथ उन्होंने कई टूर्नामेंट अपने नाम किए थे. भारत के बेहतरीन फॉरवर्ड प्लेयर्स में शुमार पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी बाबू मानी का शनिवार को 59 साल की उम्र में निधन हो गया. अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है.मनी ने 1984 में कोलकाता में नेहरू कप में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था. उन्होंने भारत के लिए 55 इंटरनेशनल मैच खेले.

मनी 1984 में एएफसी एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे.

सिंगापुर में वह पूरा टूर्नामेंट खेले थे. उनके करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि 1984 का एशिया कप ही रहा था. इसके अलावा मनी ने दो बार एसएएफ गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था. उन्होंने 1985 और 1987 में ये पदक अपने नाम किए थे. वह भारत के मशहूर फुटबॉल क्लब ईस्ट बंगाल के लिए भी खेले थे.

एआईएफएफ ने जताया दुख

एआईएफएफ ने एक बयान जारी कर उनके निधन पर दुख जताया है. बयान में एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे के हवाले से लिखा है, "मुझे इस बात को सुनकर बेहद दुख पहुंचा कि अपने समय के बेहतरीन फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार बाबू मनी का निधन हो गया. हम हमेशा उन्हें भारतीय फुटबॉल में उनको दिए गए योगदान के लिए याद रखेंगे. इस मुश्किल समय में मेरी दुआएं उनके परिवार के साथ हैं."

कतर पर मैच फिक्सिंग का आरोप

8 खिलाड़ियों को 60 करोड़ का ऑफर

खेल डेस्क, 20 नवंबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप के मेजबान कतर पर पहले से ही फीफा के अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप है. अब उनपर विरोधी टीम को भी पैसा देने का आरोप लगा है.

फीफा वर्ल्ड कप 2022 का मेजबान देश कतर लगातार विवादों में है. पहले उसपर मेजबानी के लिए फीफा के अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप लगा. वहीं अब वर्ल्ड कप शुरू होने से ठीक पहले उनपर एक और बड़ा आरोप लगा है जिससे दुनिया भर के फुटबॉल फैंस काफी हैरान और निराश होंगे.

टेनिस को घर-घर पहुंचाने वाली सानिया मिर्जा

सबसे कम उम्र में पद्मश्री पाने वाली खिलाड़ी, हैदराबाद-दुबई में आलीशान बंगले

खेल डेस्क, 20 नवंबर (एजेंसियां)। सानिया मिर्जा...देश की प्रमुख टेनिस खिलाड़ियों में से एक। बेहतरीन टेनिस के जरिए दुनियाभर में अपने नाम का डंका बजा चुकी खिलाड़ी। महिला टेनिस संघ यानी डब्ल्यूटीए का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला। बेहतरीन खेल के लिए जिन्हे 2004 में अर्जुन अवार्ड, 2006 में पद्मश्री और 2015 में राजीव गांधी खेल रत्न से नवाजा गया। उन्हें सिर्फ 19 साल की उम्र में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। सानिया भारत की एकमात्र ऐसी खिलाड़ी हैं जो यूएस ओपन के सिंगल्स मुकाबलों के चौथे दौर तक पहुंची। 2015-16 के दौरान डबल्स में दुनिया की नंबर-एक खिलाड़ी रह चुकी सानिया ने जनवरी 2022 में अपने रिटायरमेंट की घोषणा कर दी थी। फिलहाल सानिया अपने तलाक और एक नए शो को लेकर चर्चा में हैं। पाकिस्तानी मीडिया की मानें तो इंडियन टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक तलाक की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि शोएब ने सानिया को धोखा दिया है और अभी दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। इसी बीच यह खबर भी सामने आई है कि ये दोनों पाकिस्तानी चैनल पर एक टॉक शो में नजर आएंगे। इस टॉक शो का नाम 'द मिर्जा मलिक शो' है।

आज लग्जरी लाइफ में जानिए सानिया मिर्जा के बारे में...

देश की सबसे सफल महिला टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा के पास मौजूदा समय में हैदराबाद और दुबई में आलीशान घर हैं। हैदराबाद वाला बंगला उन्होंने 2012 में खरीदा था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस लग्जरी बंगले की कीमत 13 करोड़ रुपए है। हैदराबाद वाले इस बंगले में प्रैक्टिस के लिए एक टेनिस कोर्ट भी मौजूद है। फिलहाल सानिया दुबई के आलीशान घर में रहती हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि वह लगभग 12 साल से दुबई में रह रही हैं और मानती हैं कि एक बार आप दुबई में रह लेते हैं तो और कहीं नहीं रहना चाहेंगे।

15 नवंबर 1986 को जन्मी सानिया ने 6 साल की उम्र से ही टेनिस खेलना शुरू कर दिया था। शुरुआती दिनों में महेश भूपति के पिता और सफल टेनिस प्लेयर सीके भूपति ने उन्हें कोचिंग दी। टेनिस के साथ-साथ सानिया क्रिकेट और स्विमिंग की भी बेहतरीन खिलाड़ी हैं। लेकिन करियर के लिए उन्होंने टेनिस ही चुना। मात्र 14 साल की उम्र में पहली बार विश्व जूनियर टेनिस चैंपियनशिप के जरिए अपने खेल करियर की शुरुआत की। इसके बाद साल 2006 में हुए एशियाई खेलों में लिएंडर पेस के साथ मिक्सड डबल्स में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसी के साथ साल 2009 में मिक्सड डबल्स में ऑस्ट्रेलियन ओपन, साल 2012 में फ्रेंच ओपन, साल 2014 में यूएस ओपन, 2015 में विंबलडन और 2016 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जैसे कई खिताब अपने नाम किए।

जब सानिया अपने करियर के टॉप पर थी, ठीक उसी दौर में सानिया से शादी करने का फैसला लिया। 12 अप्रैल 2010 को उन्होंने पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक से हैदराबाद में निकाह कर लिया। एक इंटरव्यू में शोएब मलिक ने बताया था कि वो 2003 में पहली बार सानिया से मिले थे, उनकी दोबारा मुलाकात 2009 में आस्ट्रेलिया के होबार्ट में हुई। जिसके बाद दोनों ने शादी का फैसला लिया। शादी के 8 साल बाद 2018 में सानिया ने एक बेटे को भी जन्म दिया।

सानिया मिर्जा अपने करियर के दौरान कई बार विवादों में भी घिरीं। टेनिस मैचों के दौरान छोटी ड्रेस पहनने के लिए मुस्लिम संगठनों ने उनकी आलोचना की। एक मुस्लिम स्कॉलर ने तो उनके खिलाफ फतवा तक जारी कर दिया था। 2008 में तिरंगे के अपमान के भी उन पर आरोप लगे। कहा गया कि उन्होंने एक समारोह के दौरान तिरंग को पैरों से छुआ। इस मामले में उन पर केस भी दर्ज हुआ। लेकिन सानिया कभी किसी विवाद से विचलित नहीं हुई और उनसे बाहर आती रहीं।ॉ

सानिया जब अपने खेल के शिखर पर थीं, तब वो अपने फैशन सेन्स को लेकर भी काफी चर्चा में रहती थीं। कई मैग्जीन के कवर पेज से लेकर लोगों के बीच ग्लैमर गर्ल के नाम से भी मशहूर थीं।

नीरज चोपड़ा और तीन एथलीटों को मिली विदेश में ट्रेनिंग की मंजूरी

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय ने टॉप्स (टार्गेट ओलंपिक पोडियम स्कीम) के तहत इन खिलाड़ियों को विदेश में ट्रेनिंग की मंजूरी दे दी है। नीरज चोपड़ा और तीन एथलीटों के ऊपर सरकार करीब 94 लाख रुपये खर्च करेगी। सरकार ने स्टार भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और तीन अन्य एथलीटों की मदद के लिए बड़ा फैसला किया है। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय ने टॉप्स (टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम) के तहत इन खिलाड़ियों को विदेश में ट्रेनिंग की मंजूरी दे दी है। नीरज चोपड़ा और तीन एथलीटों के ऊपर सरकार करीब 94 लाख रुपये खर्च करेगी। इसके लिए उसने फंड जारी कर दिया है। ये खिलाड़ी विदेश में अलग-अलग कैंपों में हिस्सा लेंगे। नीरज इन दिनों अगले सीजन के लिए तैयारी कर रहे हैं। नीरज ने 2022 सीजन शानदार अंदाज में खत्म किया। उन्होंने सितंबर में ज्यूरिख में हुए डायमंड लीग फाइनल में 88.84 मीटर के जेवलिन थ्रो के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वह डायमंड लीग फाइनल ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। नीरज ने चोट की वजह से इस साल हुए राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा नहीं लिया था। नीरज का लक्ष्य 90 मीटर के आंकड़े को छूना है और वह इसी की तैयारी कर रहे हैं। अगले सीजन में नीरज को 2023 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा लेना है। इस टूर्नामेंट का आयोजन अगले साल 19 से 27 अगस्त के बीच हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में होगा। वहीं, इसके बाद चीन के ह्वांगझू में एशियन गेम्स खेला जाना है। 2024 में होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफिकेशन प्रोसेस अगले साल शुरू होगा।

भाजपा के खिलाफ झूठा अभियान चला रहे हैं विरोधी : किशन रेड्डी

केंद्रीय मंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित किया

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज दावा किया कि पूरी दुनिया में उनकी पार्टी के सदस्यों की संख्या सबसे अधिक है। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से छोटे-मोटे मतभेदों के बावजूद अगले विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। शमीरपेट के एक रिसॉर्ट में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि उनके कुछ राजनीतिक विरोधी उनकी पार्टी के खिलाफ झूठा अभियान चला रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी अपने कार्यक्रमों का प्रचार करने के बजाय पार्टी नेताओं पर झूठे आरोप लगा रही है। रेड्डी ने दावा किया कि टीआरएस पार्टी ने हाल ही में मुनुगोडु उपचुनाव में मतदाताओं को धमकी देकर जीत हासिल की थी कि वह चल रहे कल्याणकारी कार्यक्रमों को रोक देगी। उन्होंने कहा कि टीआरएस पार्टी के झूठे अभियान को रोकने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को हर समय तैयार रहना चाहिए और कहा कि पार्टी को किसी भी कीमत पर राज्य में सत्ता में आना चाहिए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय कुमार, प्रदेश पार्टी प्रभारी तरुण चुग और पार्टी के अन्य नेताओं ने भी भाग लिया।

मेरे भाई पवन से राजनीति संभव : चिरंजीवी

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अलग तेलंगाना राज्य के गठन के बाद राजनीति छोड़ चुके मेगास्टार चिरंजीवी ने एक बार फिर इस मुद्दे पर अपना मुंह खोला है। उन्होंने कहा कि उनके छोटे भाई पवन कल्याण राजनीति कर सकते हैं और एक सफल राजनेता बन सकते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि वह राजनीति में जारी नहीं रह सकते। येरामिली नारायण मूर्ति कॉलेज द्वारा आयोजित एक पूर्व छात्र बैठक में एक सभा को संबोधित करते हुए, चिरंजीवी ने कहा कि राजनीति में नकारात्मक टिप्पणियों का सामना करना आवश्यक है और कहा कि नकारात्मक दिमाग से राजनीति में सफल होना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि उनके भाई में न केवल चार शब्द बोलने की क्षमता है, बल्कि उनके राजनीतिक विरोधियों की आलोचना भी होती है। उन्होंने कहा कि भविष्य में पवन कल्याण अपने लक्ष्य तक पहुंचेगा, उन्होंने लोगों का समर्थन मांगा। चिरंजीवी अपनी लगातार राजनीतिक टिप्पणियों से खुद को खबरों में रखते हैं। हाल ही में, अनंतपुर में की गई उनकी टिप्पणी कि वह अपने आसपास की घटनाओं के बारे में मूकदर्शक नहीं रहेंगे, सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं।

जल्द ही 2,000 ग्राम अस्पताल शुरू करेगी सरकार : हरीश राव

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने सूचित किया है कि सभी एएनएम केंद्रों को ग्राम अस्पताल के रूप में अपग्रेड किया जाएगा और इसके हिस्से के रूप में, राज्य सरकार इस महीने पूरे तेलंगाना राज्य में 2,000 ग्राम अस्पताल शुरू करेगी। रविवार को यहां सहायक नर्स मिडवाइफ (एएनएम) के दूसरे सम्मेलन को संबोधित करते हुए, स्वास्थ्य मंत्री ने एएनएम कार्यकर्ताओं की सेवाओं की सराहना की, जिन्होंने कोविड-19 सकारात्मक रोगियों को कोविड-19 पाजिटिव रोगियों को इलाज प्रदान करते हुए अपनी जान जोखिम में डाल दी। उन्होंने कहा कि एएनएम कार्यकर्ता प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के निर्वहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और उन्हें उन कमजोर लोगों की पहचान करने के लिए भी कहा जो प्रारंभिक अवस्था में मधुमेह, कैंसर और अन्य बीमारियों से पीड़ित हैं और उन्हें अग्रिम उपचार के लिए सिफारिश करने के लिए कहा है।

यह कहते हुए कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की सीमा के तहत शुरू की गई 350 बस्ती दवाखाना सफलतापूर्वक चल रही हैं, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आने वाले दिनों में जिलों में बस्ती दवाकाना शुरू करने की भी योजना बना रही है।

राज्य में बढी शीत लहर, 11 जिलों में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट आ रही है और 11 जिलों के लिए मौसम की चेतावनी जारी की गई है। कुमराम भीम, संगारेड्डी और कामारेड्डी सात डिग्री सेल्सियस तापमान पर कांप रहे हैं।

राज्य के कुमराम भीम में सबसे कम न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद संगारेड्डी में 7.5 डिग्री सेल्सियस और कामारेड्डी में 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के 11 जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। तेलंगाना स्टेट डेवलपमेंट एंड प्लानिंग सोसाइटी के अनुसार, अन्य जिलों के अधिकारियों को न्यूनतम तापमान में गिरावट के मद्देनजर सतर्क रहने को कहा गया है। राज्य भर में अगले तीन दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने और शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

जल्द पर्यटन स्थल बनेगी रामगुंडम कोयला खदान

पेद्दापल्ली, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोयले की खदान में उतरना कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे करने का कई लोगों को मौका मिला हो। मुट्ठी भर फिल्मों या कुछ दुर्लभ वृत्तचित्रों को छोड़कर, एक खदान के अंदरूनी हिस्से, जो पृथ्वी की आंतों में गहराई तक फैले हुए हैं, अधिकांश के लिए अज्ञात क्षेत्र हैं। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) प्रबंधन के साथ एक कोयला खदान को पर्यटन स्थल में बदलने की योजना के साथ यह बदलने के लिए पूरी तरह तैयार है।

इसके लिए एससीसीएल ने रामागुंडम-द्वितीय क्षेत्र में बंद सात एलईपी (जीवन विस्तार परियोजना) खदान को चुना है, जो रामागुंडम नगर निगम में आवासीय इलाकों के काफी करीब स्थित है। 1991 में 7 इनलाइन परियोजना के विस्तार के हिस्से के रूप में शुरू की गई, नवंबर 2021 में कोयला खदान को बंद कर दिया गया था। लक्ष्य के 17 मिलियन टन में से 16.5 मिलियन टन कोयला खदान से निकाला गया था, जो संयोग से, भी याद किया जाएगा। 16 जून, 2003 को सिंगरेनी के इतिहास में सबसे विनाशकारी दुर्घटना के लिए, जब खदान में पानी गिरने से 17 खनिक मारे गए थे। कोयला मंत्रालय के निर्देशों के आधार पर, एससीसीएल ने

खदान को पर्यटन स्थल में बदलने का फैसला किया। मामले को देखने के लिए, एससीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन श्रीधर ने पांच महाप्रबंधकों के साथ एक कॉर्पोरेट स्तर की समिति का गठन किया है। अनुसंधान एवं विकास जीएम सुभानी को समिति का संयोजक नियुक्त किया गया है।

कॉरपोरेट स्तर की तकनीकी टीम ने इस साल मार्च में खदान का दौरा किया था। टीम नागपुर में वेस्टर्न कोलफील्ड्स, झारखंड के धनबाद और मध्य प्रदेश के सेंट्रल कोलफील्ड्स का दौरा करने पर भी विचार कर रही है ताकि वहां विकसित पर्यटन कोयला खदानों का अध्ययन किया जा सके। हालांकि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है, लेकिन सिंगरेनी के अधिकारी पर्यटन खदान में कुछ सुविधाएं विकसित करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि खदान बहुत गहरी है, एससीसीएल के अधिकारी पर्यटकों को एक किलोमीटर की गहराई तक अनुमति देने पर विचार कर रहे हैं। एक कैंटीन के अलावा, एक प्रोजेक्टर के साथ एक वातानुकूलित हॉल भी स्थापित किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि चूंकि छात्रों और बच्चों के खदान में आने की संभावना है, इसलिए कंपनी के अधिकारी सिंगरेनी के इतिहास पर भी 10 मिनट की एक वृत्तचित्र प्रदर्शित करने की योजना बना रहे हैं।

दूसरी ओर, टीएसआरटीसी खदान और आसपास के तीर्थ केंद्रों को जोड़ने वाले पर्यटन पैकेज पर विचार कर रहा है। पिछले महीने कोयला क्षेत्र का दौरा करने वाले टीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनार ने भी पर्यटन पैकेज पर चर्चा की। एससीसीएल के निदेशक (संचालन, व्यक्तिगत प्रशासन और कल्याण) एस चंद्रशेखर ने कहा कि परियोजना को अंतिम रूप देने के लिए कुछ और विवरणों के साथ तीन से चार महीने लग सकते हैं। उन्होंने कहा कि टीएसआरटीसी पर्यटन पैकेज पर आगे चर्चा करने के लिए 22 नवंबर को आरटीसी अधिकारियों के साथ बैठक की जाएगी।

विकाराबाद में आरटीसी बस के पलटने से एक की मौत, कई घायल

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद के अनंतगिरी में रविवार को एक आरटीसी बस के पलट जाने से कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई घायल हो गए। खबरों के मुताबिक, करीब 50 यात्रियों को लेकर बस विकाराबाद से धारूर मंडल की ओर जा रही थी, तभी चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और बस अनंतगिरी घाट रोड पर पलट गई। सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी घायलों को विकाराबाद के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में दो की हालत नाजुक बताई जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी दुर्घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की निगरानी कर रहे हैं।

इस्नापुर में बस की टक्कर में इंजीनियरिंग के छात्र की मौत, दो घायल

संगारेड्डी, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार की सुबह पाटनचेरू थाना क्षेत्र के इसनापुर में एनएच-65 पर एक कार के बस से टकरा जाने से इंजीनियरिंग के एक छात्र की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक हैदराबाद के वीएनआर विज्ञान ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के छात्रों का एक दल कार में घूमने के लिए गोवा गया था। हैदराबाद वापस जाते समय, कार उसी दिशा में जा रही एक निजी बस से टकरा गई। जबकि जया साई (21) की मौत हो गई, जबकि कार में सवार दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि तेज गति से वाहन चलाने से हादसा हुआ। जब पुलिस ने कार के विवरण की ऑनलाइन जांच की, तो सिद्दीपेट और वारंगल जिलों में वाहन के खिलाफ तीन रैश ड्राइविंग चालान लंबित थे। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पाटनचेरू के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। घायलों को एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। मामला दर्ज किया गया है।

अनाकापल्ली में पिता-पुत्र की जलकर मौत

नरसीपट्टनम, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अनाकपल्ली जिले के कृष्णा बाजार केंद्र में रविवार तड़के आग लगने से एक पिता पुत्र की जलकर मौत हो गयी। आग एक इमारत में लगी, जहां अंबिका ज्वैलरी की दुकान के मालिक मल्लेश्वर राव अपने बेटे मौलेश और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ इमारत की दूसरी मंजिल पर रह रहे थे। परिवार के दो अन्य सदस्य जो झुलस गए थे, उन्हें इलाज के लिए विशाखापत्तनम शहर के किंग जॉर्ज अस्पताल ले जाया गया। घटना के पीछे शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। सूचना पर दमकल की गाड़ी पहुंची और आग बुझाई।

ट्रक की चपेट में आने से ऑटो-रिक्शा में सवार तीन की मौत

अमरावती, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के वाईएसआर कडप्पा जिले में रविवार को एक सड़क हादसे में एक दंपति समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब कडप्पा-ताड़ीपत्री हाईवे पर ऑटो-रिक्शा चालक के पास एक ट्रक ने विपरीत दिशा से आ रहे एक ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी और हादसे में दोनों यात्रियों की मौत हो गई. दस्तागिरी (45) और उनकी पत्नी सरस्वती (35) की मौके पर ही मौत हो गई। घायल हुए तिपहिया चालक प्रेम कुमार (32) ने प्रोद्दातुर ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया, जब उन्हें एम्बुलेंस में अस्पताल ले जाया जा रहा था। कोंडापुरम मंडल के दत्तापुरम गांव का रहने वाला दंपती सरस्वती के इलाज के लिए पड़ोस के गांव का दौरा कर घर लौट रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस दुर्घटनास्थल पर पहुंच गई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि ट्रक चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और विपरीत दिशा से आ रहे ऑटो को टक्कर मार दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एनएसपी नहर में लापता दो युवकों के शव मिले

खम्मम, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पेनुबल्ली मंडल स्थित एनएसपी नहर में शनिवार को लापता हुए दो युवकों के शव रविवार को मिले। तल्लापुरेड्डी नरेंद्र रेड्डी (22) और ए नागा नरेंद्र रेड्डी (18), पेनुबल्ली मंडल के कुप्पेनकुंटला के एक डिग्री छात्र, तुम्मलपल्ली क्षेत्र में नहर में तैरने गए थे और बह गए थे। विशेषज्ञ तैराकों द्वारा शनिवार शाम तक शवों की तलाश की गई तो कोई नतीजा नहीं निकला। रविवार सुबह नहर में तलाशी अभियान फिर से शुरू हुआ और शव उस जगह से 100 मीटर दूर मिले जहां से वे लापता हुए थे। हैदराबाद के एक निजी कॉलेज में बीटेक की पढ़ाई कर रहे नरेंद्र रेड्डी अपने पिता कृष्ण रेड्डी के 'इरुमुडी' समारोह में शामिल होने के लिए गांव पहुंचे थे, जिन्होंने 'अयप्पा दीक्षा' ली थी और सबरीमाला की तीर्थ यात्रा पर थे। समारोह समाप्त होने के बाद दोनों युवक नहर में तैरने गए और बह गए। युवकों की मौत से कुप्पेनकुंटला में मातम छा गया। घटना के संबंध में वीएम बंजार एसआई सूरज ने मामला दर्ज किया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सिंगरेनी ओपनकास्ट प्रोजेक्ट के पास देखा गया बाघ

मंचेरियल, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को रामकृष्णपुर के बाहरी इलाके में सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) से संबंधित एक ओपन कास्ट प्रोजेक्ट के पास एक बाघ देखा गया।

आरके5 ओपनकास्ट प्रोजेक्ट के पास सड़क पार करते हुए बाघ की एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गई, जिसमें वीडियो में एक बाघ को सड़क पार करते हुए दिखाया गया है क्योंकि एक कार के चालक ने वीडियो शूट किया है। वन अधिकारियों ने अभी तक स्थान की पुष्टि नहीं की है।

कागजनगर के ग्रामीण इलाकों में बाघ का विचरण जारी

कुमराम भीम आसिफाबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर मंडल के असगांव गांव के अलग-अलग हिस्सों में शुक्रवार की शाम और शनिवार की सुबह एक बाघ देखा गया, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई. वांकीडी मंडल के गोंडापुर गांव में मंगलवार को उसी बाघ ने एक आदिवासी किसान को मौत के घाट उतार दिया।

ए3 शीर्षक वाला बाघ शनिवार की सुबह गांव के पास देखा गया, जहां के अधिकांश निवासी शरणार्थी हैं। इसके बाद यह कागजनगर मंडल के अनुकोड़ा गांवों के रासपल्ली में चला गया और 45 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए सिरपुर (टी) की ओर चला गया। बाघ को देखकर स्थानीय लोगों और कपास और धान की फसल की कटाई कर रहे किसानों में दहशत फैल गई। बाघ इससे पहले सिरपुर (टी) मंडल के वेम्पल्ली गांव के जंगलों में और शिवपुरम और बेरेगुडा गांवों के कृषि क्षेत्रों में शुक्रवार की रात वांकीडी से इस क्षेत्र की ओर बहने के बाद भटक गया था। ऐसा कहा जाता है कि तेलंगाना के जंगलों में पड़ोसी महाराष्ट्र राज्य के चंद्रपुर में तडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व से क्षेत्र की तलाश में प्रवेश किया था, और आरोप है कि जब वह कपास की गेंद उठा रहा था, तब सिदाम भीम को मार डाला था। आशंका यह भी है कि भीम को तेंदुए ने मारा था। प्रभारी जिला वन अधिकारी जी दिनेश कुमार के नेतृत्व में वन अधिकारियों की टीम गुरुवार शाम से कागजनगर में डेरा डाले हुए है. उन्होंने बाघ की आवाजाही पर नज़र रखने और मानव हानि से बचने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया। अगर इंसानों पर और हमले होते हैं तो वे इसे पकड़ने की योजना बना रहे हैं। दिनेश कुमार ने कहा कि बाघ की आवाजाही पर नज़र रखने और जानवर को नुकसान से बचाने के लिए कागजनगर वन प्रभाग के कई हिस्सों में पशु ट्रैकर तैनात किए गए थे और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे।

केसीआर 4 दिसंबर को करेंगे महबूबनगर में कलेक्ट्रेट परिसर का उद्घाटन

महबूबनगर, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव 4 दिसंबर को महबूबनगर में नए एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट परिसर का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री उसी दिन शहर के पुराने कलेक्ट्रेट कार्यालय के स्थान पर बनने वाले सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की आधारशिला भी रखेंगे. इसके अलावा मुख्यमंत्री महबूबनगर में कई विकास कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे।

मंत्री श्रीनिवास गौड़, जिला कलेक्टर वेंकटराव, अतिरिक्त कलेक्टर तेजस नंदलाल पवार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उन स्थानों का निरीक्षण किया, जिनका मुख्यमंत्री द्वारा दौरा किया जाना है और व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

वन अधिकारियों ने खूनी बाघ को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाए

कुमराम भीम आसिफाबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ दिनों से कागजनगर वन प्रभाग में ग्रामीण लोगों को आतंकित करने वाले कृषि क्षेत्रों और मानव बस्तियों के आसपास जंगलों के किनारों पर घूम रहे हत्यारे बाघ से निपटने के लिए वन अधिकारियों ने एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया है। जरूरत पड़ने पर इसे पकड़ने की भी योजना है। अधिकारी मानव हानि को रोकने की कोशिश कर रहे हैं और साथ ही, बाघ को किसी भी तरह के नुकसान को रोकने की कोशिश कर रहे हैं, जिस पर मंगलवार को गोंडापौर गांव वानकिडी में एक आदिवासी किसान सिदाम भीम (69) को मौत के घाट उतारने और फिर कागजनगर के जंगलों की ओर जाने का संदेह था। अधिकारियों ने कहा कि महाराष्ट्र के चंद्रपुर के तडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व (टीएटीआर) से ताल्लुक रखने वाला उप-वयस्क एकान्त जानवर क्षेत्र की तलाश में तेलंगाना में प्रवेश किया। वन्यजीव संरक्षण सोसायटी (डब्ल्यूसीएस) के पशु ट्रैकर, कर्मचारी और स्वयंसेवकों की आठ टीमों की मदद से बाघ की आवाजाही पर नज़र रखने के प्रयास जारी हैं। वन अधिकारी जी. दिनेश कुमार ने बताया कि अगर यह मनुष्यों पर हमला करता रहा तो वे इसे पकड़ने की भी व्यवस्था कर रहे हैं। हम वर्तमान में बाघ को स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ने और एक सुरक्षित मार्ग प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। साथ ही, हमने एक विशेष रैपिड रेस्क्यू टीम से अनुरोध किया है, जिसमें वारंगल के काकतीय जूलॉजिकल पार्क के एक प्रशिक्षित पशु चिकित्सक भी शामिल हैं, ताकि बाघ के गलत व्यवहार और जनता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उसे पकड़ा जा सके। बाघ की गतिविधियों पर करीब से नजर रख रहे अधिकारियों ने कहा कि एक या दो दिन में इसे पकड़ने के लिए अंतिम फैसला किया जाएगा। एक अधिकारी ने बताया कि रासायनिक स्थिरीकरण के माध्यम से बाघ को पकड़ लिया जाएगा और जीवित चारा के साथ दो पिंजरों को पहले से ही तैयार रखा गया है।

बीसी आवासीय विद्यालय की पांच छात्राओं ने की आत्महत्या की कोशिश

वारंगल, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के अरेपल्ली में सरकारी बीसी आवासीय (महात्मा ज्योतिबा फुले) स्कूल की पांचवीं कक्षा की छात्राओं ने रविवार की तड़के आत्महत्या करने की कोशिश में कथित तौर पर फिनोल का सेवन किया, क्योंकि उन्हें कथित तौर पर छात्रावास में एक लड़के का जन्मदिन मनाते हुए पकड़ा गया था।

जब स्कूल के प्रधानाचार्य कटकुरी सुदर्शन रेड्डी ने उनके माता-पिता को समारोह को 'कदाचार' बताते हुए सूचित किया, तो माता-पिता रविवार की सुबह स्कूल पहुंचे। क्या होगा इस डर से लड़कियों ने कथित तौर पर अपनी जीवन लीला समाप्त करने का प्रयास किया। उन्हें एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई गई।

उधर, प्रिंसिपल ने कहा कि लड़कियों ने लगभग 10 मिली फिनोल का सेवन किया था, क्योंकि केवल एक 100 मिली फिनोल की बोतल थी। उन्होंने कहा कि चौकीदार ने शनिवार की रात उन्हें लड़कियों और लड़कों द्वारा जन्मदिन समारोह के बारे में बुलाया था। इस बीच, आदिवासी, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ ने एक बयान में कहा कि उन्होंने अधिकारियों से बात की है और लड़कियों की स्थिति के बारे में चिंता करने की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि माता-पिता को चिंता करने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि लड़कियों की हालत स्थिर है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.